@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 15 नवम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 11 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार चुनाव : एनडीए को भारी बहुमत

● भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

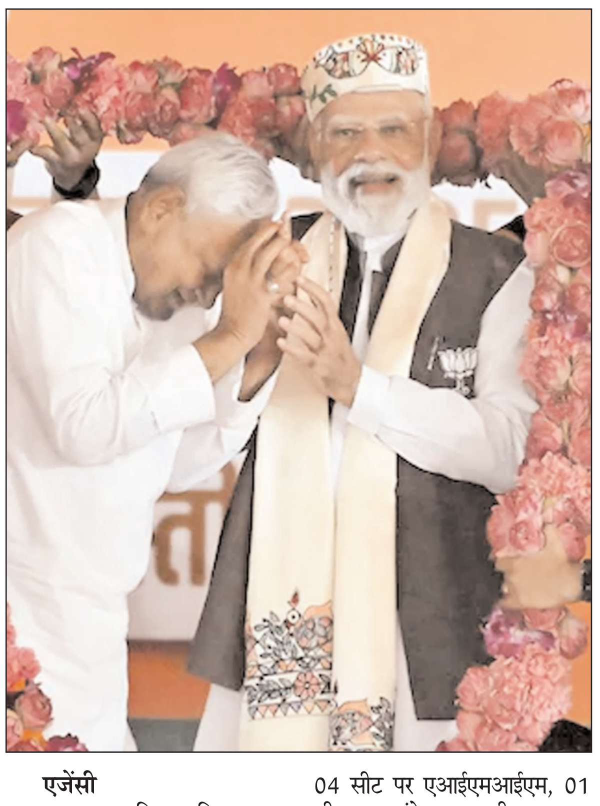

एजेंसी
पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में 243 सीटों में से 88 सीटों के परिणाम आ गए हैं। इनमें से 44 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), 28 पर जदयू, 06 सीट पर राजद, 03 सीट पर लोजपा-आर, 04 सीट पर एआईएमआईएम, 01 सीट पर कांग्रेस, 01 सीट पर हम, 01 सीट पर सीपीआई-एम-एल, 01 सीट पर सीपीआई (एम) ने जीत दर्ज की है। बिहार विधानसभा की 243 सीटों में बाकी बचे 155 सीटों में से 48 पर भाजपा, 55 पर जदयू,

बिहार की जनता ने गर्दा उड़ा दिया : पीएम

● अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार : प्रचंड जीत के बाद बोले पीएम मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनावों में प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार और उत्साहपूर्ण स्वागत किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री ने 'जय छठी मैया! जय छठी मैया! जय छठी मैया!' के जयघोष के साथ संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस चुनाव में ऐसा जनादेश दिया है कि पूरे देश में 'गर्दा उड़ा दिया'। प्रधानमंत्री ने मुस्कराते हुए कहा कि बिहार ने इस बार मखाने की खीर बनाना पक्का कर दिया और उन्हें यह जानकर खुशी है कि दिल्ली मुख्यालय में भी कार्यकर्ताओं ने मखाने की खीर खिलाकर इस जीत को और मीठा बना दिया। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए एक ऐसा गठबंधन है जो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जनता-जनार्दन की सेवा में लगा है। 'हम तो जनता जनार्दन का दिल पहले ही चुरा कर बैठे हैं,' उन्होंने

कहा। उन्होंने अपने भाषण में जंगलराज और कट्टा सरकार का भी जिक्र किया। पीएम मोदी बोले, 'बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज की बात करता था, कट्टा सरकार की बात करता था तो RJD के लोग विरोध नहीं करते थे, लेकिन कांग्रेस को बहुत चुभता था। लेकिन आज मैं फिर कहता हूं–अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार।' प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि बिहार की जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है–फिर एक बार एनडीए सरकार। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बिहार की जनता से रिकॉर्ड मतदान का आग्रह किया था और बिहार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बिहार की जनता से एनडीए को प्रचंड विजय दिलाने की अपील की थी और लोगों ने वह आग्रह मान लिया। '2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश बिहार ने एनडीए को दिया है,' उन्होंने कहा। प्रधानमंत्री ने एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार की महान जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया।

वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया: गृह मंत्री अमित शाह

● 'ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक 'बिहार भूमि' की जनता को कोटि-कोटि नमन।

एजेंसी
पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद राज्य की जनता का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक 'बिहार भूमि' की जनता को कोटि-कोटि नमन। बिहारवासियों की ओर से एनडीए को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की एनडीए की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। पिछले

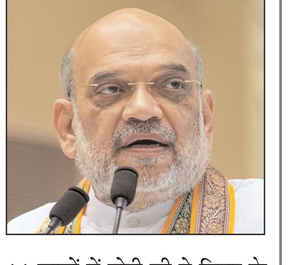

11 सालों में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली पवेलियन का किया उद्घाटन

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 14 नवंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज प्रगति मैदान के हॉल नंबर-2 में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के अंतर्गत दिल्ली पवेलियन का औपचारिक उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पवेलियन में प्रदर्शित विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया और दिल्ली की महिला उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स व अन्य उद्यमियों से संवाद किया। उन्होंने उनके उत्पादों, कौशल और परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली के स्थानीय उद्यमी, विशेषकर महिलाएं आज वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा और मेहनत से नया इतिहास लिख रही हैं। दिल्ली सरकार इसे बढ़ावा देने और विस्तार के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि दिल्ली पवेलियन में अवश्य पधारें और यहां अपने कौशल, मेहनत और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही दिल्ली की महिला उद्यमियों और स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन करें। यह मेला भारत की कला, संस्कृति, नवाचार और उद्यमिता का जीवंत मंच है। उन्होंने आगे कहा कि यह व्यापार मेला न केवल व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देता है, बल्कि देश की विविध संस्कृति और सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करता है। दिल्ली पवेलियन में राजधानी के विभिन्न जिलों के एमएसएमई, शिल्पकारों, स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया गया है। पवेलियन में दिल्ली की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता लाल किला थीम आधारित डिज़ाइन, स्थानीय कला, संस्कृति और आधुनिक उद्यमिता का मिश्रण, सेल्फी पॉइंट तथा इंटरेक्टिव प्रदर्शनी, स्थानीय महिला उद्यमियों और एससी/एसटी आधारित इकाइयों का विशेष प्रतिनिधित्व व 49 स्टॉलों के माध्यम से दिल्ली की विविधता और रचनात्मक क्षमता का प्रदर्शन। इन स्टॉलों को जिला-वार भी विकसित किया गया है ताकि दिल्ली के विशिष्ट उत्पादों, स्टार्टअप नवाचारों और स्थानीय प्रतिभा को पर्याप्त दृश्यता मिल सके।

नीतीश कुमार ने राज्य के सभी मतदाताओं का जताया आभार

एजेंसी
पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली निर्णायक एवं ऐतिहासिक बढ़त पर सभी मतदाताओं का आभार जताया है। नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, 'बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद।' नीतीश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनसे मिले सहयोग के लिए उनका नमन करते हुए हृदय से आभार एवं धन्यवाद। राजग ने इस चुनाव में पूरी एकजुटता दिखाते हुए भारी बहुमत हासिल किया है। इस भारी जीत के लिए राजग के सभी साथियों-चिराग पासवान, जीतन राम मांझी एवं उपेन्द्र कुशवाहा का भी धन्यवाद एवं आभार। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

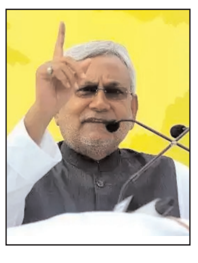

बिहार के नतीजे एनडीए में लोगों के निरंतर विश्वास को दर्शाते हैं -चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी
विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि बिहार में एनडीए की भारी और ऐतिहासिक जीत प्रगतिशील शासन देने की क्षमता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में लोगों के निरंतर विश्वास को दर्शाती है। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। इससे पहले, विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट को संबोधित करते हुए चंद्रबाबू नायडू ने भविष्यवाणी की थी कि एनडीए 200 सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि लोग नरेंद्र मोदी के साथ हैं। यह हमेशा के लिए होने वाला है। किसी और देश,

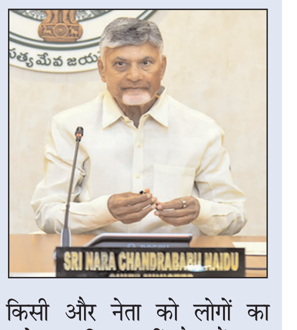

किसी और नेता को लोगों का भरोसा हासिल नहीं है। मैं कह सकता हूं कि एक लोकतांत्रिक देश में नरेंद्र मोदी ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें पूर्ण विश्वास और भरोसा हासिल है।

विकास के रोडमैप ने बिहार की धरती पर जंगलराज को नो एंट्री का दिया स्पष्ट संदेश: जेपी नड्डा

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की महाजीत को लेकर भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में जश्न का माहौल है। इस जश्न के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पहुंचे। मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने भी गमछा को हिलाकर कार्यकर्ताओं का अभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार की जनता का आभार व्यक्त करते हुए अपने संबोधन में कहा कि बिहार चुनाव के नतीजे बताते हैं कि यह सुनामी है। बिहार की जनता के साथ देश की जनता ने प्रधानमंत्री पर अटूट विश्वास व्यक्त किया है। यह चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास बनाम जंगलराज का था। लोगों ने विकास पर मुहर लगाई। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास की राजनीति है। जनता ने डबल इंजन की सरकार को स्पष्ट बहुमत देकर सुनामी के रूप में स्पष्ट कर दिया है। रोडमैप विकास का जंगलराज को नो इंट्री का स्पष्ट संदेश दे दिया है। उन्होंने कहा कि साल 2024 के आम चुनाव में एनडीए की कुछ सीटें कम हो गई थी। भारत की जनता को यह नागवार गुजरी है। यह उनके मन में दर्ज उनकी पीड़ा जिसके तहत भारत की जनता ने तय किया कि अगले कोई भी चुनाव में मोदी के प्रति अटूट विश्वास जगाएं। अटूट प्रेम और विश्वास भारत की जनता ने 2024 के बाद हर चुनाव में स्पष्ट बहुमत दिया। हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार की हैट्रिक लगी। महाराष्ट्र में भी लोकसभा में कुछ सीटें कम हुई लेकिन विधानसभा चुनाव में उन्होंने सूद समेत एनडीए की वापसी की। जब दिल्ली के चुनाव आए तो दिल्ली की जनता ने भी तीन दशक बाद यहां भाजपा की सरकार बनाई। देश की जनता ने मान लिया है कि अब दोबारा यह गलती नहीं होगी। इसलिए जब जब चुनाव हो रहे हैं जनता मोदी को अपना बेशुमार प्यार दे रही है। यही आज बिहार की जनता ने बता दिया है। यह अबतक का सबसे अधिक स्ट्राइक रेट है। बिहार की जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है। बिहार की जनता का अटूट प्रेम और विश्वास का नतीजा है। जेपी नड्डा ने कहा कि एक ओर बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपना विश्वास दिखाया है, वहीं उन्होंने नीतीश कुमार के सुशासन पर भी मुहर लगाई है। केन्द्र सरकार के विकास कार्यों को जमीन पर कार्यान्वित नीतिश कुमार ने किया। इस चुनाव में भाजपा को समाज के सभी वर्गों का आर्शीवाद मिला।

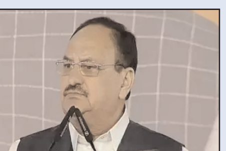

विस उपचुनाव
सात राज्यों की 8 सीटों में से भाजपा 2, कांग्रेस 2

● अन्य 4 पर विजयी

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे शुक्रवार को मतगणना के बाद घोषित किए गए। भाजपा और कांग्रेस को दो-दो, आम आदमी पार्टी (आआपा) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को एक-एक सीट पर जीत मिली है, जबकि जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जेएंडके-पीजीपी) और मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) एक-एक सीट जीतने में कामयाब रहीं। चुनाव आयोग के अनुसार जम्मू-कश्मीर की बडगाम और नगरोटा, राजस्थान की अंता, झारखंड की घाटशिला, तेलंगाना की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डंपा और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे घोषित किए गए। जम्मू-कश्मीर के नगरोटा से भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा और बडगाम से जेएंडके-पीडीपी के आगा सैयद मुंतजिर विजयी हुए। उपचुनाव में जम्मू-कश्मीर की बडगाम सीट सबसे अधिक चर्चा में रही। यहां उपचुनाव मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे के बाद कराया गया। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने दो सीटों गांदरबल और बडगाम से जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने गांदरबल सीट बरकरार रखते हुए बडगाम से इस्तीफा दे दिया था। बडगाम से 20 उम्मीदवारों ने किस्मत आजमाई। राजस्थान की अंता (बारां) सीट पर कांग्रेस के प्रमोद जैन और तेलंगाना की जुबली हिल्स से कांग्रेस के नवीन यादव को जीत मिली है। पहले अंता की सीट भाजपा और जुबली हिल्स सीट पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी बीआरएस के पास थी। आआपा पंजाब की तरनतारन सीट बचाने में कामयाब रही है। यहां से हरमीत सिंह संधू ने जीत हासिल की। मिजोरम के डम्पा से मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के आर. लालथंगलियाना ने जीत दर्ज की है। ओडिशा की नुआपाड़ा सीट पर भाजपा के जय ढोलकिया ने जीत दर्ज की है। झारखंड की घाटशिला सीट से पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन झामुमो के सोमेश चंद्र सोरेन से चुनाव हार गए हैं।

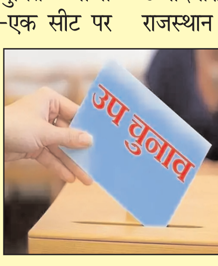

राष्ट्रपति ने बाल दिवस पर बच्चों से किया संवाद

● आत्मविश्वासी नागरिक बनने का दिया संदेश

एजेंसी
नई दिल्ली। बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के आए बच्चों के साथ संवाद किया। इस विशेष मौके पर राष्ट्रपति ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि उन्हें आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना बेहद आवश्यक है। राष्ट्रपति मुर्मु ने बच्चों के साथ कुछ हर्षोल्लासपूर्ण पल भी बिताए। कार्यक्रम के दौरान कई बच्चों ने वंदे मातरम् प्रस्तुत किया और कविताएं सुनाईं, जिनसे वातावरण उल्लासपूर्ण हो उठा। राष्ट्रपति ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। बाल दिवस पर यह कार्यक्रम बच्चों में राष्ट्रप्रेम, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

डॉ. मोहन भागवत ने धानया स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

● प्रदर्शनी का किया अवलोकन

एजेंसी
जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत शुक्रवार को जयपुर के धानक्या गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक पर पहुंचे। उन्होंने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्मारक पर संस्कार सृष्टि तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं को देखा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की गत 6 वर्षों की गतिविधियों पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर डॉ. भागवत ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी का जो दर्शन है, उसके पीछे उनकी पूरी जीवन की तपस्या है। वह कोरा चिंतन नहीं है। जीवन के अनुभव की गहराई में जो मनन हुआ है उसका परिणाम है। यह दर्शन नया नहीं है, अपना सनातन दर्शन ही है। दीनदयाल जी ने इस दर्शन को देशकाल और परिस्थिति के अनुसार प्रस्तुत किया है, जो ऋषि मुनियों ने कहा उसे अनुभव किया और उस अनुभव में से उसका एक परिष्कृत रूप उन्होंने समाज के सामने रखा। डॉ. भागवत ने कहा कि दीनदयाल जी का दर्शन इस राष्ट्रीय स्मारक से देश में सभी जगह जाना चाहिए। इनके आदर्शों का प्रचार सर्वत्र हो, ऐसा प्रयास हमें करना चाहिए और उनके जीवन के अनुसार जीने वाले लोगों को प्रति वर्ष यहां सम्मानित भी करना चाहिए। सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या, ये चारों बातें दीनदयाल जी के जीवन में पूर्णतः उत्कर्षता के साथ दिखती है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी स्वतंत्र भारत में एकमात्र उदाहरण है जिन्होंने राजनीति में जाकर राजनीति की प्रकृति को बदलने का प्रयास किया।

दिल्ली आतंकी हमले के ऑनलाइन समर्थन पर असम में 20 गिरफ्तार

एजेंसी
गुवाहाटी। दिल्ली आतंकी हमले के आरोपितों के पक्ष में सोशल मीडिया पर समर्थन जताने वालों के खिलाफ असम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के विभिन्न जिलों में छापेमारी के बाद कुल 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया के जरिए शुक्रवार को कहा कि ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और खोज अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पुलिस के अनुसार, जिन व्यक्तियों को पकड़ा गया है, वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हमले में शामिल आतंकियों के समर्थन में पोस्ट और प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद का महिमामंडन करने या राष्ट्र की सुरक्षा को चुनौती देने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आईसीयू में भर्ती धर्मेंद्र और उनके परिवार का चुपके से वीडियो बनाना पड़ा महंगा, अस्पताल कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता धर्मेंद्र अभी भी इलाज करा रहे हैं। इस बीच, उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें परिवार के सभी सदस्य उनके आसपास नजर आ रहे थे। उनकी पत्नी प्रकाश कौर रो रही थीं और सनी देओल उन्हें दिलासा दे रहे थे। परिवार के इस बेहद निजी और भावुक पल की फुटेज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के एक कर्मचारी ने चुपके से रिकॉर्ड कर ली। अब जानकारी सामने आ रही है कि वीडियो शूट करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो अभिनेता के अस्पताल से छुट्टी मिलने के अगले दिन 13 नवंबर को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो में धर्मेंद्र बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रहे थे, जबकि उनके बेटे बॉबी देओल, सनी देओल और बेटियां अजीता और विजेयता और परिवार के अन्य सदस्य पास में खड़े थे। सभी दुखी थे और उनकी आंखों में आंसू थे। सनी के बच्चे करण और राजवीर भी वहीं थे। धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर क्लिप में फूट-फूट कर रोती हुई दिखाई दे रही थीं। खबर के अनुसार पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जिस कर्मचारी ने चुपके से वीडियो बनाया था, उसे हिरासत में ले लिया गया है।

पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर राजमार्ग बंद... किसानों का विरोध मार्चा

अंबाला (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने राजपुरा-अंबाला-दिल्ली राजमार्ग (जो जीटी रोड का हिस्सा है) को पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू सीमा पर यातायात के लिए बंद कर दिया है। शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक। कौमी इंसाफ मोर्चा और सहयोगी किसान यूनियनों द्वारा शंभू बैरियर की ओर बढ़ रहे विरोध मार्च के कारण। राजपुरा शहर और राजपुरा-ज़ीरकपुर मार्ग पर भारी जाम की आशंका है। यातायात प्रबंधन और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी डायवर्जन मार्गों पर पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करें। यह विरोध मार्च पंजाब भर में चल रहे कृषि और श्रमिक संघों के आंदोलनों की श्रृंखला का हिस्सा है। प्रदर्शनकारी निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अपनी सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों (बंदी सिंहों) की रिहाई की मांग। (कौमी इंसाफ मोर्चा द्वारा आहूत) बिजली संशोधन विधेयक 2025, बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान, किसानों को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक मुद्दे। विरोध में शामिल प्रमुख समूह, कौमी इंसाफ मोर्चा सहयोगी किसान यूनियनें किसान मजदूर मोर्चा (संयुक्त विरोध की योजना), भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) (संयुक्त विरोध की योजना), किसान मजदूर संघर्ष समिति के प्रमुख सरवन सिंह पंधेर और एसकेएम (गैर-राजनीतिक) प्रमुख जगजीत सिंह दल्लेवाल ने कौमी इंसाफ मोर्चा के विरोध प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा की है।

केदारनाथ धाम में फैला 2300 टन कचरे... अब निस्तारित करने में 25 करोड़ खर्च होगा

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में मौजूद केदारनाथ धाम में 2025 में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस आस्था के साथ केदारनाथ धाम में 2300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया है। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो तक कचरा केदारनाथ धाम में छोड़ा। बीते साल की तुलना में करीब 150 ग्राम प्रति यात्री ज्यादा रहा। अब इस कचरे को निस्तारित करने में 25 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च होगा है, जो इस उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौजूद शिव धाम के पर्यावरण के लिए नई चुनौती है। केदारनाथ ऊंचे हिमालयी क्षेत्र में है। यहां न कचरा जलाने की अनुमति है, न निपटारे प्लांट लग सकता है। केदारनाथ धाम में इस साल करीब 2300 टन कचरा इकट्ठा हुआ। यह गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। जिसमें करीब 100 टन प्लास्टिक कचरा था जबकि 2200 टन बाकी कचरा रहा। यात्रा के दौरान जमा हुआ पूरा कचरा वापस नीचे सोनप्रयाग लाकर निस्तारित करना पड़ता है। यह काम खच्चर करते हैं। हर खच्चर सिर्फ 10 से 12 किलो तक कचरा जा पाता है। एक फेरा कराने का खर्च 1700 रुपए तक आता है। इसलिए केदारनाथ में फैले कचरे को सोनप्रयाग तक पहुंचाने में करीब 25 करोड़ का खर्च हो रहा है।

हिमाचल में ईवीएम की सुरक्षा में तैनात 8 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बिलासपुर (एजेंसी)। हिमाचल के बिलासपुर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की सुरक्षा में तैनात 8 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इन पर स्ट्रॉन्ग-रूम में रखी ईवीएम की सुरक्षा में लापरवाही बरतने का आरोप है। सस्पेंशन के बाद इन जवानों को लाइन हाजिर किया गया। इसमें 2 हेड कॉन्स्टेबल और 6 कॉन्स्टेबल शामिल है। इलेक्शन कमीशन ने 2 विधानसभा की हाईकोर्ट में पिटीशन होने की वजह से बिलासपुर कॉलेज और लखनपुर में ईवीएम के लिए स्ट्रॉन्ग रूम बना रखा है। इसलिए, यहां 24 घंटे पुलिस जवानों की ड्यूटी रहती थी, ताकि ईवीएम से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो। एडिशनल एसपी शिव चौधरी रात 11 बजे पहले बिलासपुर कॉलेज पहुंचे। इसके बाद, रात 12 बजे लखनपुर में बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे। बिलासपुर में 5 पुलिस जवान ड्यूटी पर होने चाहिए थे। मगर एक भी ड्यूटी पर नहीं मिला। उन्होंने बताया- लखनपुर में दो होमगार्ड जवान ड्यूटी पर मिले। मगर यहां भी पुलिस के 3 जवान गायब थे।

भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला लापता, भारत सरकार ने जांच शुरु की

अमृतसर (एजेंसी)। पाकिस्तान दर्शन के लिए गए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे से एक महिला के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। कपूरथला निवासी सरबजीत कौर 1932 श्रद्धालुओं के साथ 4 नवंबर को अटारी बॉर्डर के द्वारा पाकिस्तान गई थीं। लेकिन 10 दिन बाद लौटे जत्थे में उनकी गैरमौजूदगी का मामला सामने आया है। इमिग्रेशन फॉर्म में उनकी राष्ट्रीयता और पासपोर्ट नंबर खाली मिलने से संदेह और बढ़ गया है। भारतीय एजेंसियों ने मामला गंभीर मानकर जांच शुरू कर पाकिस्तान स्थित अधिकारियों से संपर्क किया है। महिला की पहचान सरबजीत कौर, निवासी पिंड अमैनीपुर, जिला कपूरथला (पंजाब) के रूप में हुई है।

महागठबंधन के लिए कमजोर कड़ी साबित हो रही कांग्रेस... अखिलेश और ममता के फैसलों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं, और इन नतीजों ने तमाम अनुमानों को ध्वस्त किया है। बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। अब तक के आए नतीजों में एनडीए का आंकड़ा 200 के पार जाता नजर आ रहा है। एनडीए के पक्ष में ऐसी आंधी चली है कि महागठबंधन की सीटों का आंकड़ा 30 के नीचे जाता दिख रहा है। महागठबंधन में शामिल सभी दलों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। कांग्रेस की सीटें 5 से भी कम हो गई हैं, जबकि मुकेश सहनी की पार्टी का खाता भी नहीं खुलता दिख रहा।

बिहार में लगातार दूसरी बार कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद बुरा रहा है। इसके बाद सवाल उठता है कि कांग्रेस के साथ लड़कर सहयोगी दलों को फायदा है या नहीं और दूसरी तरफ यह भी प्रश्न है कि कांग्रेस को भी इसका क्या फायदा। क्योंकि बिहार के बाद बंगाल और यूपी का चुनाव है। बंगाल में भले ही ममता बनर्जी अपने दम पर चुनाव लड़ती हैं, लेकिन समय-समय पर कांग्रेस के साथ गठबंधन की चर्चा रहती है। वहीं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है।

नतीजों के बाद बिहार की राजनीति को करीब से देखने वालों का कहना है कि अलग-अलग सीटों पर ये दल लड़े होते, तब नतीजे जो भी होते कम से कम कार्यकर्ताओं को मनोबल बना रहता। पिछले बिहार चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन को लेकर आरजेडी के भीतर सवाल खड़े हुए थे और इस बार भी बहुत कुछ नहीं बदला है। हालांकि इस बार आरजेडी भी उस स्थिति में नहीं कि कांग्रेस पर दोष दे सके।

बिहार नतीजों पर सबसे करीब नजर सपा मुखिया अखिलेश यादव की रही होगी। यूपी का पड़ोसी राज्य बिहार है। इतना ही नहीं अखिलेश यादव ने महागठबंधन के पक्ष में प्रचार किया था। 2027 में यूपी का चुनाव है और अखिलेश के लिए यह चुनाव काफी मायने रखता है। आम चुनाव में कांग्रेस और सपा दोनों ने मिलकर बेहतर प्रदर्शन किया था लेकिन विधानसभा चुनाव में अलग चुनौती होगी। सपा शायद यूपी में कांग्रेस को कम महत्व दे लेकिन डर इसका भी हैं कि कांग्रेस के अलग लड़ने से नुकसान न पहुंच जाए।

अगले साल बंगाल में विधानसभा चुनाव होने है। बंगाल में पहली बार कमल खिलाने के लिए बीजेपी अपना पूरा जोर लगा रही है, लेकिन अब तक कमल खिला नहीं सकी है। हालांकि बिहार नतीजों ने बंगाल के बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोश भर दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन में रहते हुए भी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया। हालांकि उसके बाद कई बार यह सवाल सामने आया कि क्या अगले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ सकते हैं। अब बिहार नतीजों के बाद ममता बनर्जी को गठबंधन को लेकर जो कन्फ्यूजन होगा शायद वह दूर हो जाए।

जिन्हें 'राम नाम' से दिक्कत है, वो लाहौर की टिकट कटवा लें-बागेश्वर बाबा

मथुरा (एजेंसी)। सनातन एकता पदयात्रा के मथुरा जिले के कोसी से रवाना होने से पूर्व शुक्रवार को सुबह बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि जिनको राम नाम, वंदे मातरम, जय श्री राम से दिक्कत हो तो जल्दी ही लाहौर की टिकट कटवा लें। अगर पैसा भी न हो तो हम कर्ज लेकर अपने पैसे से टिकट करवाएंगे। जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं। बाबा बागेश्वर धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि हम मुसलमानों के विरोधी नहीं। हम उनके विरोधी हैं जो राम और राष्ट्र का नहीं हो सकता है, हम उनके विरोधी हैं जो खाते भारत का हैं और गुणगान उन लोगों का करते हैं। वो आप के चाचा लगते हैं क्या? कुछ हमारे हिंदू गीता, गंगा, संतों, सनातन एकता पद यात्रा का विरोध करते हैं। भैया अगर शुगर हो जाती है, तो शुगर चेक कार्रवाई जाती है। वैसे जो हिन्दूओं का विरोध करते हैं वो अपना डीएनए टेस्ट करवा लें। इससे पूर्व राष्ट्रगान, वंदेमातरम के साथ एक जुट होने की शपथ दिलाई गई।

कांग्रेस अब पहले से ज्यादा वामपंथी: शशि थरूर

हैदराबाद(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में पार्टी की विचारधारा पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाल के वर्षों में पहले से कहीं अधिक वामपंथी हो गई है। यह बदलाव भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला करने की रणनीति का हिस्सा है। थरूर की टिप्पणी पार्टी की ऐतिहासिक मध्यमार्गी छवि से विचलन को रेखांकित करती है।

थरूर से पूछा गया कि क्या भाजपा के खिलाफ कांग्रेस और वामपंथी दलों का गठबंधन रेडिकल सेंट्रिज्म का उदाहरण है। उन्होंने जवाब दिया कि उनके विचार सिद्धांतों और विचारधारा पर केंद्रित हैं, जहां दूरियां पाटने की जरूरत है। हालांकि, रणनीतिक समायोजन बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ मायनों में, इसका नतीजा यह हुआ है कि मेरी पार्टी पहले से कहीं ज्यादा वामपंथी बन गई है। यह भाजपा की नीतियों के विरोध में हो रहा है। थरूर ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव विपक्षी भूमिका से उपजा है। थरूर ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस को मध्यमार्गी बताया। उस दौर में पार्टी ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कुछ नीतियों से प्रेरणा ली। 1990 के दशक में नरसिम्हा राव के नेतृत्व में शुरू की गईं आर्थिक सुधार नीतियां थीं, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने पर अपनाया। थरूर के अनुसार, 1991 से 2009 तक का दौर मध्यमार्गी था। पार्टी ने उदारीकरण और बाजार सुधारों को बढ़ावा दिया। लेकिन 2009 के बाद यह बदलाव शुरू हुआ, जो विपक्ष में रहते हुए तेज हो गया। थरूर ने इस वामपंथी झुकाव को भाजपा की 'विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला बताया। कांग्रेस अब सामाजिक न्याय, वेलफेयर योजनाओं और वामपंथी एजेंडे पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस पहले की तुलना में कहीं ज्यादा वामपंथी हो गई है। यह रणनीतिक समायोजन है या दार्शनिक बदलाव, यह भविष्य तय करेगा। थरूर की टिप्पणी पार्टी के अंदरूनी बहस को उजागर करती है। पहले आडवाणी की तारीफ पर विवाद के बाद यह बयान चर्चा में है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति पर जताई चिंता

-मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर, वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट में वर्चुअली पेश होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है, जहां हवा लगातार जहरीली बनी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा है कि मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर है जिससे सेहत को स्थायी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वरिष्ठ वकीलों को कोर्ट आने के बजाए वर्चुअली पेश होना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ के समक्ष दूसरे मामलों की सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब और गंभीर है। इससे सेहत को स्थाई नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट में हाइब्रीड सुनवाई हो रही है। अधिकतर वकीलों को वर्चुअल रूप से पेश होना चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वैसे हम मास्क लगाकर सभी एहतियात बरतते हैं।

इस पर जस्टिस नरसिम्हा में कहा कि खतरा मास्क से भी आगे निकल चुका है। हवा में खतरनाक प्रदूषण का स्तर 300 से काफी आगे जा चुका है। लिहाजा एहतियात भी उसी स्तर के अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले पर मुख्य न्यायाधीश से भी बात की जाएगी। शुक्रवार को दिल्ली के लोगों को खतरनाक हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं दिखा और शुक्रवार सुबह 8 बजे एक्युआई 397 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

सुबह 7 बजे एक्युआई 399 था। गुरुवार को शाम 4 बजे दिल्ली का एक्युआई 404 दर्ज किया गया था, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों ने शुक्रवार को एक्युआई 400 से भी ऊपर दर्ज किया।

विस्फोट के बाद दिल्ली में सुरक्षा कड़ी, जगह-जगह हो रही गाड़ियों की चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट और आईजीआई एयरपोर्ट पर बम की धमकी भरे मेल के बाद सीआईएसएफ के साथ मिलकर एयरपोर्ट पुलिस की टीम संयुक्त कार्रवाई कर रही है। एरोसिटी और यहां आने वाले रास्तों पर भी जगह-जगह बैरिकेडिंग करके जांच की जा रही है। कई जगह गाड़ियों को चेक भी किया जा रहा है। डॉग स्क्वॉड को विशेष रूप से जांच में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे किसी भी संदिग्ध गाड़ी का पता लगाया जा सके। एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को एडवाइजरी जारी करके कहा गया है कि तीन घंटा पहले एयरपोर्ट पहुंचे। इसके अलावा मेट्रो यात्रियों को 20 मिनट पहले और रेल यात्रियों को एक घंटा पहले स्टेशन पहुंचने के लिए कहा है, जिससे सुरक्षा जांच में लगने वाले समय से यात्रियों को असुविधा न हो और वे सुरक्षा जांच से गुजरकर अपने अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। आईजीआई एयरपोर्ट के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर चेकिंग और पट्रोलिंग बढ़ाई गई है। दिल्ली पुलिस की सभी इकाइयां और सीआईएसएफ टीम सुरक्षा को लेकर काम कर रही है। गाड़ियों की सिक्योरिटी जांच सख्ती से की जा रही है। इनवर्टेड मिरर कैमरा का इस्तेमाल भी गाड़ियों की चेकिंग के लिए किया जा रहा है।

बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी... केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भरी हुंकार

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 2025 के बिहार चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भारी जीत का अनुमान लगाया, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन मतगणना के बीच कई विधानसभा क्षेत्रों में लीड कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, मैं पहले दिन से कह रहा था कि बिहार में हमारी भारी जीत होगी। बिहार के लोग हमेशा से इस सरकार को लेकर बहुत उत्साहित रहे हैं। बिहार के लोगों ने शांति, न्याय और विकास के लिए वोट दिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार को समझने वाले जानते हैं कि यहाँ के लोग जंगल राज नहीं चाहते। बिहार के नागरिक अराजकता और भ्रष्ट नेतृत्व को नकारते हैं। एक समर्पित भाजपा कार्यकर्ता के रूप में, मैं साफ कहता हूँ, बिहार की जीत हमारी है, अब बंगाल की बारी है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हम बंगाल भी जीतने वाले हैं। वहाँ की मौजूदा सरकार अराजकता से भरी है, बाहरी तत्वों के प्रभाव में है, लेकिन बंगाल के लोग अंततः सच्चाई को पहचान लेने वाले है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि बिहार चुनाव के नतीजे मतदाताओं द्वारा अराजकता को नकारने और एनडीए के विकास को स्वीकार करने का प्रणाम हैं। आज हम हर ज़िले में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज खुलते देख रहे हैं। घटिया चरवाहा विद्यालयों को हटाया गया है। यही बिहार में प्रगति है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह सच है कि आज के युवाओं ने भले ही जंगल राज न देखा हो, लेकिन उनके बुजुर्गों ने देखा है। मैं साफ़ कह रहा हूँ कि बिहार इन भ्रष्ट नेताओं के हाथों में नहीं जाएगा। नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद के बारे में पूछे गए सवालों पर उन्होंने दो टूक कहा कि बिहार सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी और इसमें किसी भ्रम की कोई ज़रूरत नहीं है।

भाजपा नेता का तंज: चिदंबरम ने आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट के बाद इस मुद्दे पर राजनैतिक बहस भी तेज होती जा रही है। एक भाजपा नेता ने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि देश के पूर्व गृहमंत्री पी चिदंबरम ने शायद आतंकवाद पर पीएचडी हासिल कर ली है। क्योंकि उनके कार्यकाल में आए दिन आतंकी धमाके करते थे। कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि चिदंबरम को आतंकवाद पर शायद पीएचडी हासिल है, क्योंकि उनके गृह मंत्री रहते हुए देश में हर दिन कहीं न कहीं बम धमाके होते थे। गौरव वल्लभ ने कहा कि हमारी मौजूदा सरकार और देशवासी आतंकवाद को आतंकवाद ही मानते हैं, उसके प्रकार नहीं ढूंढते। वर्तमान सरकार आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देती है, गोली का जवाब गोले से देती है। दिल्ली में हुए विस्फोट को जिन लोगों ने अंजाम दिया है और जिन्होंने इसकी साजिश रची है, दोनों को भारत की न्यायिक व्यवस्था के तहत सख्त सजा जरूर मिलेगी।

भाजपा नेता ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि पी चिदंबरम को आतंकवाद के प्रकारों की जानकारी जरूर होगी, क्योंकि उनके समय में आतंकवादी घटनाएं आम बात थीं। यही अंतर है नए भारत और 2004 से 2014 के यूपीए शासनकाल में। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह देशवासियों से वादा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार वैसी नहीं है, जिसके कार्यकाल में तीन हजार किलो आरडीएक्स देश में घुस जाए और पता भी न चले। गौरव वल्लभ ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सतर्क कार्रवाई कर आरडीएक्स की खेप को जब्त किया और इसी दबाव के चलते आतंकी इस तरह के विस्फोट करने को मजबूर हुए। वहीं, आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज के उस पोस्ट पर भी गौरव वल्लभ ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें भारद्वाज ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता विस्फोट में घायलों से मिलने का दिखावा कर रहे हैं। गौरव वल्लभ ने कहा कि शराब प्रेमी पार्टी के नेताओं को समस्या यह है कि जब दिल्ली के घाव पर मरहम लगाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह दो घंटे में मौके पर पहुंच गए तो उन्हें यह दिखावा लग रहा है। यह सरकार शीशमहल बनाने में व्यस्त रहने वाली नहीं है, बल्कि यह हमेशा जनता के साथ खड़ी रहती है।

6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय, योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी की आशंका

-अब तक 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला, यूआईडीएआई कर रहा सर्वे

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में हर नागरिक को आधार नंबर जारी करने की शुरुआत को 15 साल हो चुके हैं। इस दौरान 142 करोड़ से ज्यादा आधार कार्ड जारी हुए, लेकिन 8 करोड़ से ज्यादा धारकों की मौत के बावजूद 1.83 करोड़ कार्ड ही निष्क्रिय हुए हैं। करीब 6 करोड़ मृतकों के आधार अभी भी सक्रिय हैं। इससे बैंक फ्रॉड, फर्जी खातों और सरकारी योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी जैसी आशंकाएं बढ़ गई हैं। यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के सीईओ भुवनेश कुमार के मुताबिक भारत के महापंजीयक से अब तक यूआईडीएआई को 1.55 करोड़ मृतकों का डेटा मिला है। नवंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 38 लाख और मृतकों की सूची जुड़ी। इनमें 1.17 करोड़ की पहचान हुई है और उनके आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। प्राधिकरण का अनुमान है कि दिसंबर तक 2 करोड़ कार्ड निष्क्रिय हो जाएंगे।

यूआईडीएआई ने चार महीने पहले वेबसाइट पर मृत्यु सूचना पोर्टल शुरू किया ताकि परिजन मृतक का आधार ऑनलाइन निष्क्रिय करा सकें। अब तक केवल 3,000 लोगों ने जानकारी दर्ज कराई है, जिनमें से 500 मामलों में ही पुष्टि हो सकी और उनके कार्ड निष्क्रिय किए गए हैं। सीईओ ने कहा कि आधार की शुरुआत 2010 में हुई। वहीं, 2016 के बाद से करीब 8 करोड़ आधार धारकों की मृत्यु का अनुमान है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम से केवल 25 राज्यों के आंकड़े मिलते हैं। बाकी राज्यों से डेटा जुटाने का काम जारी है।

उन्होंने बताया कि जब आधार जारी होना शुरू हुआ तो देश में सालाना मौतें करीब 56 लाख थीं। बढ़ते-बढ़ते आंकड़ा 85 लाख पहुंच गया। इसलिए हम 2016 से अब तक आठ करोड़ मौत मान रहे हैं। मृत्यु का पंजीकरण अब भी बेहद कैजुअल है। करीब 48 लाख नामों का मिलान नहीं हो पाया है। इनमें से 4-5 फीसदी रिकॉर्ड क्षेत्रीय भाषा में दर्ज जानकारी के कारण मैच नहीं हो सके। इस प्रक्रिया में 80 ऐसे मामले सामने आए जिनमें मृत घोषित किए गए लोग बाद में जिंदा पाए गए। अब इन मामलों की जांच चल रही है।

यूआईडीएआई के डेटाबेस में 8.30 लाख आधार धारकों की उम्र 100 साल से अधिक दर्ज है। इनमें सर्वाधिक महाराष्ट्र में 74,000, यूपी में 67,000, आंध्र में 64,000 व तेलंगाना में 62,000 कार्ड धारक शामिल हैं। राज्यों ने इनमें से अब तक 3,086 मामलों की ही पुष्टि की। इनमें 629 जिंदा, 783 मृत और 1,674 की जानकारी नहीं मिली। एसबीआई के 22 करोड़ आधार-लिंक्ड खातों में 8 लाख मृतकों के खाते बंद किए गए। पीडीएस से जुड़े 80 करोड़ राशन कार्डों में से 4.5 लाख मृतकों के कार्ड सक्रिय पाए गए। दो करोड़ पेंशनरों में 22 लाख की मौत की पुष्टि। बीमा कंपनियों के पास 5 लाख मृतकों की जानकारी है।

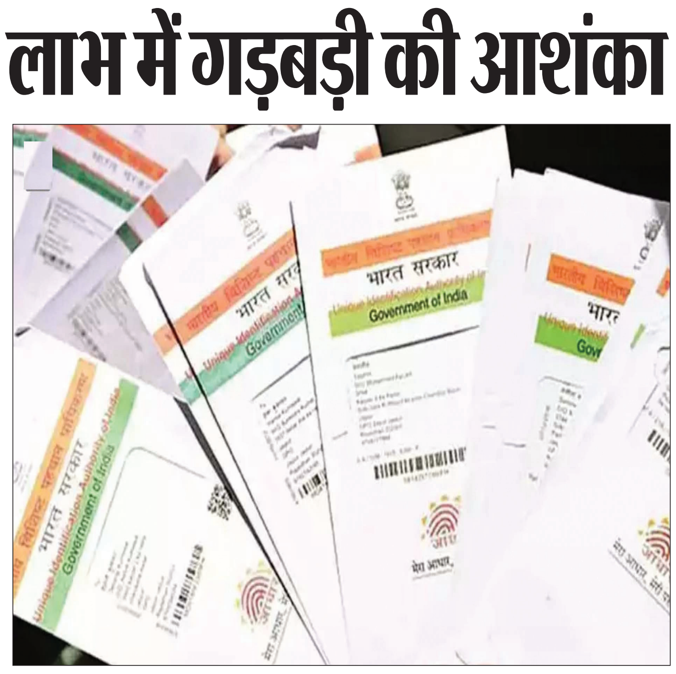

44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 (IITF) का हुआ शुभारंभ

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। भारत मंडप, प्रगति मैदान में 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 (IITF) के अवसर पर माननीय जितिन प्रसाद, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री, द्वारा उत्तर प्रदेश मंडप का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर %एक भारत श्रेष्ठ भारत थीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की समृद्ध औद्योगिक विरासत, परंपरागत कौशल, और उद्यमशील भावना को प्रदर्शित किया गया। यह मंडप राज्य के 140 से अधिक प्रदर्शकों को मंच प्रदान करता है, जिनमें पारंपरिक कारीगर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), स्टार्टअप, और महिला उद्यमी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के इस प्रदर्शन में एक जिला एक उत्पाद (ODOP) योजना के तहत हस्तशिल्प, वस्त्र, चमड़ा उत्पाद, कृषि-आधारित पदार्थ, और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। ये उत्पाद भारत की स्थानीय से वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्रतिबिंबित करते हैं। IITF 2025, जो 14 से 27 नवंबर तक आयोजित है, एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंच है जो व्यापार नेटवर्किंग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, निवेश अवसर, और पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा देता है। उत्तर प्रदेश, एक साथी राज्य के रूप में, इस मंच का लाभ उठाकर राज्य के निर्यात, निवेश, और वैश्विक व्यापार संबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार, अपनी मजबूत नीतियों और योजनाओं के माध्यम से स्वस्थ्य क्षेत्र का विकास करने और राज्य की आर्थिक वृद्धि को त्वरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर श्री के. विजयेन्द पांडियन, आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उत्तर प्रदेश एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बेसहारा बच्चों की शिक्षा पर आंखें नहीं मूंद सकतीं सरकारें, हाईकोर्ट की दिल्ली सरकार और MCD को फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी में सड़कों पर भीख मांगने वाले, बेसहारा और प्रवासी बच्चों की शिक्षा की कमी पर दिल्ली सरकार और एमसीडी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि सरकारें बच्चों की शिक्षा में कमी को नजरअंदाज नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि संविधान और विभिन्न कानूनों के तहत सरकार का यह कर्तव्य है कि वह बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करें। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा, स्टेट कैन नॉट प्ले डंब (सरकार आंखे नहीं मूंद सकता।) कोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को निर्देश दिया कि वे छह सप्ताह के भीतर एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करें, जिसमें यह बताया जाए कि 14 वर्ष तक की आयु के भिखारी, बेसहारा और प्रवासी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। यह आदेश एक गैर-लाभकारी संगठन, जस्टिस फॉर ऑल, की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। इसमें प्रवासी, बेसहारा और भिखारी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा की मांग की गई थी। कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए कहा कि भारत के संविधान में अनुच्छेद 21ए के शामिल होने के बाद शिक्षा का अधिकार अब एक मौलिक अधिकार है। खंडपीठ ने यह भी उल्लेख किया कि संसद और दिल्ली विधानसभा द्वारा बनाए गए कई कानूनों का उपयोग दिल्ली सरकार और संबंधित निकायों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है कि प्रत्येक बच्चे को, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, शिक्षा प्रदान की जाए। कोर्ट ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) को भी मामले में पक्षकार बनाया और उनकी प्रतिक्रिया मांगी।

महिला समेत दो बदमाश दबोचे, दो नाबालिगों को ढूंढ कर सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दो बदमाश सुल्तानपुरी निवासी अरुण उर्फ प्रिंस और जीटीबी एनक्लेव निवासी महिला को पकड़ा है। पुलिस ने 1.179 किलो हेरोइन और 2.66 लाख रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, प्रिंस ने पिछले वर्ष बिजेंद्र उर्फ बिंदर पर गोलियां चलाई थी, जिसमें वह जेल भी गया था। लेकिन जमानत पर बाहर आने के बाद वह भाग गया था। पकड़ी गई महिला जीटीबी एनक्लेव थाने की घोषित बदमाश है और वह हेरोइन की सप्लाई करती थी। वहीं, पुलिस ने 2021 में लाजपत नगर से गायब हुई 16 वर्षीय लड़की और अमर कॉलोनी से गायब होकर कर्नाटक पहुंचीं 13 वर्षीय बच्ची को बचाकर मानवता की मिसाल पेश की है।

प्रतिष्ठित अस्पताल का मालिक बनकर बैंक से लाखों रुपये ठगे, कर्मचारियों भी आ गये झांसे में

नई दिल्ली। साइबर जालसाजों ने पूर्वी दिल्ली के प्रतिष्ठित गोयल अस्पताल का मालिक बनकर बैंक ऑफ बड़ौदा में फोन किया और बैंक से 9.80 लाख रुपये अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। मामला खुला तो अस्पताल के मालिक और बैंक प्रशासन हतप्रभ रह गए और आनन-फानन साइबर थाना को सूचना दी गई। शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने अश्विनी तिवारी और अभिकचंद नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से 4,30,000 रुपये नकद, 20 ग्राम सोने की वस्तुएं (एक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की छड़ और दो 5 ग्राम 24 कैरेट सोने के सिक्के) बरामद हुए। शिवम नाम का तीसरा साथी फरार है, जिसकी तलाश में टीम दबिश दे रही हैं। शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कृष्णा नगर स्थित गोयल अस्पताल और यूरोलॉजी सेंटर के एमएस विपिन रस्तोगी की शिकायत पर बीएनएस की धारा 318(4)/319(2) के तहत मामला किया गया था। शिकायत में कहा गया था कि करीब दो माह पहले किसी व्यक्ति ने डॉ. अनिल गोयल बनकर बैंक अधिकारियों को कॉल किया और कहा कि वह गोयल अस्पताल से कॉल कर रहा है। कॉल करने वाले ने कहा कि वह मीटिंग में व्यस्त है और इस समय चेक नहीं दे सकता था। इसके बाद आरोपियों ने मालिक बनकर बैंक अधिकारियों को 9.80 लाख रुपये की राशि आरटीएस करने के लिए व्हाट्सएप के जरिये एक पत्र भेजा और आश्वासन दिया कि चेक शाम तक भेज दिया जाएगा। इस फर्जी पत्र के आधार पर 9.80 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि पत्र पर कोई आधिकारिक लोगो, लेटरहेड या बैंक प्राधिकरण के प्रामाणिक हस्ताक्षर नहीं थे। आरोपियों ने मोबाइल नंबर की डीपी पर डा. अनिल गोयल की फोटो लगा रखी थी। बैंक ऑफ बड़ौदा की परिचालन प्रमुख आकृति को उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले अपना परिचय अनिल गोयल दिया और अस्पताल के उपकरण खरीदने के लिए नए ऋण के बारे में पूछताछ की। आकृति ने कॉल बैंक प्रबंधक गोपाल को ट्रांसफर कर दी, जिन्होंने कॉल करने वाले से बात की। आरोपियों ने अगले दिन फिर कॉल कर 9.80 लाख रुपये के तत्काल आरटीजीएस करने का अनुरोध किया और कहा कि मूल चेक और वाउचर उसी दिन बैंकिंग समय के दौरान जमा कर दिए जाएंगे। कथित व्यक्ति ने आरटीजीएस लेनदेन के संबंध में आकृति को व्हाट्सएप नंबर पर पत्र भेजा। शाहदरा जिले की साइबर थानाध्यक्ष विजय कुमार, एसआई रितु डांगी और एएसआई राहुल चौधरी की टीम ने कई दिनों की जांच के बाद अपराधियों को सिम उपलब्ध कराने वाले दीपक नाम के शख्स को पकड़ा। उसकी निशानदेही पर इंदिरा कॉलोनी, गाजियाबाद निवासी अश्विनी तिवारी (37) और अभिकचंद (36) को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता लगा कि अभिक चंद, अश्वनी तिवारी और शिवम (अभिक का साला) और अन्य ने मिलकर साजिश रची थी। अश्वनी तिवारी ने टारगेट तय किया और डॉक्टर की फेक प्रोफाइल बनाई। धोखाधड़ी की धनराशि हासिल करने के लिए अयोध्या से बैंक खाते (पूरी किट) उपलब्ध कराए। शिवम ने अपराध में प्रयुक्त मोबाइल सिम कार्ड उपलब्ध कराया जबकि अभिक चंद ने पुराने मोबाइल फोन खरीदे और घटना को अंजाम दिया। कापसहेड़ा निवासी दीपक कुमार उर्फ दीपू को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उसने शिवम को सिम उपलब्ध कराया था, जिसका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। अश्विनी बीए पास है जबकि अभिक ने डीयू से बीकॉम कर रखा है। शिवक को पुलिस तलाश रही है।

गाड़ी ओर टेंपो में आमने-सामने भिड़ंत

बुलंदशहर। बुलंदशहर जिले के खुर्जा कोतवाली नगर क्षेत्र में रविवार को ह॥-34 स्थित अग्रवाल तिराहा पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। आमने-सामने से आ रही इको गाड़ी और टेंपो की जोरदार भिड़ंत में एक महिला व एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रदूषण नियंत्रण पर समन्वय बैठक, 6330 चालान कर कार्रवाई तेज

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रमुख प्रदूषण हॉटस्पॉट क्षेत्रों में शामिल आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार 400 से ऊपर दर्ज होने के बाद बुधवार को विभिन्न विभागों की एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के उपायुक्त एवं आनंद विहार हॉटस्पॉट के नोडल अधिकारी श्री बादल कुमार ने की। बैठक में डीएसआईआईडीसी, डीटीआईडीसी, रेलवे, आरआरटीएस, डीएमआरसी, परिवहन विभाग और दिल्ली पुलिस सहित कई एजेंसियों ने प्रदूषण नियंत्रण उपायों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बताया गया कि आनंद विहार बस टर्मिनल के पास सड़क पुनर्निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, जबकि रेलवे विभाग का अपने एसटीपी परिसर के पास खाली भूमि पर चंपा पौधे और घास लगाने का कार्य जारी है। डीएसआईआईडीसी ने बताया कि पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में सड़क पुनर्निर्माण तेजी से चल रहा है। वहीं नगर निगम और लोक निर्माण विभाग ने सूचित किया कि क्षेत्र में एंटी-स्मॉग गन और स्प्रिंकलर मशीनें नियमित रूप से चल रही हैं। दिल्ली पुलिस और एमसीडी की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी जारी है। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने एक अक्तूबर से 11 नवम्बर के बीच अवैध पार्किंग और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ कुल 6,330 चालान जारी किए हैं, जिनमें 4,380 परिवहन विभाग और 1,952 यातायात पुलिस ने किए।

अव्यवस्थाओं से लाचार, राजधानी का पांडव नगर बाजार

पूर्वी दिल्ली। पांडव नगर मार्केट एसोसिएशन के व्यापारी जाम और अतिक्रमण से परेशान हो गए हैं। यही नहीं, बिजली और इंटरनेट के तारों ने पूरे बाजार में मकड़जाल बना लिया है। ऐसे में हादसे का डर सता रहा है। बाजार में कई वर्षों से सीवर की पाइपलाइन नहीं बदली गई है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। उनका आरोप है कि स्थानीय प्रशासन से कई बार शिकायत की गई है, लेकिन इसके बावजूद भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। व्यापारियों ने बताया, बाजार में लोगों ने फुटपाथ पर ही नहीं, सड़कों तक कब्जा कर लिया है। आलम यह है कि लोगों को पीक ऑवर में पैदल चलने तक की जगह नहीं मिलती है। सड़कों पर ई-रिक्शा चालक और ऑटो चालक दिन भर खड़े रहते हैं। गाद जमी होने से सीवर का पानी बाजार और कॉलोनियों में बहता रहता है। सीवरों की कई महीनों से सफाई नहीं की गई है। वहीं, बाजार में बने शौचालयों की स्थिति भी बदहाल है।

जाली दस्तावेज बनाकर बैंक से लिए चार करोड़ के लोन

नई दिल्ली। आर्थिक अपराध शाखा ने एसबीआई से चार करोड़ की ठगी करने वाले जुकिटो इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक जतिन प्रसाद, राजेंद्र कुमार उर्फ राजा और संदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने द्वारका सेक्टर-12 में संपत्ति के जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर गुरुग्राम के एसबीआई शाखा से 4 करोड़ की कैश क्रेडिट सीमा हासिल की। संदीप सिंह संपत्ति का मालिक बताकर जाली पैन और आधार का इस्तेमाल कर कंपनी में निदेशक बन गया। गिरफ्तार राजेंद्र कुमार पर लूटपाट, चोरी सहित चार मामले दर्ज हैं। आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त रवि सिंह ने बताया, द्वारका निवासी शख्स ने आर्थिक अपराध शाखा में ठगी की शिकायत की। मामला दर्ज होने के बाद शुरू हुई जांच में पता चला कि जुकिटो इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड को लोन की आवश्यकता थी। उसके निदेशक जतिन से राजेंद्र कुमार उर्फ राजा और संदीप सिंह मिले। उनलोगों ने खुद को संपत्ति का मालिक बताया और उस संपत्ति पर लोन लेने के लिए कहा। आरोपियों ने संपत्ति का विवरण लेने के बाद वास्तविक मालिक के नाम पर जाली स्वामित्व और पहचान संबंधी दस्तावेज़ तैयार किए। इनका उपयोग करके उन्होंने कंपनी के रिकॉर्ड में धोखाधड़ी से फेरबदल किया। जतिन ने संदीप को कंपनी का निदेशक बना लिया। इसके बाद उन्होंने जाली संपत्ति के दस्तावेजों को गिरवी रखकर वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बैंक से संपर्क किया। नकद ऋण सीमा स्वीकृत होने के बाद ऋण राशि को व्यक्तिगत और फर्जी खातों के माध्यम से स्थानांतरण कर दिया। उनलोगों ने बैंक का किश्त जानबूझकर भुगतान नहीं किया।बैंक ने संपत्ति के असली मालिक को नोटिस भेजा। जिसने बताया कि उसने लोन नहीं लिया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान के लिए तकनीकी निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट विश्लेषण की जांच करते हुए आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ राजा और संदीप सिंह उर्फ राहुल चौधरी को कैथल और हिसार स्थित उनके ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। उसके निशानदेही पर पुलिस ने जुकिटो इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक जतिन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजेंद्र कुमार उर्फ राजा कैथल हरियाणा के रहने वाला है और उसपर लूटपाट और चोरी के चार मामले दर्ज हैं। वहीं संदीप हिसार हरियाणा का रहने वाला है और खेतीबाड़ी करता है।

NAME CHANGE
I, KANCHAN W/O SUNIL KUMAR R/O H NO 154 GALI NO 36 VIPIN GARDEN EXTENSION UTTAM NAGAR DK MOHAN GARDEN DELHI - 110059, I HAVE CHANGED MY NAME FROM KANCHAN SHAW TO KANCHAN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, ATIQ AHMAD S/O SHAFIQ AHMAD residing at H NO-D-33/1, STREET NO-1, NOOR ILAHI, NORTH GHONDA, DELHI-110053 have changed my name to ATIQ AHMAD KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I SIDDIQUE WASIM SITARUDDIN S/O SITARUDDIN R/O H .NO D-87,88, OLD SEEMAPURI DELHI-110095 have changed my name to WASIM SIDDIQUE for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती रश्मि गोयल और श्री शुभम गोयल, संपत्ति संख्या 52 के द्वितीय तल (Second Floor) — बिना रूफ राइट्स — जो 130.05 वर्गमीटर (155.55 वर्गगज / 1400 वर्गफुट) में निर्मित है, एवं सेंट्रल एक्साइज एम्प्लॉईज़ को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड कॉलोनी, जिसे प्रिया एन्क्लेव, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110092 के नाम से जाना जाता है, को श्रीमती बीना शर्मा और श्रीमती विद्या दुगर से खरीदने का इरादा रखते हैं। श्रीमती बीना शर्मा और श्रीमती विद्या दुगर ने उक्त संपत्ति श्री मुकेश कुमार कालिया और डॉ. प्रवीण कुमार कालिया ञ्च प्रवीण कालिया से विक्रय विलेख दिनांक 26.04.2023, दस्तावेज संख्या 4066, के माध्यम से क्रय की थी। कृपया ध्यान दें कि मूल चेन दस्तावेजों में से एक खो गया है — विशेष रूप से- कन्वेयंस डीड, जो दस्तावेज संख्या 3135, ऐडिशनल बुक नंबर I, वॉल्यूम नंबर 2526, पृष्ठ 79 से 80, दिनांक 18.10.1993, कार्यालय उप-रजिस्ट्रार VII, दिल्ली में पंजीकृत है। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 3307741/2025) दिनांक 27.10.2025 को नॉर्थ ईस्ट / क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी नोट करें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के साथ बंधक (Mortgage) की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mr. Manmohan Gupta** who have approached **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,** for Home Loan of theLand area measuring 450 Sq. Yds., Out of Khasra No. 313, Situated at Village Dallupura, Behind Dharam Shila Cancer Hospital, O.P. Vasundhara Enclave, Delhi-96.
It is to mention that in chain documentsOriginal GPA, ATS, Will (Notary) dated 15.06.2001 executed by Mr. Ram Pal Singh S/o Mr. Kishan Singh in favour of Mr. Manoj Kumar S/o Mr. Ram Pal Singh in respect of Land area measuring 450 Sq. Yds., Out of Khasra No. 313, Situated at Village Dallupura, Behind Dharam Shila Cancer Hospital, O.P. Vasundhara Enclave, Delhi-96.are missing & which was lost somewhere by Mr. Manoj Kumar.
And the said property is going to be mortgagedin **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,2nd Floor, C 18, Commercial Market, Sanjay Vihar, Meerut Road Hapur Near Prachin Shiv Mandir, Hapur, Uttar Pradesh PIN 245101.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.
Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I, PRITPAL SINGH S/o Bhagat Singh R/o RZ-98B, Nursingh Garden, Nr. Khaya Village, Vishnu Garden, Delhi-110018, have changed my name to PREETPAL SINGH permanently

NAME CHANGE
I, SWALE HEEN S/O Zubair Ahmad R/o 1185, Gali No.39, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to MOHAMMAD SWALEHEEN permanently

NAME CHANGE
I, REHANA / REHANA PARVEEN W/o Naseem Akhtar R/o H.NO.10/1, Mohalla Lal Sara, Nagina, Bijnor, U.P-246762, have change my name to RIHANA PARVEEN permanently

NAME CHANGE
I, Sri Suman S/O, Shri Sadhu Singh R/o Kachhiyana, Surajgarh Lakhisarai, Bihar -811107, declare that I have changed my name Sri Suman to Ramnaresh Singh Suman.Kindly correct my name Sri Suman to Ramnaresh Singh Suman for all future purpose.I will be known as Ramnaresh Singh Suman for all purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as KAVITA GUPTA W/O RAVINDER KUMAR R/O B-301, Delhi, Rajdhani Apartment, Plot No-80, Patparganj, I.P. Extension, East Delhi, Laxmi Nagar, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as KAVITA AGGARWAL.

NAME CHANGE
I, Hitherto known as GAURAV BHATT, S/o ASHOK KUMAR PANDEY, aged about 47 years, residing at 462, AIR-FORCE AND NAVAL OFFICERS ENCLAVE, PLOT NO 11, SECTOR 7, DWARKA, DELHI-110075. That I hereby state and declare that my name was inadvertently, incorrectly recorded as "GAURAN BHATT" in some of *my official and financial papers, including share certificates* Instead of GAURAV BHATT however, my correct name as per my Aadhaar card and PAN Card is GAURAV BHATT and shall hereafter, be known as GAURAV BHATT

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Praveen Gogia W/o Hemraj in respect of **Property Bearing No. 233/11, area measuring 101 sq. yards, Situated at Waka Sivana Mauja Gurugram, Village-Halabad Bheem Nagar, Within Municipal Limits, Gurugram, Tehsil & District-Gurugram, Haryana** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Radhey Shyam Bhangria S/O Satay Narayan Bhangria R/O C 24 Ahinsa Vihar Sec 9 Rohini North West Delhi 110085, Have changed my name to Radhey Shyam Bhangdia for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I Chanda Soni D/o Babu Lal Soni R/o Aam Rasta, Khakhla, Khankhala, Bhilwara, Rajasthan-311806, have changed my name to Aadhira Soni

NAME CHANGE
I, JHALAK D/O OM PRAKASH R/O B-71 NEAR LAXMI BAZAR, VIJAY PARK, GURGAON HARYANA-122001, I HAVE CHANGED MY NAME TO JHALAK GROVER FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Deepika Rajain W/O Sumit Shankar Agrawal R/O House No-20, Housing Bord Colony, Sector-10, Faridabad Haryana-121006, Have changed my name to Deepika Agrawal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Krishna Shrivastav W/O Krishna Chandra Verma R/O F-2 Plot No 43tower 8, Flat No 804 Paras Tierea, Sec 137 Noida Nsez Block A, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201305, Have changed my name to Krishna Srivastava for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Krishna Chandra S/O Bindreshwari Prasad R/O F-2 Plot No 43tower 8, Flat No 804 Paras Tierea, Sec 137 Noida Nsez Block A, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201305, Have changed my name to Krishna Chandra Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Soumya W/O Ganesh Jha R/O 199, Pocket B, Near BSES Office, Sarita Vihar, South Delhi,110076, Have changed my name to Soumya Jha for all future purposes.

NAME CHANGE
I, DHARMENDRA KUMAR MISHRA S/O DIGVIJAY MISHRA R/o K-203, K-BLOCK, KALIBARI MARG, NEW DELHI-110001, have changed the name of my minor son SHAURYA KUMAR MISHRA aged 14 years and he shall hereafter be known as SAURYA KUMAR MISHRA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Smt. Ram Wati** is the owner of Land area measuring 376 sq. yds., comprised in Khasra No. 560, situated at Village Khanpur, New Delhi-110062 vide Relinquishment Deed dated 03.09.2025 which is registered as doc no. 2025/7/I/10831, vol no. 8991, pages 45-56, SR-South Hauz Khas. in SRO South West Kapeshera and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Varun Kapur s/o Harshdeep Kapoor r/o 4/11, First Floor; Subhash Nagar, New Delhi - 110027 have changed my name to Varun Kapoor for all purposes.

NAME CHANGE
I, Anoop Kumar Gupta S/o Banbari Lal R/o Plot No.-4, Jagaipurwa Anand Nagar Lal Bangla, Safipur, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh-208007, have changed my minor daughter's name from Muskan Vishnoi aged 16 years to Vaishnavi Gupta forever.

NAME CHANGE
I, Varul Vashishth S/O Rajneesh Vashistha R/O - Wz-168 3rd Floor Street No-10 Shiv Nagar Janakpuri B-1 110058 Have changed my name to Varul Vashistha for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rajneesh Vashishth S/O Shyam Swaroop Sharma R/O - Wz-168 3rd Floor Street No-10 Shiv Nagar Janakpuri B-1 110058 Have changed my name to Rajneesh Vashistha for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Kanchan Gaur W/o Mr. Madhusudan Gaur is the owner of : Freehold Residential Built-up Upper Ground Floor & Second Floor without roof and Terrace rights Built on Property Bearing No. 1/7356 area measuring 65 sq. yds. i.e., 54.34 sq. Mtrs., out of Khasra No. 419/232, Situated in the area of Village Babar Pur in the abadi of Gali No. 11 East Gorakh Park Illaqa Shahdara Delhi-110032., by virtue of Sale Deed dated 27.02.2019 duly Regd. as Doc No. 1057, in Book No. I, Vol No. 2950 Page No. 188-197, Dated 27.02.2019, SRO-IVA Shahdara Delhi., in the chain document below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC in the name of Mrs. Vijay Laxmi Sharma W/o Mr. Anil Sharma., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Pitampura, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Sarita** is the owner of House bearing No. 1222, measuring 140 sq. yds., ward No. 21, built on Old No. 308/6, waka Nai Basti, Indira Market Road, Vishwakarma Road, within Municipal Limit, Bahadurgarh, Haryana. vide Transfer Deed (within Blood Relation)dated 09.07.2018 which is registered as Document No. 2877, in Book No. I, Volume No. 18/425, pages 159/34-36, registered on 09.07.2018. (SRO- Bahadurgarh) and Intend to mortgage the said property with **IDFC FIRST Bank Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Sanjeev alias Sanjeev Kumar S/o Satpal R/o 2/374, Subhash Nagar Delhi-110027, have changed my name and shall hereafter be known as Sanjeev Choudhary.

NAME CHANGE
I, hitherto known as HIMASHU SAINI S/o SANJAY SAINI R/o Barola, Sector-49, Noida, Gautam Buddh Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as HIMANSHU SAINI.

PUBLIC NOTICE
General Public is hereby informed that my client, Seema Bansal W/o Lt Yogesh Bansal, R/o D-4, FF Left side Sanjay enclave Uttam Nagar New Delhi 110059, has formally disowned her son Namely Harshit Bansal and daughter in law Nishi Aggarwal, due to misbehaviour and misconduct, " "disobedient nature," "beyond control and supervision. My client also disowns and debars the said son and daughter in law from all his/her movable and immovable properties, effective immediately. Anybody dealing with Mr. Harshit Bansal and Ms. Nishi Aggarwal will do so at his/her/their own risk and responsibilities, and my client will not be responsible for any act, deed, or dealing done by Mr Harshit Bansal and his wife Ms. Nishi Aggarwal.
Yash Rohilla, Anita Kaur
Advocates
CHAMBER-301, 3RD FLOOR, DWARKA COURT, NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE
Re: Plot No. A-23, Zoning No. 3378-A, area measuring 160 sq, yds, (133.76 sq, mtrs), Sector-C, Part of Khasra no. 60/4, Known as GREENFIELDS, Situated in the revenue estate of Village Sarai Khwaja, Tehsil & Distt-Faridabad, Haryana, hereinafter referred to as said property
NOTICE is hereby given to general public that our clients, Mrs. Sweta Mishra (hereinafter called the purchasers) is intending to purchase the said property from Mrs. Jyoti Mehtani (hereinafter called the seller) who owned the said property vide Regd. Will dated 14.07.2016 executed by Mr. Krishan Kumar Anand in respect of his ‰ undivided shares. The said owner has informed that initially Mr. K.K. Anand and Mrs. Jyoti Mehtani were the joint owners of the said property vide Conveyance Deed dated 13.02.2007 executed by M/s. Urban Improvement Company Pvt. Ltd and after unfortunate death of Mr. Krishan Kumar Anand on 17.12.2020, Mrs. Jyoti Mehtani became the owner the of the said property as per abovementioned Will dated 14.07.2016. The said purchaser has also informed that the said property is not mortgaged anywhere and there is no dispute or any litigation pending upon the said property. Any person including Bank/s, Financial Institution/s, relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the said property is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 15 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the seller in respect of the said property shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our client/purchaser, in any manner whatsoever.
Shivkant Arora (Advocate)
For M/s Intellective Law Offices
A-74, Lower Ground Floor, Defence Colony, New Delhi-110024

सार्वजनिक सूचना
मैं Mohd Ansar s/o Munnu Driver R/o मकान न. A-34, गली न. 14, सीतापुरी पार्ट - 1 दिल्ली, 110045, भारत, घोषणा करता हूं कि मेरी बेटी shifa Noori के पासपोर्ट में त्रुटिवश मेरा नाम Mohammad Ansar लिखा हुआ है जबकि मेरा सही और पूरा नाम Mohd Ansar है। अतः भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों एवं पर्यायों हेतु Mohd Ansar के नाम से जाना जाए

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, PRABHJOT SINGH S/o GURNAM SINGH R/o B-261, Ground Floor, Street No-3 Majlis Park, Adarsh Nagar, Delhi-110033, declare that name of my minor son has been wrongly written as PARMEET SINGH in my minor son PARMEET SINGH SARKARIA aged 11 Years in his school records. The actual name of my minor son is PARMEET SINGH SARKARIA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I NOOPUR BHATIA MEHTA, D/o Pratap kumar Bhatia, R/o. C 199 triveni apartment pocket C-16, sheikh sarai phase - 1, New Delhi 110017, Have changed my name to Noopur Bhatia For all Future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KAMLESH MEENA S/O SANVAL RAM MEENA R/O GC-13B, Pul Pahladpur, Pul Pehlad, PO-Pul Pahladpur, Distt-South-Delhi, Delhi-110044 declare that name of my wife and my minor daughter has been wrongly written as PAPITA DEVI AND KANISHKA in my minor daughter KANISHKA MEENA aged 11 years in her School Records. The actual name of my wife and my minor daughter are PAPITA MEENA and KANISHKA MEENA respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल, **उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड,** शाखा का पता- मौजा न्यू कॉलोनी, आगरा चौक, पलवल 121102, इंडसइंड बैंक के पास। यहाँ श्रीमती रेखा पत्नी श्री सुनील कुमार (स्वामी) ने मेरे मुवक्किल से 150 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली एक संपत्ति, जिसका क्षेत्रफल खेवट/खाता संख्या 3631/4118, मुस्तकिल संख्या 216, किला संख्या 4/2/10(3-6), रकबा 03 कनाल 06 मरला, हिस्सा 5/66 अर्थात रकबा 05 मरला है, के विरुद्ध ऋण सुविधा की स्वीकृति एवं वितरण हेतु संपर्क किया है। कुल भूमि 150 वर्ग गज है। वाका मोजा पलवल (पंचवटी कॉलोनी), तहसील और जिला पलवल हरियाणा में स्थित है। यहां श्रीमती रेखा पत्नी श्री सुनील कुमार संपत्ति श्रृंखला के माध्यम से मालिक हैं (यहां शुरू में श्रीमती शरबती देवी जमीन की मालिक थीं। और श्रीमती शरबती देवी की मृत्यु के बाद विरासत इंतकाल नंबर 25597 के अनुसार संपत्ति हस्तांतरण श्री राजेंद्र पाल - श्री सतेंद्र पाल - श्री यशपाल - श्री सुरेंद्र कुमार उर्फ सुरेंद्र - श्री के पक्ष में। किशन पाल पुत्र श्री मूल चंद और श्रीमती कांता देवी और श्रीमती शीला देवी और श्रीमती सुदर्शन देवी और श्रीमती कुसुम लता पुत्री श्री मूल चंद के बाद ट्रांसफर डीड डॉक नंबर 4419, बुक नंबर 1, दिनांक 13.09.2017 श्रीमती सुदर्शन देवी और श्रीमती कुसुम लता पुत्री श्री मूल चंद द्वारा निष्पादित - श्री राजेंद्र पाल - श्री सतेंद्र पाल के पक्ष में। श्री यशपाल-श्रीमान. सुरेन्द्र कुमार उर्फ ??सुरेन्द्र पाल पुत्र श्री मूलचंद। कुल भूमि क्षेत्रफल 1 कनाल 3 मरला। और अंत में बिक्री विलेख दस्तावेज़ संख्या 998, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 09.05.2018 श्री सुरेन्द्र पाल मंगल उर्फ ??श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मूलचंद मंगला द्वारा श्रीमती रेखा पत्नी श्री सुनील कुमार के पक्ष में निष्पादित। कुल भूमि क्षेत्रफल 150 वर्ग गज)। यदि कोई व्यक्ति/संस्था/वित्तपोषक/बैंक, जिसके पास उक्त संपत्ति में दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, हक या हित है, वह इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिनों के भीतर, इसके समर्थन में दस्तावेजों सहित, अपना दावा अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा उसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता दुकान - 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स, दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

NAME CHANGE
I Akhil Kumar Kansal S/o Hari Om Kansal R/o D1/167, Block - D, Pkt 1, Sector 11, Rohini, Delhi have changed my name to Akhil Kansal for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
I, LEELA WATI (aged about 64 years) W/O SH. SAHIB RAM R/O H.No. E-192, OM VIHAR, PHASE-5, UTTAM NAGAR ,NEW DELHI-110059 do hereby solemnly affirm and declare as under, THAT I DISOWNED AND DEBARRED MY UNMARRIED SON NAMELY SHRI VIJAY KUMAR YADAV S/O SH.SAHIB RAM FROM ALL MY MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES DUE TO THEIR MISBEHAVIOR TOWARDS AND ALSO SEVERED ALL RELATIONS FROM THEM AS THEY ARE NOT UNDER MY CONTROL.THAT I AM NOT RESPONSIBLE FOR ANY ACT COMMITTED BY THEM.

NAME CHANGE
I, SUNITA Mother of NO. 3015847K, RANK-NK Name-KIRWALE NIKESH GAUTAM, Residing at DESHMUKH GALLI, GHOPAD PATTI, VPO-SIRSALA, TEHSIL-PARLI, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431128, have changed my name from SUNITA to SUNITA GAUTAM KIRWALE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 02/06/1978 instead of my correct date of birth as 25/05/1977 vide Affidavit IN-DL93674888756654X dated 14/11/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA W/O MANISH JAIN R/o F-34, GALI NO-31, MADHU VIHAR, I P EXTENSION, DELHI-110092, have changed my name to PRIYANKA JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA JAIN W/O MANISH JAIN R/o F-34, GALI NO-31, MADHU VIHAR, I P EXTENSION, DELHI-110092, have changed my minor son name from PRIYANSH to PRIYANSH JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I FARAZ AHMAD S/o ZAHEER AHMAD R/o T-505, Gali Punjabi Wali, Paharganj, Nabi Karim, Central Delhi, NEW DELHI - 110055 declare that my name was wrongly mentioned as FARAJ AHAMAD in my Previous Passport No H9132463, my father name was also wrongly mentioned as JAHIR AHAMAD, whereas his correct name is ZAHEER AHMAD I also declare that my correct date of Birth is 1-1-89, whereas it was mentioned as 20-7-1990 in the said passport. I declare that the information given above is true and nothing has been concealed
FARAZ AHMAD

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पानीपत की सभी तहसील व उपतहसील में सुचारू है पेपरलेस रजिस्ट्री :दहिया

एजेंसी
पानीपत। पानीपत के जिला उपायुक्त डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि जिले में पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली पूर्ण रूप से क्रियाशील है। एक नवंबर 2025 से शुरू की गई इस आधुनिक व्यवस्था के तहत पानीपत जिले की सभी तहसीलों और उप-तहसीलों में रजिस्ट्री का कार्य अब पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालय सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं और किसी भी पेपरलेस रजिस्ट्री सेवा को निलंबित नहीं किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक तहसील और उप-तहसील कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। इसके अतिरिक्त नागरिक टोल-फ्री नंबर 0172-2707321 पर संपर्क करके भी अपनी शिकायत या प्रश्न दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी नागरिक इस नई प्रणाली से संबंधित किसी कठिनाई का सामना न करे। उन्होंने बताया कि नागरिक ई-रजिस्ट्री के लिए आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और अपॉइंटमेंट की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यह प्रणाली न केवल पारदर्शिता बढ़ा रही है, बल्कि समय की बचत और दक्षता में भी वृद्धि कर रही है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं।

सीडीएलयू युवा महोत्सव में दिखा कला और संस्कृति का संगम

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में चल रहे युवा महोत्सव के चौथे दिन युवा ऊर्जा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। विश्वविद्यालय परिसर संगीत, नृत्य और नाटक के रंगों से सराबोर रहा। उद्घाटन सत्र में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. रामपाल सैनी ने अपनी मधुर रागिनी प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने जाने माने गायक पंडित मांगे राम की रागनी गंगा-जी तेरे खेत में के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति बारे मं बड़े ही बेहतरीन तरीके से प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत की प्रसिद्ध नदी गंगा के बारे में रागनी के माध्यम से बताया कि गंगा समस्त संसार का जीवन दाता है सुख के साथ साथ सजीवता प्रदान करने का माध्यम है। इतना ही नहीं ये समस्त संसार के लिए मुक्ति दाता भी है। सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि सफलता के लिए धैर्य और समर्पण अनिवार्य हैं। कुछ मिनटों की प्रस्तुति के लिए विद्यार्थी महीनों तैयारी करते हैं, यही मेहनत हमें गर्व और प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, सृजनशीलता और नेतृत्व क्षमता के निर्माण का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रबंधकीय दक्षता, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच का विकास करते हैं।

दिल्ली में विस्फोट की घटना निंदनीय : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार। राज्य के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. कमल गुप्ता ने हाल ही में दिल्ली में हुई आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस कार विस्फोट की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। डॉ. कमल गुप्ता गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थितजनों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा पर सीधा प्रहार है, बल्कि देश की एकता और शांति को भंग करने का एक असफल प्रयास है। उन्होंने कहा कि लालकिला भारत की अस्मिता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। ऐसे पवित्र स्थल के निकट विस्फोट करना इस बात का प्रमाण है कि देश विरोधी ताकतें हमारे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रतीकों को निशाना बनाकर देश में भय और अविश्वास का वातावरण फैलाना चाहती हैं। उन्होंने केंद्र और दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर दंड दिया जाए। इस अवसर पर सुरेश गोयल धूपवाला, रामचंद्र गुप्ता, अशोक मित्तल, सुरेंद्र सैनी, लोकेश असीजा, प्रोमिला पूनिया, कृष्ण बिश्नोई, राहुल सैनी, कप्तान नरेंद्र शर्मा, विनोद तोषावाड़, अनुज जैन, अनिल गोदारा, सजन शर्मा, धर्मसिंह खटकड़, बलबीर भुंबक, दीपक बाल्मीकि, मनोज मदान, सुभाष ढींगरा व सुरेश जांगड़ा आदि उपस्थित रहे।

जींद में पांचवी तक की फिजिकल कक्षाएं स्थगित

जींद। जींद का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 तक पहुंचने के बाद यहां पांचवीं तक की फिजिकल कक्षाओं को आगामी आदेशों तक बंद कर दिया गया है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने गुरूवार को बताया कि इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के हित में यह निर्णय लिया गया है कि जिला के सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी एवं निजी विद्यालयों में कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों की फिजिकल ऑफलाइन कक्षाएं 13 नवंबर से आगामी आदेशों तक स्थगित रहेंगी। डीसी ने बताया कि विद्यालय प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि जहां संभव हो, वहां ऑनलाइन अथवा हाइब्रिड माध्यम से शिक्षण कार्य सुचारू रूप से जारी रखा जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे इन आदेशों की सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित करें तथा किसी भी विद्यालय में कक्षा पांचवीं तक की फिजिकल कक्षाएं न लगाई जाएं। धान पराली प्रबंधन एवं फसल अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के चेयरमैन राजेश वर्मा ने हरियाणा के सभी उपायुक्तों व पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देश, 19 कार्यकारी अभियंताओं पर होगी कार्रवाई

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'म्हारी सडक़ एप की कुछ शिकायतों को बिना पूर्ण निवारण के बंद करने और शिकायतों का ठीक से निपटान न करने को लेकर विभिन्न विभागों के सम्बंधित 19 कार्यकारी अभियंताओं पर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इनमें पीडब्ल्यूडी के 2, एचएसएएमबी के 6, एसएसआईआईडीसी के 2, जिला परिषद का 1, यूएलबी के 5 और एसएसवीपी के 3 कार्यकारी अभियंता शामिल है। इसके अलावा, यह भी निर्देश दिए कि जो ठेकेदार तय समय सीमा में शिकायतोंका निवारण नहीं कर रहे हैं, संबंधित विभाग उनके खिलाफ भी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश चंडीगढ़ में 'म्हारी सडक़ ऐप' पर आई शिकायतों को लेकर आयोजित

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जो भी कार्य दिया जाता है या लोगों की कोई शिकायत आती है तो उसका समाधान धरातल पर शत प्रतिशत दिखना चाहिए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी आम जनता द्वारा ऐप पर भेजी गई सड़कों की शिकायतों के पूर्ण समाधान के बाद ही शिकायत को बंद करे, यदि किसी शिकायत को संबंधित अधिकारी ने बिना समाधान के बंद किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। साथ ही सडक़ों पर सफेद पट्टी व साइन बोर्ड लगवाने भी सुनिश्चित किए जाए। नायब सिंह ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि म्हारी सडक़ एप पर शिकायत आते ही उसको तय समय सीमा में पूरा किया जाए ताकि जनता को किसी भी परेशानी का सामना न करना पडें।

यदि कोई सम्बंधित अधिकारी शिकायत का समय पर समाधान नहीं करता या गलत जानकारी देता है तो उसके खिलाफ सम्बंधित विभाग सख्त कार्रवाई करें। उन्होंनें ऐप के संबंध में फील्ड में कार्यरत अधिकारियों को प्रशिक्षण भी देने के निर्देश दिए है ताकि उन्हें ऐप के संचालन की सही जानकारी मिल सके।

एसडीएम ने खेत में जाकर धान के अवशेष में लगी आग बुझाई, निकाला फ्लैग मार्च

एजेंसी
जींद। उचाना एसडीएम दलजीत सिंह ने उचाना उपमंडल के संबंधित अधिकारियों के साथ गुरूवार को अनेक गांवों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान एसडीएम ने गुरूकुल खेड़ा गांव के खेत में पराली में लगी आग को फायर ब्रिगेड की गाड़ी की सहायता से बुझाया। एसडीएम ने ग्रामीणों से मिल कर धान के अवशेष न जलाने की अपील की।

एसडीएम ने अधिकारियों के काफिले के साथ अपने फ्लैग मार्च की गांव बड़ौदा से शुरुआत की और उसके बाद गांव घोघड़िया, करसिंधु, गुरूकुल खेड़ा सहित विभिन्न गांव में जाकर किसानों को पराली यानी धान अवशेष न जलाने की अपील की। एसडीएम दलजीत सिंह ने बताया कि अवशेष जलाना सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि कानूनी अपराध भी है और इससे प्रकृति, जमीन तथा मानव जीवन पर अत्यंत गंभीर व प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट होने के साथ-साथ

प्राकृतिक प्रदूषण की वजह से मनुष्य भी अनेक जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है। इस दौरान एसडीएम के साथ बीडीपीओ शमशेर सिंह, रामबिलास कानूनगो, थाना प्रभारी दिलबाग सिंह, एएससीओ डा. संतकुमार मलिक, सुपरवाइजर सचिन भारद्वाज सहित कर्मचारी एवं किसान मौजूद रहे।

डीसी विक्रम सिंह ने फरीदाबाद उपमंडल कार्यालय का किया निरीक्षण

एजेंसी
फरीदाबाद। फरीदाबाद उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज गुरुवार को फरीदाबाद उपमंडल कार्यालय स्थित तहसील का निरीक्षण किया तथा ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रणाली के संचालन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने रजिस्ट्री कराने आए नागरिकों से बातचीत कर उनके सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्री के लिए पंजीकरण पोर्टल में कई नई सुविधाएँ एवं तकनीकी सुधार सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं। इन सुधारों से नागरिकों को अधिक सहज, तेज़ और पारदर्शी सेवाएँ प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से पारदर्शिता में वृद्धि होगी और संपूर्ण प्रक्रिया और

अधिक सरल व कुशल बनेगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसील परिसर में आवश्यक दस्तावेजों की सूची स्पष्ट रूप से दर्शाते हुए एक सूचना बोर्ड लगाया जाए ताकि नागरिक अपने दस्तावेज पहले से तैयार कर सकें। इससे समय की बचत होगी और लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के दस्तावेज पूर्ण हों, तो उसका कार्य निर्धारित समय में बिना किसी देरी के किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी नागरिक को अनावश्यक रूप से परेशान किया गया या कार्य में देरी की गई, तो सम्बंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, नगराधीश अंकित कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पानीपत में शिक्षा मंत्री ने लगाया जनता दरबार, किया समस्याओं का समाधान

एजेंसी
पानीपत। पानीपत में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भाजपा कार्यालय में जनता दरबार लगाया। पानीपत के विभिन्न इलाकों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं मंत्री के सामने रखीं। मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य केवल इतना है कि लोगों को अपनी परेशानियों के समाधान के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से मौके पर ही समस्याओं का समाधान करवाया।

जनता दरबार में एक बजे तक 150 से अधिक लोग अपनी समस्याएं लेकर मंत्री के सामने प्रस्तुत हुए। इनमें मकान संबंधी विवाद, राशन कार्ड में गड़बड़ी, सड़क निर्माण, वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन, आवास योजना का लाभ न मिलना, आदि से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं। मंत्री ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता के साथ सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश

दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अपने अधिकारों के लिए भटकना न पड़े, यह सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को सखूत लहजे में कहा कि जनता की समस्या को गंभीरता से अधिकारी सुने और उनका समाधान करें। उन्होंने बताया कि शहर में बढ़ते जाम, अतिक्रमण और साफ-सफाई की समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम और पुलिस विभाग के साथ संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जा रही है। शहर के सेक्टर 6 और हरी नगर कॉलोनी के पास बने रास्ते पर कॉलोनी के लोगों ने रास्ता बंद कर दिया है। ऐसे में लोगों को निकलने के लिए काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मिलकर काम करें संबंधित विभाग : राव नरबीर सिंह

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण के प्रति पूरी तरह गंभीर है। एनजीटी व सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव है, जब सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। इसके परिणाम धरातल पर दिखाई दें। वे चंडीगढ़ में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की उच्च स्तरीय बैठक में बोल रहे थे। बैठक में राज्य में पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई तथा आगे की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री राव नरबीर सिंह ने निर्देश दिए कि यमुना नदी में किसी भी प्रकार का औद्योगिक या सीवरेज प्रदूषित जल न जाने पाए। इसके लिए यमुना कैचमेंट क्षेत्र की 11 ड्रेनों पर स्थापित सीईटीपी और एसटीपी की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक

ड्रेन के लिए एक नोडल विभाग तथा एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए, जो नियमित रूप से निरीक्षण करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारियों को उद्योगों में जाकर एसटीपी की वास्तविक स्थिति की जांच करनी होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी प्रदूषित जल यमुना में न पहुंचे। राव नरबीर सिंह ने कहा कि कॉलोनियों से सीवरेज जल उठाने वाले ट्रैक्टर-टैंकरों की सूची प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पुलिस विभाग के साथ साझा करें। उन्होंने कहा कि टैंकरों द्वारा एसटीपी पर जल खाली करने के उपरांत वहां से रसीद लेना अनिवार्य किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि जल का निस्तारण निर्धारित स्थान पर ही किया गया है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि यमुना कैचमेंट क्षेत्र में कुल 242 टैंकर विभाग के पास पंजीकृत हैं, और अवैध टैंकरों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस विभाग को विशेषकर सोनीपत व पानीपत जिलों में नाके स्थापित करने तथा ऐसे वाहनों को जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में कहा कि वाहनों से उत्सर्जित धुएं पर नियंत्रण के लिए पेट्रोल पंपों पर स्थापित प्रदूषण जांच उपकरणों का नियमित निरीक्षण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में जो कंपनियां प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी करती हैं, उनके नियंत्रण की व्यवस्था परिवहन विभाग के स्थान पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सौंपने हेतु शीघ्र ही प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण केवल कागजों तक सीमित न रह जाए, बल्कि इसका ठोस असर जनता के जीवन में दिखाई दे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिम्मेदारी तय करें और जनता को स्वच्छ हवा तथा निर्मल जल उपलब्ध कराने के लक्ष्य को प्राथमिकता से पूरा करें।

गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता का स्तर बहुत खराब, प्राथमिक कक्षाएं हाइब्रिड मोड लगेंगी

एजेंसी
गुरुग्राम। एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण के बढ़ते स्तर व सीएक्यूएम द्वारा लागू ग्रेप के तीसरे चरण के दृष्टिगत शाम को डीसी अजय कुमार ने अहम आदेश जारी किए। आदेशों में कहा कि जिले के सभी स्कूलों में कक्षा पाँचवीं तक के बच्चों की कक्षाएँ फिलहाल हाइब्रिड मोड में संचालित की जाएंगी। डीसी अजय कुमार ने बताया कि पिछले पाँच दिनों से गुरुग्राम जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि कक्षा पाँचवीं तक की कक्षाएँ ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से चलाई

जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाँ ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है, वहाँ अभिभावक एवं विद्यार्थी अपनी सहमति से उस विकल्प को चुन सकते हैं। स्कूलों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी छात्र की पढ़ाई बाधित न हो और शिक्षण कार्य सुचारू रूप से जारी रहे। बता दें कि यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के 11 नवम्बर 2025 के आदेश तथा राज्य सरकार के 12 नवम्बर 2025 के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है। डीसी द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी और सभी निजी एवं सरकारी स्कूलों को इन आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

होडल से मथुरा रवाना हुई 'सनातन एकता पदयात्रा'

एजेंसी
पलवल। बागेश्वर धाम महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की अगुवाई में निकाली जा रही 'सनातन एकता पदयात्रा' गुरुवार की सुबह होडल स्थित अनाज मंडी से चलकर कोसी-मथुरा होते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश कर गई। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने पदयात्रा का शुभकामनाएं देते हुए अगले गंतव्य की ओर रवाना किया। तीन दिन तक पदयात्रा में शामिल भक्तजनों और श्रद्धालुओं का पलवल-होडल में जगह-जगह पुष्पवर्षा और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया।

उत्तर प्रदेश की सीमा में यूपी पुलिस के एएसपी अनुज चौधरी ने पदयात्रा का स्वागत किया। राजधानी दिल्ली के पावन छतरपुर मंदिर परिसर से आरंभ हुई 'सनातन एकता पदयात्रा' ने लोगों मे भक्ति और राष्ट्र चेतना की लहर जागृत करते हुए सनातन संस्कृति को मजबूत करने का काम किया। पदयात्रा के दौरान महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सभी नागरिकों को सनातन संस्कृति अपनाने का संकल्प दिलाया। बागेश्वर धाम महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की अगुवाई में निकाली जा रही 'सनातन एकता पदयात्रा' ने बुधवार रात्रि को होडल स्थित अनाज मंडी में ठहराव किया जहां पर भव्य धार्मिक भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़कर भाग लेकर आनंद उठाया। इस अवसर पर दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा, उत्तर प्रदेश के मंत्री लक्ष्मी नारायण, पूर्व मंत्री एवं बरौली-उत्तर प्रदेश से विधायक जयवीर सिंह, होडल के विधायक हरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक होडल जगदीश नायर, वरिष्ठ भाजपा नेता जगमोहन गोयल उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ व उनकी धर्मपत्नी अनु वशिष्ठ, प्रख्यात कवि एवं कथावाचक कुमार विश्वास, संत मौनी जी महाराज, संतों-महंतों व आम

नागरिकों ने 'सनातन एकता पदयात्रा' का गर्मजोशी से भव्य स्वागत करते हुए बागेश्वर धाम महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर नागरिक बड़ी संख्या में पदयात्रा का स्वागत करने को उत्सुक और लालायित नजर आए।

अनाजमंडी में धान की आवक तेज, रखने की नही जगह

एजेंसी
जींद। जुलाना अनाज मंडी में इन दिनों धान की आवक जोरों पर है। किसानों द्वारा लगातार की जा रही आवक से मंडी में धान के ढेर लग गए हैं। स्थिति यह है कि पिछले छह दिनों में से तीन दिन मंडी बंद रहने के बावजूद मंडी पूरी तरह धान से भरी हुई है। अबतक कुल 7,85,738 क्विंटल धान की आवक दर्ज की जा चुकी है। जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 18 प्रतिशत अधिक है।

मंडी में खरीद कार्य बंद रहेगा और केवल उठान का कार्य किया जाएगा। आढ़तियों के अनुसार मंडी में जगह की कमी के चलते यह निर्णय लिया गया है ताकि पहले से आई फसल को समय पर उठाया जा सके। मंडी में बासमती 1121 की दर 3210 से 3910 रुपये प्रति क्विंटल रही। जबकि 1509 किस्म की कीमत 2810 से 3010 रुपये प्रति क्विंटल के बीच रही है। अन्य फसलों में बाजरा की कुल आवक 6797 क्विंटल रही। जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैद्ध जबकि कपास की आवक 30 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। जुलाना आढ़ती एसोसिएशन प्रधान पवन कुमार ने बताया कि मंडी में धान की आवक अधिक होने के कारण और उठान का कार्य धीमा होने के कारण

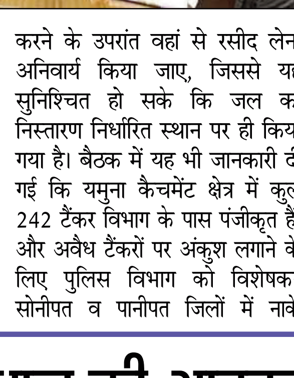

मंडी में जगह नही बची है। ऐसे में किसानों की सुविधा को देखते हुए मंडी को शुक्रवार को बंद करने का निर्णय लिया गया है ताकि पूरा दिन उठान हो सके। जुलाना मार्केट कमेटी सचिव कोमिला ने बताया कि मंडी में किसानों की सुविधा के लिए बिजली, पानी और सफाई के पुख्ता इंतजाम प्रशासन द्वारा किए गए हैं। किसानों को मंडी में किसी प्रकार की कोई परेशानी नही आने दी जाएगी।

सीडीएलयू युवा महोत्सव में दिखा कला और संस्कृति का संगम

एजेंसी
सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में चल रहे युवा महोत्सव के चौथे दिन युवा ऊर्जा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। विश्वविद्यालय परिसर संगीत, नृत्य और नाटक के रंगों से सराबोर रहा। उद्घाटन सत्र में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. रामपाल सैनी ने अपनी मधुर रागिनी प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने जाने माने गायक पंडित मांगे राम की रागनी गंगा-जी तेरे खेत में के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध संस्कृति बारे मं बड़े ही बेहतरीन तरीके से प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत की प्रसिद्ध नदी गंगा के बारे में रागनी के माध्यम से बताया कि गंगा समस्त संसार का जीवन दाता है सुख के साथ साथ सजीवता प्रदान करने का माध्यम है। इतना ही नहीं ये समस्त संसार के लिए मुक्ति दाता भी है। सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि सफलता के लिए धैर्य और समर्पण अनिवार्य हैं। कुछ मिनटों की प्रस्तुति

के लिए विद्यार्थी महीनों तैयारी करते हैं, यही मेहनत हमें गर्व और प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, सृजनशीलता और नेतृत्व क्षमता के निर्माण का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रबंधकीय दक्षता, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच का विकास करते हैं। सीडीएलयू का यह महोत्सव न केवल प्रतिभा का उत्सव है, बल्कि यह विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। प्रो. राजकुमार ने कहा कि सीडीएलयू द्वारा आयोजित यह युवा महोत्सव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रेरणास्रोत है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सृजनशीलता का भाव जागृत करते हैं।

भाजपा ने वोट चोरी कर जनादेश की आवाज को दबा की गद्दी चोरी : राव नरेंद्र सिंह

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोट चोरी करके जनादेश की आवाज को दबाकर गद्दी चोरी की है। प्रदेश कांग्रेस, भाजपा की वोट चोरी की सच्चाई हर गांव, हर बूथ, हर घर और आमजन तक पहुंचाएगी, क्योंकि लोकतंत्र कभी बिक नहीं सकता है, जनता झुक नहीं सकती है और कांग्रेस कभी रूक नहीं सकती है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह अंबाला में वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए एकजुटता के साथ वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई लड़ने का आह्वान किया और कहा कि अंबाला वह पवित्र धरती है, जहां पर 1857 में आजादी की पहली चिंगारी निकली थी। यह, वही अंबाला है, जहां पर सिपाहियों ने कहा था कि अब उन्हें गुलामी नहीं आजादी चाहिए।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव के बाद वर्ष 2024 में आए एग्जिट पोल में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बन रही थी। एग्जिट पोल में कांग्रेस की 60 से 62 सीटें दिखाई गई, यही नहीं पोस्टल बेल्ट के नतीजे भी कांग्रेस के पक्ष में थे। पोस्टल बेल्ट में कांग्रेस की 77 सीटें थी। राव नरेंद्र सिंह ने अंबाला जिले में फर्जी वोटरों का आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि 77 हजार 472 फर्जी वोट डाले गए। इनमें नारायणगढ़ में 17 हजार 300, अंबाला में 11 हजार 975, अंबाला शहर में 16 हजार 750, मुलाना में 28 हजार 447 फर्जी वोट हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रही है। मतदाता सूची में हेराफेरी, फर्जी नाम जोड़ना और असली मतदाताओं को बाहर करना लोकतंत्र के लिए घातक है। जनता अब सब देख रही है, कांग्रेस इस लोकतांत्रिक संघर्ष में जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। चुनाव आयोग ने वोटिंग में भी हेराफेरी, पहले दिन 61 प्रतिशत मतदान दिखाया गया, लेकिन रातों रात वोट बढ़ाकर 67 प्रतिशत बढ़ा दी गई।

पाइन लैब्स का शेयर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी पाइन लैब्स का शेयर शुक्रवार को बीएसई और एनएसई दोनों पर 242 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध हुआ, जो कि निर्गम मूल्य 221 रुपए के मुकाबले 9.5 फीसदी अधिक है। सूचीबद्ध होने के तुरंत बाद शेयर ने तेजी जारी रखी और एनएसई पर 275 रुपए तथा बीएसई पर 274.85 रुपए तक पहुंच गया, जो क्रमशः 24.43 फीसदी और 24.36 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। पाइन लैब्स का आईपीओ 2,080 करोड़ रुपए का था, जिसमें नए शेयरों के साथ 8.23 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री शामिल थी। कंपनी के शेयरों के निर्गम मूल्य का दायरा 210-221 रुपए तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ को 2.46 गुना अभिदान मिला। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 31,118.29 करोड़ और बीएसई पर 31,095.32 करोड़ रुपए रहा।

मुथूट फाइनेंस का मुनाफा 87 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली गोल्ड लोन कंपनी मुथूट फाइनेंस का मुनाफा सितंबर 2025 तिमाही में 2,345 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 1,251.1 करोड़ रुपये से 87 फीसदी अधिक है। कुल आय बढ़कर 6,461 करोड़ रुपये और ब्याज आय 6,304 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का कुल खर्च 3,309 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 37 फीसदी अधिक है।

पिंपरी चिंचवाड़ में सरकारी जमीन की अवैध बिक्री, अधिकारी निलंबित

15 एकड़ पशुपालन विभाग की भूमि 33 करोड़ में बेची गई

पुणे पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ में पशुपालन विभाग की 15 एकड़ सरकारी जमीन कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन कर बेची गई। तथावडे क्षेत्र में यह भूखंड गैर-हस्तांतरणीय श्रेणी में होने के बावजूद 33 करोड़ रुपये में बिक्री के लिए पंजीकृत किया गया। राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के बिना सरकारी संपत्ति की बिक्री अवैध है। इस मामले में महानिरीक्षक पंजीकरण (आईजीआर) ने हवेली नंबर 17 के वरिष्ठ लिपिक एवं प्रभारी उप-रजिस्ट्रार विद्या शंकर बाडे (सांगले) को निलंबित कर दिया। पंजीकरण और स्टांप के उप महानिरीक्षक तथा जिला रजिस्ट्रार द्वारा की गई संयुक्त जांच में पाया गया कि बाडे ने स्पष्ट प्रतिबंधों के बावजूद बिक्री विलेख पंजीकृत किया। आईजीआर ने उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह लापरवाही व्यक्तिगत थी या प्रणालीगत दोष भी शामिल थे।

एलिटकॉन के शेयर ने निवेशकों की बदली किस्मत

मुंबई एफएमसीजी कंपनी एलिटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने निवेशकों की किस्मत बदल दी है। कंपनी के शेयर की कीमत 1 रुपए से बढ़कर 145.70 रुपए तक पहुंच गई। पिछले एक साल में यह स्टॉक लगभग 11,000 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। अगर किसी निवेशक ने 1 साल पहले 1 लाख रुपए लगाए होते, तो वर्तमान में उनकी राशि 1.1 करोड़ रुपए से अधिक हो चुकी होती। पनी ने 1 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है।

इंफोसिस का 18,000 करोड़ का सबसे बड़ा बायबैक शुरू

बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित

मुंबई आईटी दिग्गज इंफोसिस का 18,000 करोड़ रुपए का बायबैक शुक्रवार से शुरू हो गया है। रिकॉर्ड डेट के अनुसार जिन निवेशकों के पास आज के अंत तक इंफोसिस के शेयर होंगे, वही इस बायबैक में हिस्सा ले पाएंगे। टी-प्लस1 सेटलमेंट नियम के कारण, शेयर खरीदने का अंतिम दिन 13 नवंबर था। कंपनी इस बायबैक को टेंडर ऑफर रूट के तहत कर रही है। बायबैक प्राइस 1,800 रुपए प्रति शेयर तय की गई है, जो हालिया बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी प्रीमियम पर है। बायबैक के तहत कंपनी 10 करोड़ शेयर वापस खरीदेगी, जो कुल इक्विटी का 2.41 फीसदी है। इस बायबैक का 15 फीसद हिस्सा छोटे निवेशकों के लिए आरक्षित है।

भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा बातचीत: गोयल

समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार समझौते की इच्छुक हैं। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है।

उनका कहना है कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि आईटीपीओ के माध्यम से 'आंध्र मंडपम' को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' जैसी वैश्विक पहचान वाला कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना है। इसके लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग को भी प्राथमिकता दी जाएगी। गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 42,000 अनुपालनों और 1,500 पुराने कानूनों को समाप्त कर व्यापार को आसान बनाया है। उनका मानना है कि इससे निवेश और व्यापार दोनों में सुगमता आएगी और वैश्विक व्यापार बाधाओं में कमी आएगी।

अदाणी समूह आंध्र प्रदेश में 1 लाख करोड़ निवेश करेगा: करण अदाणी

निवेश मुख्यत: बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा

विशाखापत्तनम आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में अदाणी समूह के करण अदाणी ने घोषणा की कि अगले दस वर्षों में समूह राज्य में 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश पहले से किए गए 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगा। निवेश मुख्यतः बंदरगाह, सीमेंट, डेटा सेंटर, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में होगा। समूह ने 15 अरब डॉलर की 'विजाग टेक पार्क' योजना का भी खुलासा किया। इसमें गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े हरित-संचालित हाइपरस्केल डेटा सेंटर इकोसिस्टम का निर्माण शामिल है। करण अदाणी ने बताया कि वर्तमान परियोजनाओं से 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं और आगामी परियोजनाओं से और रोजगार सृजन की योजना है।

भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर क्षमता में कर रही हैं निवेश

मुंबई भारत में 50 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियों का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) वर्कलोड आने वाले तीन से पांच वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है। इसके लिए अगले 12 महीनों में नई डेटा सेंटर क्षमता में निवेश कर रही हैं। नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी सिस्को की ओर से बताया गया कि 91 प्रतिशत भारतीय कंपनियां अपने सिस्टम में ऑटोनॉमस एआई एजेंट्स की तैनाती कर रही हैं और केवल 37 प्रतिशत ही उस पूरी तरह से सुरक्षित रख पाने में सक्षम हैं। सिस्को ने रिपोर्ट में कहा कि 97 प्रतिशत ग्लोबल पेससेटर्स ने यूस केस को अनलॉक करने और अधिक रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) प्राप्त करने के लिए एआई का उपयोग किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, वे नेटवर्क-फर्स्ट नींव का निर्माण करते हैं, पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देते हैं, निरंतर अनुकूलन करते हैं और पहले दिन से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर्मचारियों के लिए भी वर्कप्लेस में उनके काम करने के तरीकों को बदलने को लेकर एक अहम फैक्टर बना है। एक ताजा स्टडी बताती है कि 71 प्रतिशत कर्मचारी एआई का इस्तेमाल करियर को प्लान करने और प्रॉब्लम को सॉल्व करने के लिए करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत कर्मचारियों ने माइक्रो-रिटायरमेंट, मूनलाइटिंग, फ्लेक्सिबल शेड्यूल और बेयर-मिनिमम मंडे जैसे कम से कम एक नए वर्कप्लेयर बिहेवियर को अपनाना शुरू कर दिया है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 84 अंक, निफ्टी 30 अंक ऊपर आये

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में व्यापक कमजोरी और वैशिक संकेतों की गिरावट से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की बढ़त के साथ आज 84,478.67 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,910.05 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।वहीं मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव आता रहा। निफ्टी मिडकैप 50 मार्केट बंद होने तक 18 अंक की बढ़त के साथ 17,299.70 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में मुथूट फाइनेंस, जूबिलेंट फूड और भारत डायनमिक्स , के अलावा वोडाफोन-आइडिया के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं सुप्रीम इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एस्ट्रल लिमिटेड और आयशर मोटर्स गिरावट के साथ नीचे आये।

वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 400 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,060 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद ही यह 84,316 तक लुढ़क कर 253.68 अंक की कमजोरी के साथ 84,224.99 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,767.90 पर खुला।

शुरुआती गिरावट के बाद इंडेक्स में हल्की रिकवरी दिखने के बाद 20.90 अंक गिरकर 25,858.25 पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक स्तर पर, वॉल स्ट्रीट गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ाया, जबकि फेडरल रिज़र्व की संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई।

एशियाई बाजारों पर भी इसका गहरा असर दिखा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 फीसदी टूट गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.03 फीसदी गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 फीसदी कमजोर हुआ।

भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों से पिछड़ा, रुपए में स्थिरता की उम्मीद: रिपोर्ट

अगले साल चालू खाता घाटा 20 साल के निचले स्तर पर आने का अनुमान

नई दिल्ली

जेफरीज के एक प्रसिद्ध बाजार विशेषज्ञ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2024 में भारतीय शेयर बाजार उभरते देशों की तुलना में काफी कमजोर प्रदर्शन करता दिखा है। उन्होंने बताया कि भारत का बाजार इस साल एमएससीआई उभरते बाजार इंडेक्स से 27 फीसदी पीछे रहा। इसके बावजूद, घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाए रखा है। रिपोर्ट के अनुसार रुपये ने इस साल अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं के मुकाबले सबसे ज्यादा कमजोरी दिखाई, लेकिन आगे चलकर इसमें स्थिरता आने की संभावना है। उनका अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी के मात्र 0.5 फीसदी तक सिमट सकता है, जो पिछले दो दशकों में सबसे कम होगा। साथ ही, देश का 690 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 11 महीनों के आयात को कवर करने में सक्षम है, जिससे रुपये को सपोर्ट मिलता है। हालांकि, रिपोर्ट में एक बड़े जोखिम की चेतावनी भी दी गई है। उनके अनुसार कई राज्य सरकारें हाल के वर्षों में चुनावी लाभ के लिए मुफ्त योजनाएं और रियायतें बढ़ाती जा रही हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति कमजोर होती दिख रही है। जबकि केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, राज्यों की बढ़ती पॉपुलिस्ट नीतियां दीर्घकालिक आर्थिक संतुलन पर दबाव डाल सकती हैं। रिपोर्ट में सरकार द्वारा ब्याज दरों में कमी, क्रेडिट में वृद्धि और 22 सितंबर से जीएसटी में कटौती जैसे कदमों का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उपायों का वास्तविक असर आने वाले महीनों में दिखेगा।

अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट और रिटेल क्षेत्र में किया विस्तार

दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी

दुबई परिधान खुदरा और एफएंडबी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अपैरल ग्रुप ने रियल एस्टेट क्षेत्र में कदम रखा है। इसके तहत कंपनी की सहायक कोरा प्रॉपर्टीज ने दुबई मैरीटाइम सिटी में 40 मंजिला वाटरफ्रंट आवासीय परियोजना आईएल वेंटो पेश की है। इस परियोजना के 2029 तक पूरा होने की संभावना है। अपैरल ग्रुप ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे आवासीय स्थल तैयार करना है जो जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करें। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के बाद दिसंबर 2025 तक कंपनी दुबई में अपना दूसरा विकास कार्य शुरू करेगी, जिसमें वाणिज्यिक और अर्ध-वाणिज्यिक टावर शामिल होंगे। इसके अलावा, समूह भारत और अन्य उभरते बाजारों में शॉपिंग मॉल में निवेश करने की योजना बना रहा है। वेद का मानना है कि इन बाजारों में अब भी काफी संभावनाएँ हैं और साझेदारी के माध्यम से स्थानीय विशेषज्ञता का लाभ उठाना प्राथमिकता होगी। अपैरल ग्रुप ने फ्रांस की खुदरा कंपनी कैरेफोर के साथ साझेदारी की है। शुरुआत में उत्तर भारत में कैरेफोर का विशेष ब्रांड पेश किया जाएगा, जिसके बाद पूरे देश में विस्तार होगा। पहला स्टोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में खुलने की उम्मीद है।

सरकार ने 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए

उद्योग को मिलेगा सस्ता कच्चा माल!

नई दिल्ली

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने प्लास्टिक, पॉलिमर, सिंथेटिक फाइबर और धागों सहित 14 वस्तुओं पर लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) वापस ले लिए हैं। सरकार का कहना है कि यह फैसला उद्योगों पर बढ़ते अनुपालन बोझ को कम करेगा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आसान बनाएगा। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से परामर्श के बाद इन आदेशों को जनहित में रद्द किया गया है। यह आदेश 12 नवंबर से प्रभावी हो गया है। अब 100 फीसद पॉलिएस्टर स्पन यार्न, पॉलिएस्टर इंडस्ट्रियल यार्न, **विस्कॉस स्टेपल फाइबर, पॉलीकार्बोनेट, पॉलीयूरीथेन समेत कई इनपुट सामग्री के आयात और घरेलू बिक्री के लिए बीआईएस प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी। समिति की पिछले महीने प्रस्तुत आंतरिक रिपोर्ट में उद्योगों द्वारा उठाई गई चिंताओं को रेखांकित करते हुए 200 से अधिक उत्पादों पर क्यूसीओ को रद्द या स्थगित करने की अनुशंसा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूसीओ के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही थी और घरेलू कताई, बुनाई एवं परिधान उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल हासिल नहीं कर पा रहे थे।

अक्टूबर में महंगाई दर में कमी, आरबीआई कर सकता हैं ब्याजदरों में कटौती

नई दिल्ली

देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने कहा कि अक्टूबर में महंगाई दर में कमी के चलते केंद्रीय बैंक फिर से दिसंबर की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो कि सितंबर में 1.44 प्रतिशत थी।

यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है।

एक रिपोर्ट में बताया गया कि उम्मीद से अधिक खाद्य महंगाई दर में कमी आने, बाकी बचे वर्ष में खाद्य उत्पादों की आपूर्ति मजबूत रहने, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने और जीएसटी का फायदा लोगों तक पहुंचने के कारण हमारा अनुमान है कि खुदरा महंगाई दर इस वित्त वर्ष में औसत 2.5 प्रतिशत पर रहेगी है, जो कि पिछले वर्ष के आंकड़े 4.6 प्रतिशत से कम है।

बताया गया हैं कि कई बड़ी कैटेगरी में जीएसटी का प्रभाव अक्टूबर में पूरी तरह से ट्रांसफर नहीं हुआ है, जिसका प्रभाव आने वाले समय में हमें नवंबर में देखने को मिलेगा।

खुदरा महंगाई दर नवंबर में वर्तमान में 0.9 प्रतिशत पर है, इसमें जीएसटी के प्रभाव के कारण और गिरावट आ सकती है। वित्त वर्ष 26 में मुख्य महंगाई दर अब 2 प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है, जिसका सीधा अर्थ है कि आरबीआई के 2.6 प्रतिशत के अनुमान में 50 आधार अंकों की और गिरावट आएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 2.6 प्रतिशत से और कम कर सकती है, जो खाद्य कीमतों में नरम क्रमिक गति के साथ-साथ सीपीआई बास्केट में कई वस्तुओं पर जीएसटी दर युक्तिकरण के प्रभाव को देखते हुए संभव है। उन्होंने आगे कहा कि इससे दिसंबर की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों के और कम होने का रास्ता साफ हो गया है।

सोने के भाव में 194 रुपए और चांदी में 555 रुपए की तेजी

सोना 1.27 लाख के करीब, चांदी 1,62,851 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली

घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। शुरुआती हल्की सुस्ती के बाद दोनों बहुमूल्य धातुओं में खरीदारी बढ़ी है, जिससे भावों में मजबूती देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 3 रुपये की गिरावट के साथ 1,26,748 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 1,26,751 रुपये था। हालांकि बाद में तेजी लौटते हुए सोने का वायदा भाव 194 रुपये बढ़कर 1,26,945 रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 1,27,048 रुपये का दिन का उच्च और 1,26,748 रुपये का दिन का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोना 1,31,699 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू चुका है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 381 रुपये की तेजी के साथ 1,62,851 रुपये प्रति किलो पर खुला, जो पिछले बंद 1,62,470 रुपये की तुलना में मजबूत शुरुआत रही। इसमें तेजी बढ़कर 555 रुपये तक पहुंच गई और यह 1,63,025 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने 1,63,333 रुपये का दिन का उच्च और 1,62,714 रुपये का दिन का निम्न स्तर बनाया। वर्ष 2024 में चांदी का उच्चतम स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो दर्ज हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना और चांदी के वायदा भाव में तेजी का रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,174.90 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 4,205.60 डॉलर पर पहुंच गया। चांदी के भाव भी 52.20 डॉलर से बढ़कर 53.35 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गए। दोनों धातुओं में वैश्विक स्तर पर बने सकारात्मक माहौल का असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई दे रहा है।

लोटस बेकरीज ने भारत में लॉन्च की 'बिस्कॉफ कुकी'

कंपनी मोंडेलेज के साथ साझेदारी में बढ़ाएगी बाजार विस्तार

नई दिल्ली

बेल्जियम की बहुराष्ट्रीय स्नैक फूड कंपनी लोटस बेकरीज ने भारत में अपनी प्रसिद्ध 'बिस्कॉफ कुकी' पेश किया है। इस लॉन्च के लिए कंपनी ने मोंडेलेज के साथ साझेदारी की है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत आने वाले वर्षों में बिस्कॉफ के लिए शीर्ष तीन-चार बाजारों में शामिल हो सकता है। उन्होंने बताया कि बिस्कॉफ वर्तमान में दुनिया के 80 से अधिक देशों में बेची जाती है। बिस्कॉफ का सबसे बड़ा बाजार अमेरिका है, उसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस का स्थान आता है। अे धिकारी ने कहा कि कंपनी की महत्वाकांक्षा है कि बिस्कॉफ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कुकी ब्रांड बने, मोंडेलेज के ओरियो और चिप्स अहोय! के बाद। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की भागीदारी वैश्विक ब्रांड बनने के लिए अनिवार्य है। अे धिकारी ने स्वीकार किया कि भारत में खुदरा और वितरण प्रणाली जटिल है, इसलिए कंपनी अकेले बाजार पर विजय प्राप्त नहीं कर सकती। इसीलिए एक मजबूत स्थानीय साझेदार मोंडेलेज का समर्थन जरूरी था। मोंडेलेज भारत में बिस्कॉफ के लिए ओरियो जैसी रणनीति अपनाएगी। इसका मतलब है कि उत्पाद पारंपरिक और आधुनिक व्यापार दोनों में उपलब्ध होंगे, साथ ही ई-कॉमर्स चैनलों पर भी बिक्री की जाएगी। पैकिंग में बड़े पैक के साथ-साथ छोटे और किफायती पैक (10 रुपए से शुरू) भी शामिल होंगे।

बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासी समाज के प्रेरणास्रोत

कांतिलाल मांडोत

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूँटी-उलीहातू क्षेत्र में हुआ था। उनकी जात-पसंद मुंडा जनजाति थी, और उन्होंने बहुत ही कम आयु में यह अनुभव किया कि उनके साथी जनजातियों की जमीन-वन-जल से जुड़ी आजादी सिमटती जा रही है। उनका आंदोलन मुख्यतः इस ओर था कि आदिवासी अपनी जमीन, जंगल और पानी के अधिकार खोते जा रहे थे ।अंग्रेज सरकार की नीतियों, जमिनदारों (जमींदारों) और मिशनरियों की गतिविधियों के चलते। उन्होंने 1894 में उलगुलान के नाम से उस विद्रोह की शुरूआत की, जो आदिवासी समाज का अपना-राज, अपनी-भूमि का नारा लेकर चला।

नवंबर 15 को हम हर वर्ष उसी वीर आदिवासी नेता को याद करते हैं जिसने न सिर्फ अपने जनजातीय समाज के लिए बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक अनूठी छाप छोड़ी । बिरसा मुंडा वर्तमान में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने वाले इस दिन पर, भारत के आदिवासी समाज की महत्ता, उनके संघर्ष और उनके आने वाले कल की दिशा पर हमें सोचने-विचारने का अवसर मिलता है।आज, गुजरात में आयोजित धार्मिक-सांस्कृतिक समागम और आदिवासी कार्यक्रमों के बीच, वह इतिहास, उस विरासत और उस भविष्य के बारे में है जिसे हमें संजोना है । विशेष रूप से जनजाति समाज के संदर्भ में। यह आयोजन यू तो पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम के तहत मनाया जाएगा।लेकिन गुजरात मे यह आयोजन मोदी की उपस्थिति के कारण महत्वपूर्ण हो जाता है।

बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूँटी-उलीहातू क्षेत्र में हुआ था। उनकी जात-पसंद मुंडा जनजाति थी, और उन्होंने बहुत ही कम आयु में यह अनुभव किया कि उनके साथी जनजातियों की जमीन-वन-जल से जुड़ी आजादी सिमटती जा रही है। उनका आंदोलन मुख्यतः इस ओर था कि आदिवासी अपनी जमीन, जंगल और पानी के अधिकार खोते जा रहे थे ।अंग्रेज सरकार की नीतियों, जमिनदारों (जमींदारों) और मिशनरियों की गतिविधियों के चलते। उन्होंने 1894 में उलगुलान के नाम से उस विद्रोह की शुरूआत की, जो आदिवासी समाज का अपना-राज, अपनी-भूमि का नारा लेकर चला।

उनकी मृत्यु बहुत ही कम उम्र में, 1900 में हुई। लेकिन उनकी विरासत आज भी हमारे बीच जीवंत है। 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के नाम से आदिवासी समाज उन्हें याद करता है।सांस्कृतिक समागम एवं गुजरात में आदिवासी कार्यक्रमों का महत्त्वपूर्ण स्थान है।गुजरात में, आदिवासी समाज के लिए आज के दिन के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, जन-सामाजिक संवाद, कार्यशालाएँ, लोक कलाएँ, हाथ के कारीगरों का मंच, आदिवासी युवाओं का मंच सहभागी होना शामिल है। यह सिर्फ एक यादगार कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सम्मान-उत्सव है, जिसमें आदिवासी समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति, भविष्य-दृष्टि और समान अवसरों पर प्रकाश डाला जाएगा।

ये कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे आदिवासी समुदाय को केंद्र में लाते हैं । उनके द्वारा, उनके लिए युवाओं को प्रेरणा देते हैं कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें और आधुनिकता के साथ भी उन्हें अपनाएं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से सामाजिक समावेशिता बढ़ती है । आदिवासी समाज के कल-कार और जीवन-शैली को पूरे समाज के सामने रखा जाता है।

जब एक कार्यक्रम के केंद्र में आदिवासी भाषा, लोकगीत-नृत्य, हस्त-शिल्प, खान-पान होता है, तो यह संकेत है कि उनकी संस्कृति अब अलग नहीं बल्कि भारत की विविधता का अभिन्न हिस्सा है।

विशेष रूप से आज के समय में, जब भारत ने जं जातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय रूप से माना है। हर वर्ष 15 नवंबर को यह एक अवसर है कि हम आदिवासी समाज के योगदान को सिर्फ स्मरण न करें बल्कि उसे उत्सव के रूप में मनाएं।

***प्रधानमंत्री की उपस्थिति एवं कार्यक्रमों की विशेषता**

आज के कार्यक्रमों में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति से यह संदेश जाता है कि केंद्र सरकार इस दिवस और आदिवासी समाज के कार्यक्रमों को कितनी गंभीरता से ले रही है। यह उपस्थिति आदिवासी समाज के लिए आत्म-सम्मान और उनकी आवाज को मान्यता देने का प्रतीक है।आदिवासी लोक-नृत्य एवं गीत संस्कृति का जश्नहोगा।

हस्त-शिल्प व कला-प्रदर्शनी और आदिवासी जीवन-शैली एवं कला-प्रवृत्तियों का प्रदर्शनकिया जायेगें। संवाद सत्रः आज की चुनौतियाँ, कल के अवसर,

योजनाओं की जानकारी और आदिवासी समाज को विकास-योजनाओं से जोड़ने का मुख्य लक्ष्य रहेगा। खेल, प्रतिस्पधाएँ, प्रेरणा-वक्तव्यआदि मुख्य है।इस तरह के समागम न केवल यादगार होंगे, बल्कि प्रेरणादायक भी होंगे।एक ऐसा पल जब जनजातीय समाज और अन्य समाज एक साथ खड़े होंगे, एक-दूसरे को समझेंगे, सम्मान देंगे और साझा भविष्य का निर्माण करेंगे।

***जनजाति समाज के लिए 'यादगार पल' क्यों?**

'यादगार पल' इसलिए क्योंकि आज के इस दिन आदिवासी समाज की जातिगत अलगाव-तल से निकलने की यात्रा को दस्तावेजित करता है। उनके हीरो को राष्ट्रीय मंच पर मान्यता मिल रही है । बिरसा मुंडा जैसे नायकों को आदिवासी समाज का प्रतीक और पूरे देश की प्रेरणा माना जा रहा है।गुजरात जैसे विविध राज्य में आदिवासी कार्यक्रम होने से यह संकेत मिलता है कि जनजाति-विषय सिर्फ खास-क्षेत्रीय नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत का विषय बन रहा है।

कार्यक्रमों के माध्यम से समाजिक समावेशिता, संस्कृति-पुनरुद्धार, युवाओं को सशक्त बनाने का अवसर मिल रहा है।और सबसे बड़ी बात है कि यह संस्कृति-उत्सव है। हम सिर्फ इतिहास याद नहीं कर रहे, बल्कि एक उत्सव-भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा ले रहे हैं।भविष्य की दिशा तय होगी। आदिवासी समाज का सशक्तिकरण बिरसा मुंडा ने जिस स्वराज-सपने को देखा था अबुआ राज, अबुआ दिशुमह्न हमारा राज्य, हमारी दिशा आज उसका स्वरूप कुछ अलग है पर संकल्प वही है।आदिवासी समाज को सम्मान, अधिकार, अवसर मिलें। वक्त की मांग है कि कार्यक्रमों से निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन हो।आदिवासी युवाओं को शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार के अवसर मिले। उनकी कलाएँ-हस्त-शिल्प सुरक्षित, समृद्ध हों।जमीन-वन-जल के अधिकार सुनिश्चित हों।

उनके अनुभव, ज्ञान-परंपरा को आधुनिक विकास के साथ जोड़ने की पहल हो।

समाज में आदिवासी-विभाग के प्रति पूर्वाग्रह कम हो, समावेश बढ़े।यदि आज का कार्यक्रम 'यादगार पल' बनाना है, तो उसके बाद कल का परिवर्तन भी जरूरी है। आदिवासी समाज के लिए यह सिर्फ एक दिन नहीं, यह एक संकल्प-प्रारंभ होना चाहिए।

आज, जब हम बिरसा मुंडा की जयंती पर एक बड़े सांस्कृतिक समागम में जुट रहे हैं।जहाँ मोदी-सराहना होंगी, आदिवासी-कलाएँ होंगी, युवाओं का उत्साह दिखेगा, तो हमें यह याद रखना है कि यह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि उत्तरदायित्व है।हमारा उत्तरदायित्व है कि इस यादगार पल को हम यादगार असर में बदलें।आदिवासी समाज की गरिमा, उनके योगदान, उनकी आकांक्षाओं को समस्त भारत के विकास-सफर में सुदृढ़ करें।

इसलिए इस 15 नवंबर को आइए हम न सिर्फ बिरसा मुंडा को याद करें, बल्कि उनके उस सपने को पुनः संकल्प करें। जहाँ आदिवासी समाज अपने अधिकारों, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान के साथ आगे बढ़े। जहाँ गुजरात में आयोजित ये कार्यक्रम सिर्फ एक आयोजन नहीं रहे, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए राह-निर्देशक बने।

शत्-शत् प्रणाम 'धरती आबा' को और आदिवासी समाज को सलाम, जिन्होंने हमें सिखाया कि स्वाभिमान के साथ इतिहास बनता है।

संपादकीय

दो सौ आतंकी हमलों की साजिश

कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद केंद्र ने दिल्ली विस्फोट को 'जघन्य आतंकी घटना' करार दिया है। इसे देश-विरोधी ताकतों की आतंकी करतूत माना है, लिहाजा फिर दोहराया गया है कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार रहेगी और आतंकियों तथा उनके आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। हमारी जांच और सुरक्षा एजेंसियों ने लगातार छापेमारी कर जो साक्ष्य, डायरियां, नोटबुक्स आदि बरामद की हैं, उनसे 'डॉक्टर आतंकी गिरोह' के खौफनाक, नरसंहारी मंसूबे बेनकाब हुए हैं। दरअसल आतंकी 26 जनवरी, 2025 को ही लालकिले पर हमला करना चाहते थे। डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर नबी (दिल्ली विस्फोट में भस्म) ने कई बार लालकिले की रेकी की थी और सुरक्षा-व्यवस्था तथा यातायात की जानकारियां जुटाई थीं, लेकिन वह साजिश नाकाम रही। अब प्रभु श्रीराम की अयोध्या सबसे पहले निशाने पर है। 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर 'भगवा ध्वज' फहराने की रस्म प्रधानमंत्री मोदी निभाएंगे। जाहिर है कि वह एक भव्य आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक समारोह होगा। आतंकी उस दौरान अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की सोच रहे हैं। इसका खुलासा बरामद दस्तावेजों और आरोपित आतंकियों से पूछताछ के दौरान सामने आया है। आतंकी 25 नवंबर के बजाय 6 दिसंबर को 'राम मंदिर परिसर' में ही आतंकी विस्फोट कर सकते हैं। 1992 में इसी तारीख पर कथित बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। बहरहाल सिर्फ लालकिला ही नहीं, राजधानी दिल्ली का 'इंडिया गेट', गौरीशंकर मंदिर, कांस्टीट्यूशन क्लब (सांसदों की आवाजाही का स्थान), बड़े शॉपिंग मॉल्स, प्रमुख रेलवे स्टेशन आदि भी 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' के निशाने पर हैं। उनकी साजिश है कि 200 से अधिक विस्फोटक आईईडी बनाए जाएं और दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में 26/11 आतंकी हमले की तर्ज पर नरसंहार किया जाए। आतंकी एक साथ करीब 200 आईईडी विस्फोट करने की साजिश पर काम कर रहे थे। फरीदाबाद में जो 2900 किग्रा. अमोनियम नाइट्रेट और आरडीएक्स बरामद किया गया था, वह इसी साजिश के मद्देनजर जमा किया जा रहा था। जनवरी, 2025 से 'आतंकी डॉक्टर' और जैश-ए-मुहम्मद के गुरगे फरीदाबाद के 3-4 कमरों में विस्फोटक जमा कर रहे थे, लेकिन उन बोरों में खाद बताई जाती थी। विस्फोटक सामग्री और रसायन बांग्लादेश के रास्ते, नेपाल रूट से, फरीदाबाद तक लाए गए। अब भी करीब 300 किग्रा. विस्फोटक की तलाश की जा रही है, क्योंकि जांच एजेंसियों को कुल 3200 किग्रा. विस्फोटक होने का खुलासा किया गया है। यह खुफिया-तंत्र की भी बहुत बड़ी नाकामी है, जो इतना विस्फोटक फरीदाबाद के दो गांवों तक पहुंच गया और उसकी भनक तक नहीं लग पाई। यह भी खुलासा अब सामने आया है कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर 2021 से तुर्किए जा रहे थे। दोनों के पासपोर्ट में तुर्किए के स्टाम्प मिले हैं। जनवरी, 2025 में दोनों ने शैक्षणिक एवं पेशेवर यात्राएं कीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के जरिए यह खुलासा हुआ है कि तुर्किए में दोनों की मुलाकात जैश के हैंडलर से हुई। हैंडलर का कूटनाम 'उकासा' बताया गया है। उमर हैंडलर के निदेर्शों पर काम कर रहा था और 2021 की यात्रा के बाद ही 'जेहादी कट्टरवाद' की ओर गया।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

बिहार में बहार है, फिर नीतीशेकुमार है

ओम वर्मा

बिहार चुनाव परिणाम के नतीजों से फिर स्पष्ट हो गया है कि बिहार में नीतीश कुमार (बिहारी डायलेक्ट में नीतीशेकुमार) की बहार अभी भी पूरे शबाब पर है। लगभग सभी एग्जिट पोल में एनडीए को जो सीटें दी गई थीं, वास्तविक परिणामों में वे उससे भी कहीं आगे हैं।

चुनाव में मुख्य टक्कर एनडीए और महागठबंधन के बीच में थी। प्रशांत किशोर बहती गंगा में हाथ धोने की नीति के तहत पहले दौर के अरविंद केजरीवाल बनने की फिराक में थे। लेकिन वे अंतिम दौर के केजरीवाल बनकर रह गए। चुनावी रणनीतिकार होना अलग बात है और चुनाव स्वयं लड़ना अलग। खुद न खड़े होकर शायद उन्होंने अपनी थोड़ी बहुत इज्जत भले ही बचा ली हो, मगर मेरे विचार से अब रणनीतिकार के रूप में भी उनका भविष्य कुछ खास नहीं दिखाई देता है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वे न तीन में नजर आ रहे हैं न ही तेरह में! जाहिर है कि पीके बिहार के मतदाताओं की नब्ज नहीं पहचान सके। बहरहाल हम प्रमुख प्रतिद्वन्द्वियों की बात करें तो यह एनडीए की स्पष्ट ही एक लैंडस्लाइड विक्ट्री है। एनडीए की पहली तुरुप चाल यह थी कि उन्होंने नीतीशकुमार को सीएम के चेहरे के रूप में पेश किया, और दूसरी यह कि नीतीश

सरकार ने महिलाओं के खाते में ठीक चुनाव से पहले जीविका दीदी व लखपति दीदी योजना के तहत दस हजार रु. की राशि पहुँचाई। (इस कदम पर प्रश्न उठाए जा सकते हैं!) वहीं महागठबंधन ने तेजस्वी को अपना सीएम फेस घोषित तो किया मगर पिता का चारा घोटाले में सजायाफ़्ता होना, नौकरी के बदले भूमि में परिवार पर आरोप लगना और उनकी हर परिवार को सरकारी नौकरी देने का शेखचिल्ली वादा उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा साबित हुआ। नीतीश कुमार का 'पलटूराम' का टैग, विधानसभा में कामकला पर व्याख्यान देना, भरी सभा में किसी के सिर पर गमला रख देना व कुछ और अवसरों पर जुबान फिसलना उन पर उम्र का प्रभाव जरूर दिखाता है मगर पूरे कार्यकाल में उन पर कभी किसी तरह का भ्रष्टाचार या परिवारवाद का कोई आरोप नहीं लगा। शायद यही कारण है कि इतने लंबे कार्यकाल के बाद भी ह्यएंटीइंकम्बैंसीह्न जैसी कोई चीज नहीं दिखाई दी। और तो और एनडीए पिछली विधानसभा से इस बार लगभग 79 सीट अधिक व गठबंधन को 77 सीटें कम मिलती दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस ने इस बार बची खुची प्रतिष्ठा को भी खोया ही है। पंक्तियों के लिखे जाने तक तो वे लेफ़्ट से भी एक सीट पीछे चल रहे हैं। कांग्रेस आरजेडी से हाथ मिलाने के बजाय अगर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ती तो स्थिति शायद कुछ बेहतर हो सकती थी। कांग्रेस को इस पर भी विचार करना चाहिए कि एक ही परिवार के भरोसे कब तक बने रहेंगे? गुलामनबी आजाद जैसे सर्वमान्य नेता आज दल से क्यों दूर बैठे हैं, इस पर भी विचार करना चाहिए। चुनाव बिहार में है और नेता कभी विदेश तो कभी मप्र में दौरे कर रहे हैं। एनडीए इसे एक तरह का ह्यपलायनह्न प्रचारित करने में सफल रही।

कांग्रेस को बहुत गंभीरता से आत्मचिंतन करने की जरूरत है। राहुल गांधी के कई बार कुछ ऐसे बयान आ जाते हैं जिन्हें बीजेपी की आईटी सेल तुरंत लपककर ऐसे भुनाती है कि एनडीए को बैठे-बिठाए लाभ पहुँच जाता है। इस ह्यराजनीतिक चतुराईह्न में कांग्रेस बीजेपी से बहुत पीछे रह गई है। बिहार में उनके सभामंच से पीएम को माँ की गाली दी जाए तो बात तो दूर तलक जाना ही थी। एटम बम या हाइड्रोजन बम और वोट चोरी के आरोप पूरी तरह निष्प्रभावी साबित हुए। जातिवाद का भूत भी अब बिहार से उतरता दिखाई दे रहा है। यादव बहुल क्षेत्रों में भी आरजेडी अपेक्षित परिणाम नहीं प्राप्त कर सकी है। महागठबंधन की निराशा तभी जाहिर हो गई थी जब उनके नेता यह कह बैठे कि तेजस्वी के हारने पर बिहार में नेपाल जैसी स्थिति हो जाएगी। आरजेडी में भाई भाई में पड़ी फूट का भी इस सफाए में कुछ योगदान माना जा सकता है। पंक्तियों के लिखे जाने तक यादव बंधु पीछे चल रहे हैं। दूसरी ओर सबको पता है कि चिराग पासवान नीतीश के विरोधी हैं, मगर एनडीए नेतृत्व ने चिराग को इस तरह से नियंत्रित किया कि उनके किसी बयान से चुनाव अभियान में कोई ह्यविरोधी स्वरह्न नहीं सुनाई दिया।

इस परिणाम से एक बात स्पष्ट है कि अगले वर्ष बंगाल के, व दो वर्ष बाद अन्य कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। अन्य दल अब कांग्रेस के साथ युति बनाना शायद पसंद न करें। इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस में एक नया व सशक्त नेतृत्व सामने आना जरूरी है। लोकतंत्र के हित में किसी एक दल का सर्वशक्तिमान बनना अराजकता को जन्म दे सकता है। इसके लिए एक सशक्त प्रतिपक्ष का होना बहुत जरूरी है, जिसके आसार फिलहाल तो कम ही दिखाई देते हैं।

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

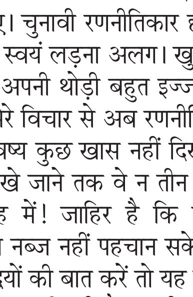

अशोक मधुप

निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती।

इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है।

न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस-5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला?

29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई।

पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे, उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था। पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे।

न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस-5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा। इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरेंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है?

एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नहीं हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की और इशारा कर रही थी। दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है?

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, जगह-जगह धमाके

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर वहां की अदालत फैसला सुनाने वाली है। इससे ठीक पहले बीते दो दिनों से देश में आगजनी और क्रूड बम हमलों से तनाव का माहौल है। इन हिंसक घटनाओं ने 2024 के अशांत छात्र विरोध प्रदर्शनों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें 500 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। गुरुवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका एक किले में तब्दील हो गई है, क्योंकि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने 'ढाका लॉकडाउन' का आह्वान किया है। पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। ढाका के प्रवेश बिंदुओं पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं और सार्वजनिक वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के आसपास भी कड़ी कर दी गई है। आपको बता दें कि यही अदालत शेख हसीना और उनके शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर फैसला सुनाने की तारीख तय करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत में शरण लेने आई थीं। उनपर हत्या और साजिश सहित दर्जनों आरोप हैं। राजनीतिक तनाव ने ढाका में जनजीवन ठप कर दिया है और आगजनी तथा क्रूड बम हमलों की घटनाएं राजधानी से बाहर गाजीपुर और ब्राह्मणबारिया जैसे शहरों तक फैल गई हैं। 'द डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने हिंसा के लिए अवामी लीग समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है। ब्राह्मणबारिया में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को आग लगा दी गई, जिससे फर्नीचर और दस्तावेज पूरी तरह नष्ट हो गए। आपको बता दें कि बांग्लादेश के इस ग्रामीण बैंक की स्थापना मुहम्मद यूनुस ने 1983 में गरीबों को माइक्रो-क्रेडिट (सूक्ष्म ऋण) प्रदान करने के लिए की थी। यूनुस वर्तमान में बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख हैं।

'तुम्हारी कितनी बीवियां हैं?' जब व्हाइट हाउस में ट्रंप ने सीरिया के राष्ट्रपति से पूछा चौंकाने वाला सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अभूतपूर्व कूटनीतिक घटना के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा का स्वागत किया। अहमद अल शरा को एक समय अमेरिका ने आंतकी घोषित किया था और उन पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। अब उन्हीं अहमद अल शरा के नाम को न सिर्फ अमेरिका ने आतंकी सूची से हटाया बल्कि व्हाइट हाउस में बतौर आधिकारिक मेहमान उनका स्वागत भी किया। कुछ साल पहले तक इस बात की कल्पना भी मुश्किल थी। व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसकी खूब चर्चा हुई। दरअसल ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति को एक परफ्यूम गिफ्ट किया। इस दौरान ट्रंप ने बाकायदा परफ्यूम खोलकर उसे सीरियाई राष्ट्रपति को लगाया। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि यह बेहतरीन परफ्यूम है। एक तुम्हारे लिए हैं और दूसरा तुम्हारी पत्नी के लिए। इसके बाद ट्रंप ने सीरियाई राष्ट्रपति से मजाकिया अंदाज में पूछा कि आपकी कितनी बीवियां हैं? इस पर सीरियाई राष्ट्रपति ने हंसते हुए एक बताया। इसके बाद वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं के बीच हुई यह मुलाकात इस साल हुई दूसरी मुलाकात है। इससे पहले मई 2025 में सऊदी अरब में दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई थी। वहीं किसी भी सीरियाई राष्ट्रपति का यह पहला अमेरिकी दौरा है। अल शरा पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट कर सीरिया के राष्ट्रपति पद पर काबिज हुए थे।

कनाडा में मिले जयशंकर-रुबियो, मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़ी उम्मीद बढ़ी

टोरंटो, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर अभी कनाडा के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने बुधवार को अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय व्यापार और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे रहे। यह बैठक कनाडा के नियाग्रा क्षेत्र में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के मौके पर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच न्यायसंगत व्यापार समझौता लगभग तैयार है। साथ ही वह जल्द ही भारत पर लगाए गए उच्च शुल्क (टैरिफ) को कम करेंगे। पिछले कुछ महीनों में भारत-अमेरिका के रिश्तों में तनाव बढ़ा है, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया था। जयशंकर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अच्छी बातचीत हुई। उन्होंने दिल्ली धमाके में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई। हमने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। साथ ही यूक्रेन, मध्य पूर्व और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। यह जयशंकर और रुबियो की पिछले दो हफ्तों में दूसरी मुलाकात थी।

पाक में चलेगी आसिम मुनीर की मनमानी, शहबाज ने सुप्रीम कोर्ट से छीनी शक्ति, भड़के इमरान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने बुधवार को एक ऐतिहासिक और विवादास्पद संवैधानिक संशोधन पारित किया जिसके तहत सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को व्यापक नई शक्तियां मिलेंगी और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को सीमित कर दिया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस संशोधन के तहत जनरल आसिम मुनीर को 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस' नामक एक नए शीर्ष पद पर नियुक्त किया जाएगा। इस पद के माध्यम से उन्हें थलसेना, नौसेना और वायुसेना - तीनों सेनाओं की औपचारिक कमान मिल जाएगी। कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि मुनीर अपने कार्यकाल के बाद भी रैंक बरकरार रखेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा प्राप्त रहेगी।

यह संशोधन विधेयक संसद के निचले सदन में हंगामे के बीच दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया। कुल 234 वोट पक्ष में और केवल चार विरोध में पड़े। संसद सत्र में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो ज़रदारी मौजूद थे। विधेयक अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के लिए भेजा गया है, जिनके हस्ताक्षर की उम्मीद बुधवार रात तक की जा रही है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ ने सत्र का बहिष्कार किया और विधेयक की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया। पीटीआई अध्यक्ष गोहर अली खान ने आरोप लगाया कि सरकार एक और विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग बना रही है और कहा, 'इस संशोधन के पारित होने के बाद लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा।

विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ़्फ़ुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान ने इस संशोधन के खिलाफ जन आंदोलन का ऐलान किया था, लेकिन फिलहाल उसका विरोध संसद और सार्वजनिक बयानों तक सीमित है।

नए कानून के तहत राष्ट्रपति अब प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस दोनों की नियुक्ति करेंगे। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी का पद नवंबर 2025 में समाप्त कर दिया जाएगा। सरकार को अब फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट जैसे आजीवन मानद सैन्य पद प्रदान करने की भी शक्ति होगी।

साथ ही संशोधन में 'फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट' की स्थापना का भी प्रावधान है, जो संवैधानिक मामलों की व्याख्या करेगी, जबकि सुप्रीम कोर्ट की भूमिका नागरिक और आपराधिक मामलों तक सीमित रहेगी। कानून मंत्री आजम नजीर तारड़ ने संशोधन का बचाव करते हुए कहा कि यह विकास की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसे देशभर के विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि यह कदम सैन्य प्रभाव को बढ़ाने और न्यायपालिका को कमजोर करने की दिशा में एक और बड़ा कदम है।

आसिम मुनीर की तारीफ में बिछे शहबाज : जहां एक तरफ बिल की कड़ी आलोचना हो रही है वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस संशोधन को राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक कदम बताया है। शरीफ ने इस मौके पर आसिम मुनीर को देश का हीरो भी बताया। शरीफ ने कहा, 'इसमें क्या गलत है? देश अपने हीरो का सम्मान करते हैं। हम जानते हैं कि अपने नायकों के प्रति सम्मान कैसे दिखाया जाए।'

आर्मी के हाथों में परमाणु कमांड : 27वें संविधान संशोधन का एक बहुत खास हिस्सा है नेशनल स्ट्रैटजिक कमांड (एनएससी) का गठन। यह कमांड पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और मिसाइल सिस्टम की निगरानी और नियंत्रण करेगी।

अब तक यह जिम्मेदारी नेशनल कमांड अथॉरिटी के पास थी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे, लेकिन अब से एनएससी के पास इसकी जिम्मेदारी हो जाएगी। एनएससी का कमांडर भले ही प्रधानमंत्री की मंजूरी से नियुक्त होगा, लेकिन यह नियुक्ति सेना प्रमुख की सिफारिश पर ही होगी। सबसे जरूरी यह पद सिर्फ आर्मी के अफसर को ही दिया जाएगा। इससे देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अब पूरी तरह सेना के हाथ में चला जाएगा।

कोर्ट में जजों की नियुक्ति सरकार के हाथों : इस बिल में आठ नए संशोधन जोड़े गए हैं, जो सीनेट के पहले मंजूर संस्करण का हिस्सा नहीं थे। सबसे बड़ी बदलाव न्यायपालिका से जुड़ी है। अब सभी संवैधानिक मामले सुप्रीम कोर्ट से हटाकर 'फेडरल कांस्टीट्यूशनल कोर्ट' में बदल जाएंगे, जिसके जजों की नियुक्ति सरकार करेगी। हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने कई सरकारी नीतियों को रोका था और प्रधानमंत्रियों को पद से हटाया था, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

अमेरिका में जैविक सामग्री तस्करी मामले में चीनी वैज्ञानिक दोषी, सजा पूरी होने के बाद होगा निर्वासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में जैविक सामग्री की तस्करी के मामले में गिरफ्तार एक चीनी वैज्ञानिक ने बुधवार को अदालत में अपना अपराध कबूल कर लिया। हालांकि अदालत ने उसे पहले से जेल में बिताए पांच महीने की सजा को ही अंतिम माना और अब उसे रिहा कर चीन वापस भेजा जाएगा। 33 वर्षीय यूनकिंग जियान, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन की एक लैब में अस्थायी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही थीं, को जून 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने प्रेमी जुनयोंग लियू के साथ मिलकर अमेरिका में एक खतरनाक फफूंदी (फंगस) लाने की साजिश रची थी।

यह फफूंदी फ्यूजेरियम ग्रामिनेरम नाम के एक रोगजनक है, जो गेहूं, जौ, मक्का और चावल जैसी फसलों पर हमला कर सकती है और उन्हें बर्बाद कर सकती है। यह फफूंदी अमेरिका के कुछ इलाकों में मौसम और फसल की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए पहले से मौजूद होती है, लेकिन इसे विदेश से बिना सरकारी अनुमति लाना कानूनन अपराध है।

गंभीर नुकसान की आशंका थी- सरकारी वकील : वहीं अमेरिकी सरकारी वकील माइकल मार्टिन ने अदालत में कहा कि इस कृत्य से 'गंभीर नुकसान' की आशंका थी, हालांकि उन्होंने विस्तार से यह नहीं बताया कि नुकसान कैसे हो सकता था। उन्होंने कहा, 'मेरे पास यह सबूत नहीं है कि उसने बुरी नीयत से यह किया, लेकिन यह भी सबूत नहीं है कि उसने मानवता के भले के लिए किया।' मामले की संघीय न्यायाधीश सुसान डेकलर्क ने इस मामले को बहुत अजीब बताया और कहा कि आरोपी एक 'बेहद योग्य शोधकर्ता' हैं। इस मामले में सरकारी वकील ने जहां दो साल की सजा की मांग की थी, वहीं जज ने केवल पांच महीने की सजा दी, जो जियान पहले ही जेल में काट चुकी थीं। यूनकिंग जियान को अदालत में जंजीरों में पेश किया गया, उन्होंने अदालत से माफी मांगी और कहा कि वह दबाव में थीं। अपने लिखित बयान में उन्होंने लिखा, 'मैंने नियमों का पालन नहीं किया क्योंकि मुझ पर शोध को आगे बढ़ाने और परिणाम देने का दबाव था। मेरा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि फसलों को बीमारियों से बचाने के तरीकों पर काम करना था।

म्यांमार की वायुसेना में रूस और चीन के विमान-हेलिकॉप्टर्स हुए शामिल, अब अभियान तेज करेगी सेना?

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार ने अपनी वायुसेना में रूस के हेलिकॉप्टर और चीन के विमान शामिल किए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब ये दोनों देश अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद म्यांमार के सैन्य शासन को हथियार और उपकरण मुहैया करा रहे हैं, ताकि देश में जारी खूनी गृहयुद्ध को समाप्त किया जा सके।

प्रतिबंधों के बावजूद हथियार मुहैया करा रहे चीन-रूस : अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यांमार पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, रूस और चीन लगातार म्यांमार की सेना को सैकड़ों मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और उपकरण दे रहे हैं।

सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएंगे विमान-हेलिकॉप्टरः सेना : सेना की ओर से जारी तस्वीरों में तीन रूसी एमआई-38टी हेलिकॉप्टर और दो चीनी वाई-8 विमान दिखाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका इस्तेमाल पर्वतीय इलाकों में सैनिकों को भेजने के अभियानों में किया जाएगा। सेना ने कहा कि परिवहन विमान म्यांमार की वायु सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता बढ़ाएगा। इन विमानों को सात नवंबर को राजधानी नेपीडॉ में आयोजित एक समारोह में शामिल किया गया।

कूटनीतिक दबावों के बावजूद हथियार खरीद रही सेना : म्यांमार के शीर्ष सैन्य शासक जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक हालात स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सभी प्रकार के विमानों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सिंगापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक अध्ययन संस्थान (आईआईएसएस) के विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, रूस से मिल रहे नए हेलिकॉप्टर्स और विमानों की आपूर्ति दिखाती है कि आर्थिक और कूटनीतिक दबावों के बावजूद म्यांमार की सेना अब भी जरूरी उपकरण हासिल कर रही है और रूस इसके लिए जीवनरेखा बना हुआ है। रक्षा खुफिया कंपनी 'जेंस' के मुताबिक, म्यांमार रूस के निर्यात का पहला ज्ञात ग्राहक है जिसने एमआई-38टी हेलिकॉप्टर खरीदे हैं।

अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन 43 दिन बाद खत्म

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक सरकारी फंडिंग बिल पर साइन किए, जिससे 43 दिन से जारी शटडाउन खत्म हुआ। इस बिल को हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स (निचले सदन) ने 222-209 के अंतर से पास किया था। हालांकि, इसमें हेल्थ केयर प्रोग्राम एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) के प्रीमियम टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने का कोई वादा नहीं किया गया, जो 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा हैं। यह विधेयक सीनेट (उपरी सदन) में पहले ही पास हो चुका है।

ट्रम्प ने बिल पर साइन करने से ठीक पहले कहा, 'देश इससे बेहतर स्थिति में कभी नहीं रहा। यह एक महान दिन है।' यह बिल सरकार को 31 जनवरी तक फंडिंग उपलब्ध कराएगा। विधेयक के तहत एजेंसियों को 31 जनवरी तक कर्मचारियों की छंटनी करने से रोका जाएगा। वहीं, डेमोक्रेटिक के कुछ

लीडर्स ने एसीए सब्सिडी के टैक्स क्रेडिट्स को बढ़ाने की लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा- यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, हम लड़ते रहेंगे।

रिपब्लिकन सांसद बोले-शटडाउन टीवी शो जैसा : यह वोटिंग डेमोक्रेट्स के न्यू जर्सी और एरीजोना में हुए हाई-प्रोफाइल चुनावों में जीत हासिल करने के आठ दिन बाद हुआ है। पार्टी के कई लोगों का मानना था कि इससे स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी, जो साल के अंत में समाप्त होने वाली है। हालांकि इस समझौते के तहत दिसंबर में सीनेट में इन सब्सिडी पर मतदान होने का वादा किया, लेकिन हाउस में ऐसा कोई वादा नहीं किया गया है। रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने इसे एक ऐसा टीवी शो बताया जिसमें असल मुद्दा समझ ही नहीं आया। जबकि डेमोक्रेट सांसद मिकी शेरिल ने कहा कि सदन ट्रम्प का रबर स्टैंप न बने जो बच्चों से खाना और इलाज छीन रहा है, और देश से हार न मानने की अपील की।

डेमोक्रेट्स ने लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया : बुधवार रात हाउस ने फंडिंग बिल पास करने के बाद डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीज, व्हिप कैथरीन क्लार्क और कॉकस चेयर पीट एगुइलर ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि वे गरीब और मध्यम वर्ग के अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य बीमा सस्ता बनाने वाले इन क्रेडिट्स को तीन साल के लिए बढ़ाने के लिए संघर्ष करेंगे। हकीम जेफ्रीज ने कहा, 'यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। हम आज लड़ेंगे, कल लड़ेंगे, इस हफ्ते लड़ेंगे, अगले हफ्ते लड़ेंगे, इस महीने लड़ेंगे, अगले महीने लड़ेंगे, हम तब तक लड़ेंगे जब तक हम अमेरिकी लोगों के लिए यह लड़ाई जीत नहीं लेते।

ट्रम्प बोले- सरकार खुलते ही मिलकर हल करूंगा : ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एसीए सब्सिडी (ओबामा केयर सब्सिडी) को 'हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के लिए मुनाफा और अमेरिकी लोगों के लिए आपदा' बताया था। ट्रम्प का कहना है कि सब्सिडी के बजाय लोगों को सीधे पैसे देकर उन्हें अपनी पसंद का इंश्योरेंस खरीदने की सुविधा दी जानी चाहिए।

फेंटानिल से जुड़े 13 रसायन चीन में प्रतिबंधित, काश पटेल बोले- राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच हुई अहम बातचीत के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सामने आया है। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर काश पटेल ने बताया कि चीन ने फेंटानिल नाम के घातक ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले 13 रासायनिक तत्वों को अब आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित सूची में डाल दिया है। साथ ही, चीन ने ऐसे 7 रासायनिक कारखानों पर भी नियंत्रण लगाने का फैसला किया है, जो अब तक इस ड्रग के निर्माण में भूमिका निभा रहे थे।

हजारों अमेरिकियों की बचेगी जान- पटेल : काश पटेल ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, 'अब चीन ने पूरी तरह से कदम उठाया है। फेंटानिल बनाने वाले सभी 13 केमिकल्स को सूचीबद्ध कर दिया गया है और 7 कंपनियों को भी नियंत्रण में लिया गया है। इस फैसले के बाद फेंटानिल का जो 'पाइपलाइन' चीन से मेक्सिको और दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता था, वह अब बंद हो गया है।' काश पटेल ने कहा कि यह कदम हजारों अमेरिकियों की जान बचाएगा, क्योंकि फेंटानिल अमेरिका में ओवरडोज से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण बन चुका था।

राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की कामयाबी- काश पटेल : उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया। 'यह सब राष्ट्रपति ट्रंप की मजबूत नेतृत्व क्षमता के बिना संभव नहीं था। उन्होंने अमेरिकी जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। यह किसी भी राष्ट्रपति की तरफ से उठाया गया पहला और ऐतिहासिक कदम है जिससे फेंटानिल के संकट को रोका जा सकेगा।' उन्होंने ट्रंप प्रशासन, अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे), एफबीआई टीम और चीन में अमेरिकी राजदूत परड्यू की भी सराहना की, जिन्होंने जमीन पर बातचीत कर यह समझौता संभव किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भी फैसले पर दी प्रतिक्रिया : यह घोषणा ठीक उस समय आई है जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा था, 'चीन ने साफ कहा है कि वह अमेरिका में फेंटानिल के प्रवाह को रोकने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेगा। वे फेंटानिल संकट को खत्म करने में मदद करेंगे।' फेंटानिल एक सिंथेटिक (कृत्रिम) ड्रग है जो बेहद शक्तिशाली होता है। यह मॉर्फिन से करीब 50 गुना ज्यादा असरदार होता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी जानलेवा हो सकती है। अमेरिका में हर साल लाखों लोग फेंटानिल ओवरडोज से अपनी जान गंवाते हैं। वहीं इस मामले में विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन अपने वादे पर कायम रहता है।

दिल्ली कार ब्लास्ट जांच पर अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं, वे पेशेवर तरीके से संभाल रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 10 नवंबर को दिल्ली में हुए कार विस्फोट की जांच में भारत की मदद करने की पेशकश की है। हालांकि, विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि भारतीय अधिकारी इस जांच को बहुत ही पेशेवर तरीके से संभाल रहे हैं। कनाडा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा, 'हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मुझे लगता है कि वे इन जांचों में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है और वे अच्छा काम कर रहे हैं।'

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी-7 बैठक के इतर रूबियो से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दिल्ली विस्फोट भी शामिल था। जयशंकर ने कहा था, 'दिल्ली विस्फोट में जान गंवाने वालों पर संवेदना के लिए उनका आभार। द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, खासकर व्यापार और सप्लाई चेन पर। यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया और इंडो-पेसिफिक पर विचार साझा किए।' उन्होंने बताया था कि राजधानी हाई अलर्ट पर है और आतंकी कनेक्शन की जांच चल रही है। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका ने कहा था कि वह दिल्ली की स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़े तो मदद देगा।

क्या बोले मार्को रूबियो : रूबियो का यह बयान जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर एक मीडिया वार्ता के दौरान आया। यहां जब उनसे भारत में आतंकी हमले की घटना को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जांच को लेकर भारत की तारीफ करनी होगी। वे काफी सधे और सतर्क रहे हैं। साथ ही उन्होंने पेशेवर तौर पर जांच की है। यह जांच अभी जारी है। यह साफ तौर पर एक आतंकी हमला था। यहां एक कार थी, जो खतरनाक विस्फोटकों से लदी थी और जिसमें ब्लास्ट ने कई लोगों की जान ले ली।

उन्होंने आगे जोड़ा, 'मुझे लगता है कि वे जांच में काफी अच्छा काम कर रहे हैं और जब उनके पास तथ्य होंगे, तब वे तथ्यों को सामने भी रखेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि उन्होंने इसे लेकर भारत के अपने समकक्ष एस. जयशंकर से भी बात की। उन्होंने कहा कि हमने मदद की पेशकश की, लेकिन भारत अपने आप में जांच को संभालने में काफी सक्षम है और उसे मदद की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमें इस घटना की गंभीरता का अंदाजा है और हमने इसके बढ़ने को लेकर बात भी की। हम इंतजार करेंगे कि जांच में क्या सामने आता है। हमने मदद की पेशकश की, लेकिन उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। वे पहले ही बेहतर काम कर रहे हैं।' गौरतलब है कि जयशंकर और रूबियो के बीच कनाडा के ओंटारियो में जी7 बैठक के इतर मुलाकात हुई। चर्चा के दौरान रूबियो ने दिल्ली धमाके में मौतों को लेकर संवेदना जाहिर की। साथ ही दोनों देशों के रिश्तों पर भी चर्चा की।

डेमोक्रेट्स ने जारी किए एपस्टीन के ईमेल: ट्रंप पर लड़कियों की जानकारी रखने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसदों की ओर से जारी किए गए जेफ्री एपस्टीन के ईमेल्स में दावा किया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एपस्टीन के यौन तस्करी से जुड़ी नाबालिग लड़कियों के बारे में जानकारी थी और वे एक पीड़िता के साथ उसके घर पर घंटों रहे थे। अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने बुधवार को ये ईमेल सार्वजनिक किए, जिनसे ट्रंप और एपस्टीन की पुरानी दोस्ती और संभावित जानकारी पर नए सवाल उठे हैं। 2011 के एक ईमेल में एपस्टीन ने अपनी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को लिखा, तुम समझो कि जो अब तक चुप है, वह ट्रंप है। उसने आगे कहा कि ट्रंप मेरे घर पर घंटों एक लड़की के साथ रहे, जिसे कमेटी ने एक पीड़िता बताया है। एक अन्य ईमेल में एपस्टीन ने पत्रकार माइकल वोल्फ को लिखा कि बेशक ट्रंप को लड़कियों के बारे में पता था, उसने गिस्लेन से रोकने को कहा था। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस पर कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन था जेफरी एपस्टीन : न्यूयॉर्क शहर में जन्मे और पले-बढ़े एपस्टीन ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत डाल्टन स्कूल में एक शिक्षक के रूप में की। 1976 में स्कूल से निकाले जाने के बाद उन्होंने बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में प्रवेश किया, जहां उसने कई पदों पर काम किया। 2005 में फ्लोरिडा पुलिस ने जेफरी एपस्टीन के खिलाफ जांच शुरू की। दरअसल, एक माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एपस्टीन ने उनकी 14 वर्षीय बेटी का यौन शोषण किया। जांच से पता चला कि एपस्टीन ने 36 लड़कियों का यौन शोषण और उत्पीड़न किया था, जिनमें से कुछ 14 साल की थीं। उसने दो मामलों में दोषी होने की दलील दी और 2008 में उसे दोषी ठहराया गया। हालांकि, एपस्टीन ने केवल 13 महीने जेल में बिताए, जिसके बाद उसे कथित तौर पर एक विवादास्पद सौदे के कारण रिहा कर

दिया गया, क्योंकि उस पर केवल दो अपराधों के लिए आरोप लगाया गया था। इस बार न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में नाबालिगों की यौन तस्करी के आरोप में। मुकदमे के दौरान सीरियल यौन अपराधी ने अगस्त में अमेरिकी जेल में आत्महत्या कर ली।

एपस्टीन फाइल्स क्या हैं : जेफरी एपस्टीन की जांच के दौरान मिली सामग्री (जिसमें दस्तावेज, संपर्क सूची, कॉल रिकॉर्ड और चैट, वीडियो, उनके सहयोगियों और ग्राहकों के नाम, अन्य जांच डेटा शामिल हैं) को एपस्टीन फाइल्स कहा जाता है। अमेरिकी सरकार ने एपस्टीन जांच और एपस्टीन से संबंधित सामग्रियों की आंतरिक समीक्षा को स्वीकार किया है। हालांकि, अभी तक केवल चुनिंदा रिकॉर्ड ही जारी किए गए हैं। ये दस्तावेज एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के खिलाफ वर्जीनिया गिफ्रे के 2015 के मानहानि के मुकदमे से जुड़े हैं, जिसमें फ्लाइट लॉग, गवाहों की गवाही, संपर्क सूचियां और एपस्टीन की गतिविधियों से जुड़े अन्य सबूत शामिल हैं। इसमें कई हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के नाम हैं, जो सामाजिक, पेशेवर या एपस्टीन से जुड़े थे। हालांकि, इन दस्तावेजों में नाम होना स्वाभाविक रूप से गलत शख्स होने का संकेत नहीं है, क्योंकि कई लोग सामाजिक अवसरों पर एपस्टीन से अचानक ही मिलते थे। दस्तावेजों को चरणों में जारी किया गया, जिनमें से महत्वपूर्ण बैचों को जनवरी 2024 और फरवरी 2025 में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी के तहत अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से खोला गया।

एपस्टीन फाइल्स में किस-किस के नाम : फरवरी 2025 में अमेरिकी न्याय विभाग के एक दस्तावेज से पता चला था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, पॉप आइकन माइकल जैक्सन, अभिनेता एलेक बाल्डविन और फिल्म निर्माता हार्वे वीनस्टीन उन हस्तियों में शामिल थे, जो जेफरी एपस्टीन की संपर्क सूची में थे। हालांकि, इन लोगों की संलिप्तता के बारे में जांच से जो पता चला है, वह अभी भी जनता के लिए खुला नहीं है। न्याय विभाग के दस्तावेज में कई अन्य हाई-प्रोफाइल नाम शामिल थे, जैसे कि न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर और संगीतकार कोर्टनी लव। अन्य लोगों में सुपरमॉडल नाओमी कैंपबेल, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की मां एथेल कैनेडी, पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, दिवंगत सीनेटर टेड कैनेडी, वकील एलन डर्सोविट्ज और अभिनेता डस्टिन हॉफमैन और राल्फ फिएनेस शामिल थे।

ये हैं अमरूद के अनगिनत फायदे

पाचन क्रिया दुरुस्तः अमरुद को काले नमक के साथ खाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी और पेट संबंधी कई समस्याएं दूर होगी।

पेट के कीड़ों से मिलेगा आरामः अगर बच्चे के पेट में कीड़े हैं जिस वजह से वह काफी परेशान है तो बच्चे को अमरुद का सेवन करवाएं। काफी फायदा मिलेगा।

आंखों की सूजन में फायदाः कई बार आंखों के नीचे काले घरे और सूजन आने लगती है, जिससे आंखे काफी अजीब लगती है। ऐसे में अमरुद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं।

कब्ज : कब्ज की समस्या बहुत से लोगों को रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट पका हुआ अमरुद खाएं। कब्ज दूर होगी।

मुंह की दुर्गंध करता है दूर : अमरुद की पत्तियों को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दांतों का दर्द दूर होगा।

कमजोरी दूर करें : अमरुद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं। रोजाना अमरुद का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

दिल के लिए फायदेमंद : अमरुद में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को मजबूत और दुरुस्त रखते हैं। दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी-जुकाम में फायदाः नियमित अमरुद का सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं दूर होती है।

कैंसर से बचावः अमरुद में लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स मौजूद होता है, जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाए रखता है।

लाइफस्टाइल में शामिल करें ये हेल्थी आदतें

अस्थमा अटैक से हमेशा रहेंगे दूर

बिगड़ती लाइफस्टाइल के कारण लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। इन्हीं में से एक है अस्थमा अटैक। ऐसे में अपनी आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप इन बीमारियों से बच सकते हैं। अच्छी डाइट के साथ रोजाना नियमित एक्सरसाइज से आप अस्थमा के साथ-साथ कई बीमारियों को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि किस तरह लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करके आप बीमारियों से बच सकते हैं।

अपनाएं ये हेबिट्स

- अस्थमा की समस्या तो बहुत से लोगों को होती है, लेकिन अस्थमा अटैक जानलेवा हो सकता है। ऐसे में इससे बचने के लिए आप रोजाना योग निद्रा आसन कर सकते हैं।
- रोजाना अपनी डाइट में प्रोटीन पदार्थ, फल और सब्जियों को शामिल करके भी इससे बचा जा सकता है।
- हाल ही में हुए एक शोध में बताया गया है कि ज्यादा रुटिन चेकअप न करवाने लोगों को ही अस्थमा अटैक आता है। इसलिए टाइम टू टाइम अपनी रुटीन चेकअप करवाते रहें।
- अक्सर मोटापे के कारण लोगों को अस्थमा की समस्या हो जाती है। इसलिए रोजाना वर्कआउट से अपने वजन को कंट्रोल में रखें।
- बाहर निकलते समय अपने मूंह पर कोई कपड़ा बांध लें, ताकि धूल-मिट्टी से आपको सांस लेने में तकलीफ न हो।
- रोजाना दिन में 2 बार एक्सरसाइज करने से अस्थना अटैक का खतरा 80 प्रतिशत तक कम हो जाता है।
- शोध के मुताबिक अस्थमा से पीड़ित लोगों को शारीरिक गतिविधि में भाग लेते रहना चाहिए। इससे अस्थमा से लड़ने के लिए शरीर को एनर्जी मिलती रहती है।

- एक्सरसाइज करते समय इस बात का ध्यान रहें कि आसन ज्यादा कठोर न हो। इससे अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ सकता है।
- अस्थमा में अपनी दवाइयों और पंप की एक्सपायरी डेट का भी ध्यान रखें। एक्सपायरी दवाइयां खाने से आपकी अस्थमा की समस्या बढ़ सकती है।
- अस्थमा में धूम्रपान, तंबाकू और शराब का सेवन करने से बचे। इससे अटैक का खतरे के साथ-साथ दूसरी बीमारियां होने का डर भी रहता है।

रेसिपी

मुर्ग अफगानी

- तेलः 30 मिली
- लौंगः 2
- दालचीनीः 1 इंच
- इलायचीः 4
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1½ टेबलस्पून
- प्याजः 150 ग्राम (भुनाकर पेस्ट बना लें)
- हल्दी पाउडरः 1 टीस्पून
- धनिया पाउडरः 2 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडरः 2 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडरः 1 टीस्पून
- जीरा पाउडरः 1½ टीस्पून
- चिकनः 500 ग्राम (कटा हुआ)
- काजू पेस्टः 60 ग्राम (भूनकर पेस्ट बना लें)
- नमकः स्वाद के अनुसार
- गरम मसालाः 1 टीस्पून
- हरा धनियाः गार्निश के लिए

विधि

सबसे पहले पैन में तेल गर्म करके उसमें लौंग, दालचीनी और इलायची को भून लें। अब इसमें 150 ग्राम प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें, फिर इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर तब तक भूनें जब तक उसका रंग सुनहरा न हो जाए। अब इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। इसके बाद चिकन को इसमें मिक्स करके तब तक पकाएं जब तक यह सॉफ्ट न हो जाए। फिर काजू पेस्ट, स्वाद के अनुसार नमक और 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर डालकर तब तक पकाएं, जब तक चिकन पूरी तरह से पक न जाए। अब इसे हरे धनिया के साथ गार्निश करें। लीजिए आपका मुर्ग अफगानी बनकर तैयार है। अब आप इसे नान के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

नारियल पाग

- सूखा नारियल (कद्दूकस किया हुआ): 3 कप
- चीनी: 2 कप
- मेवा (काजू, किशमिश और बादाम): आधा कप
- पानी: 2 कप
- घी: आवश्यकता के अनुसार

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाही में चीनी और पानी डालकर चाशनी तैयार कर लें। इस बात का ध्यान रखें कि चाशनी गाढ़ी होनी चाहिए। अब एक थाली में घी लगाकर उसको अच्छे से चिकनाकर दें। इसके बाद तैयार की गई चाशनी में कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर अच्छे से मिला लें। चाशनी और नारियल से तैयार किया हुआ मिश्रण थाली में फैला दें। अब ऊपर से बारीक कटा हुआ मेवा डालकर चम्मच की मदद से दबा दें। ठंडा होने पर इसे अपने मनपसंद आकार में काट लें। आपकी नारियल पाग मिठाई तैयार है।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

▯ ▯ ▯

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

▯ ▯ ▯

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

काकुरो पहेली - 4043

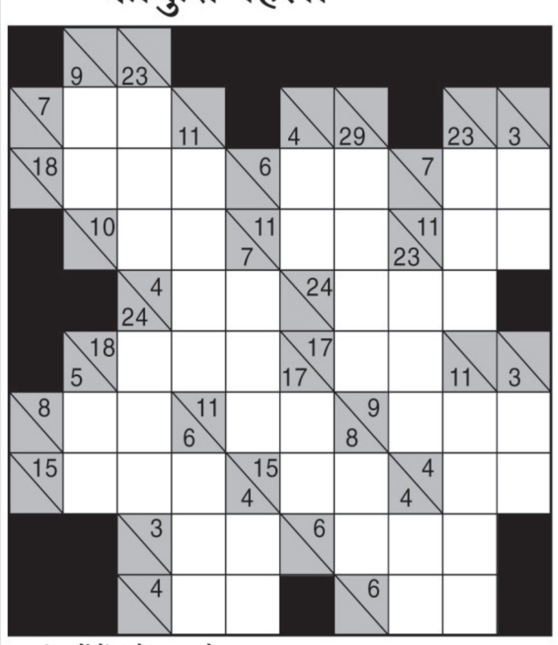

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

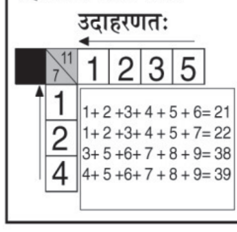

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4042 का हल

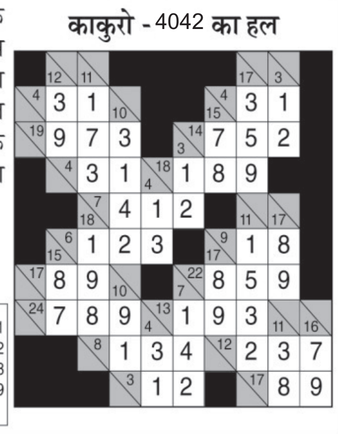

फिल्म वर्ग पहेली - 4043

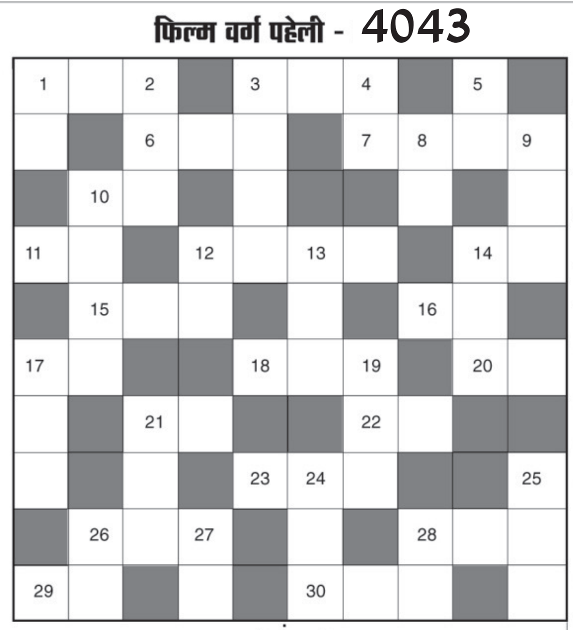

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4042

सूडोकु -4043

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4042 हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4043

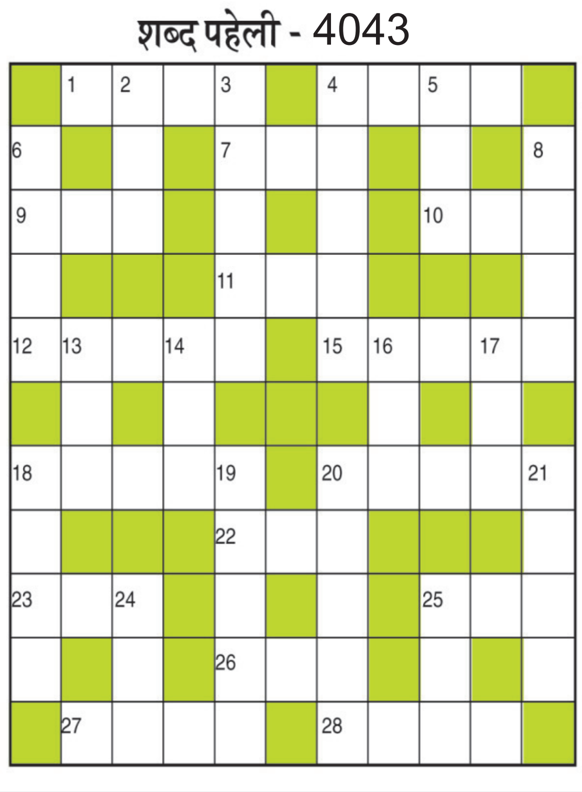

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली 4042 का हल

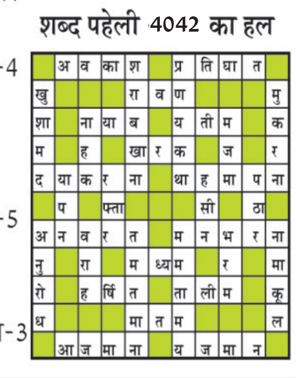

ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य की 61.20 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से की अटैच

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप अटैच की है। ईडी के अधिकारियों के दी गई जानकारी के अनुसार अटैच की गई संपत्तियों में 59.96 करोड़ रुपये मूल्य के 364 आवासीय भूखंड और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियां व 1.24 करोड़ रुपये मूल्य की बैंक बैलेंस/सावधि जमा के रूप में चल संपत्तियां शामिल हैं। चैतन्य पर शराब सिंडिकेट और काले धन को रियल एस्टेट के जरिए सफेद करने का आरोप है। चैतन्य बघेल को ईडी ने 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया था जो अभी जेल में हैं। ईडी के अधिकारियों ने यह बताया है कि यह जांच एसीबी ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। इस एफआईआर में आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराएं लगाई गई थी। ईडी की जांच में बड़ा खुलासा कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के सर्वोच्च स्तर पर था और वहीं इस पूरे नेटवर्क को कंट्रोल करता था। ईडी ने इससे पहले इस मामले में अनिल टुटेजा (पूर्व आईएएस), अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी(आईटीएस)और पूर्व मंत्री कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था।

रवांडा से मप्र प्रवास पर आए प्रतिनिधियों ने भोपाल के कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय का किया भ्रमण

भोपाल। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव साझा करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश के प्रवास पर आए पूर्वी मध्य अफ्रीका के रवांडा देश के प्रतिनिधिमंडल एवं यूएनएफपीए के सदस्यों ने भोपाल के शासकीय कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधा कार्यक्रम इकाई रवांडा बायोमेडिकल सेंटर के निदेशक डॉ. फ्रेंकोइस रेगिस साइज़ा, एस्पेरेंस एनडेंगा, साझेदारी और अनुदान लेखन विश्लेषक स्वास्थ्य मंत्रालय रवांडा की मैरी क्लेयर इरियान्यावेरा, एसआरएचआर प्रमुख, यूएनएफपीए रवांडा एवं उनकी पूरी टीम तथा यूएनएफपीए मध्य प्रदेश से राज्य प्रमुख सुनील थॉमस और राज्य कार्यक्रम अधिकारी अनुराग सोनवाल्कर शामिल रहे। शासकीय कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने टीम को अस्पताल की विभिन्न इकाइयों का विस्तृत अवलोकन कराया, जिसमें प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी सेंटर 'शक्ति ', एएनसी/पीएनसी वार्ड, मानव मिल्क बैंक, लेबर रूम, तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अन्य आधुनिक सुविधाएँ शामिल थीं। उन्होंने अस्पताल में लागू मानकों, प्रोटोकॉल्स और सेवा प्रक्रियाओं की जानकारी भी साझा की। भ्रमण के दौरान चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. बलराम उपाध्याय भी मौजूद रहे।

दिल्ली विस्फोट पर कांग्रेस ने सरकार से मांगा जवाब, सर्वदलीय बैठक और संसद सत्र बुलाने की रखी मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली विस्फोट मामले पर केंद्र सरकार से कहा कि राजधानी के नजदीक 2,900 किलो विस्फोटक बरामद होना और लाल किले के पास धमाके में लोगों की मौत होना गंभीर सुरक्षा चूक का संकेत है। कांग्रेस ने इस घटना पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने और संसद का सत्र बुलाने की मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पुलवामा हमले के दौरान भी यह सवाल पूछा गया था कि आरडीएक्स देश के भीतर कैसे पहुंचा, जिसका जवाब आज तक नहीं मिला। अब राजधानी से कुछ किलोमीटर दूर भारी मात्रा में विस्फोटक का पहुंच जाना चिंताजनक है। खेड़ा ने कहा कि लाल किले के पास हुए धमाके में निर्दोष लोगों की जान गई और कई घायल हुए। ऐसे में यह सवाल उठता है कि सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। ये सवाल केवल कांग्रेस के नहीं बल्कि पूरे देश के हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ी है और चाहती है कि सरकार इस मामले में कड़ा रुख अपनाए।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस समारोहों में तैनात होंगे दस हजार पुलिस कर्मी

चंडीगढ़। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों को सुरक्षित और सुचारू ढंग से संपन्न करवाने के लिए पंजाब पुलिस ने संगतों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्नत निगरानी प्रणाली, बल की रणनीतिक तैनाती और 24 घंटे तालमेल के साथ एक व्यापक, बहु-स्तरीय सुरक्षा और सुविधा योजना लागू की है। स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि आनंदपुर साहिब में 23 से 25 नवंबर तक होने वाले स्मृति समारोहों में देश-विदेश से भारी संख्या में संगतों के आने की उम्मीद है। उन्होंने स्पेशल डीजीपी (सुरक्षा) सुधांशु एस. श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ज़मीनी स्तर पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) एसपीएस परमार और एसएसपी रूपनगर गुलनीत सिंह खुराना भी मौजूद थे। स्पेशल डीजीपी ने बताया कि समारोहों को शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए एडीजीपी रैंक के नोडल अधिकारी की देखरेख में लगभग 10,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही सात आईजी/डीआईजी रैंक के अधिकारी, 22 कमांडेंट, 45 एसपी और 94 डीएसपी भी तैनात किए जाएंगे।

साल 2030 तक दुनिया के हर पांच में से एक नाविक भारतीय होगा: सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी

मंगलूरू। केंद्रीय पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत अब वैश्विक समुद्री ताकत के रूप में तेजी से उभर रहा है और 2030 तक दुनिया के हर पांच में से एक नाविक भारतीय होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समुद्री क्षेत्र आत्मनिर्भरता, नवाचार और सतत विकास की दिशा में नई ऊंचाइयां छू रहा है। सोनोवाल नया मंगलूरु पोर्ट प्राधिकरण (एनएमपीए) के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने 1,500 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 16 इंफ्रास्ट्रक्चर और 113 सीएसआर परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एनएमपीए वर्ष 2047 तक 100 मिलियन टन कार्गो हैंडलिंग का लक्ष्य हासिल करेगा। सोनोवाल ने कहा कि

यह स्वर्ण जयंती केवल एक संस्था का नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के उस विजन का उत्सव है जो समुद्री विरासत और नवाचार की भावना पर आधारित है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मुंबई में हुए इंडिया मरी टाइम वीक 2025 में देशभर में 12 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें से 52 हजार करोड़ रुपये के एमओयू अकेले एनएमपीए ने किए। उन्होंने मंगलूरु मरीन कॉलेज एंड टेक्नोलॉजी (एमएमसीटी) के नव-नवीनीकृत परिसर का भी उद्घाटन किया और इसे समुद्री शिक्षा में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सीफेयरिंग राष्ट्र है, जहां नाविकों की संख्या 2014 में 1.08 लाख से बढ़कर 3.2 लाख हो गई है। सोनोवाल ने कहा कि एनएमपीए अब 92 प्रतिशत मशीनीकृत पोर्ट बन चुका है और 100 प्रतिशत सौर ऊर्जा से संचालित होता है। उन्होंने 'हरित कार्गो कन्सेशन नीति' को हरित विकास और समुद्री नवाचार का प्रतीक बताया।उन्होंने बताया कि कर्नाटक में सगरमाला कार्यक्रम के तहत 6,526 करोड़ रुपये की 32 परियोजनाएं चल रही हैं और आठ नई परियोजनाओं पर 420.89 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। 960 एकड़ भूमि पोर्ट आधारित उद्योगों के लिए आवंटित की गई है, जिससे 68 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 7,500 करोड़ रुपये की वार्षिक आय की संभावना है। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की पोर्ट क्षमता 1,400 एमटीपीए से बढ़कर 2,700 एमटीपीए हो गई है और क्रूज पर्यटन में पांच गुना वृद्धि हुई है।

डॉ मनमोहन सिंह ने भारत की आर्थिक दिशा बदली : मोंटेक सिंह अहलूवालिया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यकाल भारत की आर्थिक यात्रा का सबसे परिवर्तनकारी दौर रहा। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने 1991 में जो आर्थिक सुधार शुरू किए, वही आगे चलकर भारत की विकास कहानी की नींव बने। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) में आयोजित 'प्रधानमंत्री व्याख्यान श्रृंखला' के अंतर्गत मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने 'डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और विरासत' विषय पर व्याख्यान दिया। अहलूवालिया ने कहा कि डॉ. सिंह का लंबा और विशिष्ट करियर तीन प्रमुख चरणों में बंटा था–1970 से 1991 तक एक अर्थशास्त्री और नौकरशाह के रूप में, 1991 से 1996 तक वित्त मंत्री के रूप में, और 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के तौर पर डॉ. सिंह का कार्यकाल देश के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ, क्योंकि उसी समय भारत ने व्यापक आर्थिक उदारीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रहते हुए डॉ. सिंह ने मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजनाएं लागू कीं और भारत-अमेरिका असैनिक परमाणु समझौते के जरिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि डॉ. सिंह ने आर्थिक सुधारों की निरंतरता बनाए रखी, जिससे 2004 से 2010 के बीच देश की विकास दर 8 से 9 प्रतिशत तक पहुंची। कार्यक्रम के दौरान पीएमएमएल के कार्यकारी परिषद अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह अपनी विद्वत्ता, सादगी और समर्पण के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के नेतृत्व में लागू आर्थिक सुधार आज भी वैश्विक स्तर पर एक मिसाल हैं।

बिरनपुर सांप्रदायिक हिंसा मामले में धारा बढ़ाने को सीबीआई के आवेदन पर 19 नवंबर को फैसला

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बिरनपुर में 8 अप्रैल 2023 को हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में ढाई साल बाद रायपुर में सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने धारा बढ़ाने का आवेदन लगाया है। सीबीआई के आवेदन पर अब 19 नवंबर को फैसला होगा।सीबीआई वकील ने कहा कि 6 नए आरोपितों के नाम आने के बाद कई नए तथ्य सामने आए हैं, इसलिए धारा बढ़ाई जाए। वहीं, बचाव पक्ष ने कहा कि धारा बढ़ाए जाने का औचित्य ही नहीं है।

ढाई साल बाद मामले का पहला गवाह के रूप में हिंसा में मारे गए भुनेश्वर साहू का बड़ा भाई भागीरथी साहू पहुंचे थे, लेकिन लेकिन गवाही टल गई थी। क्योंकि मामले की जांच कर रही एजेंसी सीबीआई ने कोर्ट में आवेदन लगाकर जानकारी दी कि जांच में कई ऐसे गंभीर तथ्य आए है जिसके लिए धाराएं बढ़ाना जरूरी हो गया है। उल्लेखनीय है कि 8 अप्रैल 2023 को बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव में दो बच्चों के बीच हुई मामूली झड़प ने बड़ा रूप ले लिया था। देखते ही देखते मामला हिंदू-मुस्लिम समुदायों के बीच सांप्रदायिक हिंसा में बदल गया। इस दौरान साजा के

मौजूदा भाजपा विधायक ईश्वर साहू के पुत्र भुनेश्वर साहू (22वर्ष) की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद 10 अप्रैल को विश्व हिंदू परिषद ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया। हिंसा के दौरान रहीम (55वर्ष) और उनके पुत्र ईदुल मोहम्मद (35वर्ष) की भी हत्या कर दी गई थी। प्रशासन ने तत्काल धारा 144 लागू कर गांव में कर्फ्यू लगा दिया था, जो करीब दो सप्ताह तक जारी रहा। पुलिस ने शुरुआती जांच में 12 लोगों को आरोपित बनाया था, लेकिन सीबीआई की जांच में 6 नए नाम शामिल किए गए हैं।सीबीआई ने 30 सितंबर 2025 को दाखिल अपनी चार्जशीट में बड़ा खुलासा किया है। सीबीआई ने इस मामले को 'सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील और योजनाबद्ध हिंसा' के रूप में प्रस्तुत किया है। वहीं, बचाव पक्ष का कहना है कि आरोप राजनीतिक दबाव में लगाए गए हैं और घटना के वास्तविक कारणों की जांच निष्पक्ष रूप से की जानी चाहिए। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक साजिश नहीं थी, जैसा कि विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा। चार्जशीट में पूर्व विधायक अंजोर यदु का नाम शामिल नहीं किया गया, जबकि मृतक के पिता ईश्वर साहू उनकी भूमिका पर सवाल उठाते रहे हैं।

रेलवे बोर्ड ने जारी की ट्रेनों में कचरा प्रबंधन की नई गाइडलाइन, 'संवाद' कार्यक्रम के जरिए ऑनबोर्ड स्टाफ से सीधा संवाद होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए नई विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलों को निर्देश दिया है कि ट्रेनों में यात्रा के दौरान उत्पन्न कचरे का व्यवस्थित संग्रहण और निपटान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही 'संवाद' नाम से एक विशेष एक माह का अभियान चलाकर ऑनबोर्ड स्टाफ से सीधे बातचीत की जाएगी।

रेलवे बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) और पेंट्री कार के कर्मचारी यात्रा के दौरान डिब्बों से कचरा एकत्र करेंगे और नामित स्टेशनों पर सीलबंद बैग में उसका निपटान करेंगे। इसका उद्देश्य ट्रेनों और स्टेशनों में स्वच्छता बनाए रखना और यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है। रेलवे बोर्ड ने सभी वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 'संवाद' नामक कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनबोर्ड स्टाफ के साथ बैठकें आयोजित करें। इस दौरान कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया जाएगा तथा उन्हें कचरा प्रबंधन के सही तरीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

'संवाद' सत्रों में निर्देशात्मक वीडियो भी दिखाए जाएंगे ताकि कर्मचारी यह समझ सकें कि यात्रा के दौरान कचरे और खानपान अपशिष्ट का सही ढंग से निपटान कैसे किया जाए। कार्यक्रम का उद्देश्य स्टाफ में जिम्मेदारी और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक रेल मंडल अपने अनुभव और सुझावों को अपने जोन के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक और प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता को भेजेगा। इन रिपोर्टों को बाद में रेलवे बोर्ड के पर्यटन एवं केटरिंग निदेशक के पास समीक्षा के लिए भेजा जाएगा। रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ओबीएचएस और पेंट्री कार सेवा प्रदाताओं के लिए इन दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। किसी भी उल्लंघन की स्थिति में अनुबंध समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने बताया कि यह अभियान एक महीने के भीतर सभी ट्रेनों में पूरा किया जाएगा। इससे पहले जुलाई 2024 में भी रेलवे ने कचरा निपटान के लिए एक प्रणाली लागू की थी, जिसमें हर ट्रेन के लिए निश्चित संख्या में कचरा बैग नामित स्टेशनों पर डिस्पोज करने और उनकी जानकारी सीएमएम प्रणाली में दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। रेलवे बोर्ड का कहना है कि कठोर अनुपालन के साथ 'संवाद' जैसे मानवीय पहल के जरिए भारतीय रेलवे न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि यात्रियों को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है।

सरदार पटेल ने रियासतों के एकीकरण एवं देश की एकता के लिए किया कार्य : केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू

एजेंसी

रायपुर। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर लोरमी में भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एकता रथ पर सवार होकर सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और रथ यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने रियासतों के एकीकरण में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को नमन किया।

लोरमी रेस्ट हाउस से प्रारंभ हुई यह भव्य यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों मनियारी नदी सेतु, फव्वारा चौक, मुंगेली चौक होते हुए राजपूत भवन में समाप्त हुई। यात्रा में एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. के छात्रों द्वारा एकता संदेश की तख्तियों को हाथ में लिए हुए वंदे मातरम और सरदार पटेल अमर रहे के जयकारों ने रैली में उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। 100 मीटर के एक तिरंगे के नीचे हजारों स्कूली एवं कॉलेज थात्र-छात्राओं ने सरदार वल्लभ भाई पटेल से प्रेरित एवं उनके आदर्शों का संदेश देते हुए आपसी एकता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। रैली में केन्द्रीय राज्य मंत्री साहू और उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

एकता यात्रा के समापन के बाद राजपूत भवन में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री साहू और उप मुख्यमंत्री श्री साव ने एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण किया। श्री साहू ने अशोक का पौधा और श्री साव ने नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन में स्वच्छता दीदियों और छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। आंतरिक सुरक्षा में योगदान देने और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का संकल्प भी दिलाया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर इस यूनिटी मार्च का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज लोरमी एवं मुंगेली में यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। उन्होंने इस भव्य यात्रा में जनमानस के उत्साह को रेखांकित करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री साहू ने कहा कि यूनिटी मार्च का उद्देश्य सरदार पटेल के योगदान से आमजनों को जागरूक करना और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने रियासतों के एकीकरण में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को नमन किया।

फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली आतंकी शाहीद सईद की कार

एजेंसी

फरीदाबाद। दिल्ली विस्फोट मामले की जांच कर रही एनआईए की टीम हरियाणा पुलिस के साथ फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी पहुंची। यहां सर्च के दौरान आतंकी डॉ. शाहीन सईद के फ्लैट के सामने से एक ब्रेजा कार बरामद की है। इसकी पुष्टि फरीदाबाद पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस बरामद ब्रेजा कार की जांच कर रही है। यह बरामदगी संयुक्त ऑपरेशन का हिस्सा है।बुधवार को विवि प्रबंधन ने पूरे प्रकरण से पल्ला झाड़ते हुए एक लिखित बयान जारी किया था। उस बयान में भी गाड़ी विवि परिसर में होने की बात को छिपाया गया था। शाहीन सईद दिल्ली ब्लास्ट में आरोपित है और यूनिवर्सिटी में कार्यरत थी। कार डॉ. शाहीन सईद के नाम पर पंजीकृत है और सितंबर 2025 में खरीदी गई थी। यह गाड़ी यूनिवर्सिटी के ब्लॉक नंबर-15 के फ्लैट नंबर 32 के बाहर खड़ी मिली। कार की ड्राइविंग सीट पर सफेद कोट और पानी की खाली बोतल रखी थी। एनआईए टीम ने कार को मौके से अपने कब्जे में नहीं लिया और दोपहर तक वह परिसर में ही खड़ी रही। शाहीन सईद के सामने वाले ब्लॉक नंबर-17, फ्लैट नंबर-13 में दिल्ली ब्लॉस्ट का दूसरा आरोपित डॉ. मुजम्मिल शकील रहता था। दोनों के बीच लगातार संपर्क था और एक-दूसरे के फ्लैट में आना-जाना आम बात थी। जांच एजेंसियों ने आज कई घंटे सर्च के दौरान दोनों के फ्लैटों से कई दस्तावेज जब्त किए हैं। आसपास के फ्लैटों की भी तलाशी ली गई। सूत्रों के मुताबिक, डॉ. शाहीन के पास एक और स्विफ्ट कार भी है।

डायबिटीज केवल बीमारी नहीं, राष्ट्रीय चुनौती: डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

भुवनेश्वर। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि डायबिटीज अब सिर्फ एक चिकित्सीय स्थिति नहीं बल्कि हृदय, नसों और गुर्दों से जुड़ी जटिलताओं का पूरा स्पेक्ट्रम बन चुकी है, जो भारत के लिए एक बड़ी राष्ट्रीय स्वास्थ्य चुनौती है। जितेंद्र सिंह ने विश्व मधुमेह दिवस की पूर्व संध्या पर भुवनेश्वर स्थित सीएसआईआर-आईएमएमटी में फिनोम नेशनल कॉन्क्लेव ऑन लॉन्गिट्यूडिनल कोहोर्ट स्टडीज कोहोर्ट कनेक्ट 2025 का शुभारंभ किया।

यह कार्यक्रम भारत में बीमारियों के जीन, जीवनशैली और पर्यावरणीय कारकों पर आधारित अब तक का सबसे बड़ा साक्ष्य आधारित अध्ययन बताया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य डेटा को एकत्र कर भारत केंद्रित रोकथाम और उपचार रणनीतियों का निर्माण करना है। डॉ सिंह ने कहा कि भारत की लड़ाई डायबिटीज जैसी बीमारियों से तभी सफल होगी जब भारतीय डेटा से भारतीय समाधान तैयार किए जाएं। पहले डायबिटीज को दक्षिण भारत तक सीमित माना जाता था, लेकिन अब यह जीवनशैली और पर्यावरणीय बदलावों के कारण पूरे देश में फैल चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत एक साथ संक्रामक और गैर संक्रामक रोगों से जूझ रहा है, इसलिए नीति निर्माण के लिए

एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। भारत की फेनोटाइपिक विशिष्टता को दशकों से माना जाता रहा है, लेकिन अब सीएसआईआर की फिनोम इंडिया पहल और लॉन्गिट्यूडिनल कोहोर्ट स्टडीज के माध्यम से वैज्ञानिक आधार पर इसे सिद्ध किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत और विदेशों में रहने वाले भारतीयों में भी मेटाबोलिक डिसऑर्डर्स की प्रवृत्ति समान देखी जाती है, जो आनुवंशिक कारणों की ओर इशारा करती है। डॉ सिंह ने चिकित्सा इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह पहले रिफाइंड ऑयल को हृदय के लिए सुरक्षित बताया गया था और बाद में वही हृदय रोग का कारण निकला, उसी प्रकार किसी भी नई तकनीक या दवा को अपनाने से पहले भारतीय संदर्भ में दीर्घकालिक अध्ययन जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर और जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने अब तक 10 हजार मानव जीनोम सीक्वेंस पूरे कर लिए हैं और जल्द ही एक मिलियन जीनोम सीक्वेंसिंग का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा। इसके साथ ही भारत ने स्वदेशी फैक्टर 8 पर हेमोफिलिया ट्रायल में सफलता हासिल की है।

पंजाब में विदेशी हैंडलरों से जुड़े 10 मुख्य सहयोगी गिरफ्तार, ग्रेनेड हमले की साजिश बेनकाब

चंडीगढ़। लुधियाना पुलिस आयुक्तालय ने विदेशी हैंडलरों से जुड़े 10 मुख्य सहयोगियों को गिरफ्तार करके पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसी आईएसआई समर्थित ग्रेनेड हमला मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पकड़े गए आरोपित मलेशिया स्थित तीन सहयोगियों के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे, ताकि हैंड ग्रेनेड की प्राप्ति और आपूर्ति के लिए समन्वय स्थापित किया जा सके। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान कुलदीप सिंह, शेखर सिंह और अजय सिंह उर्फ अजय के रूप में हुई है, जो सभी मुक्तसर साहिब के निवासी हैं। अमरीक सिंह, परमिंदर उर्फ चिड़ी, विजय, सुखजीत सिंह उर्फ सुख बराड़, सुखविंदर सिंह, करनवीर सिंह उर्फ विक्की और साजन कुमार उर्फ संजू को कूरियर और सहयोगी की भूमिका निभाने के आरोप में विभिन्न जेलों से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया है।

सहकार, कृषि और उद्योग हमारे विकास के आधार स्तंभ: डॉ मोहन भागवत

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने कहा है कि विविधताओं को कैसे संभालना है यह हमें दुनिया को सिखाना है क्योंकि दुनिया के पास ऐसा तंत्र नहीं है जो भारत के पास है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर '100 वर्ष की संघ यात्रा श्रंखला' के अंतर्गत कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर के पृथ्वीराज चौहान सभागार में 'उद्यमी संवाद नए क्षितिज की ओर' कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश के प्रमुख उद्यमियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संघ को प्रत्यक्ष अनुभव किए बिना संघ के बारे में राय मत बनाइए। संघ से जुड़ने के लिए शाखा में आइए, जो आपको अनुकूल लगे वह काम आप कर सकते हैं। संघ पूरे समाज को ही संगठित करना चाहता है। पूरा समाज संघ बन जाए यानी प्रमाणिकता से निःस्वार्थ बुद्धि से सब लोग देश के लिए जिएं। सरसंघचालक ने कहा कि संघ के 100 वर्ष की यात्रा पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम कोई सेलिब्रेशन नहीं है बल्कि आगे के चरण की दृष्टि से अपने कार्य की वृद्धि का विचार करने के लिए ये कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को परम वैभव संपन्न और विश्वगुरु बनाना किसी एक व्यक्ति के वश में नहीं है। नेता, नारा, नीति, पार्टी, सरकार, विचार, महापुरुष, अवतार और संघ

जैसे संगठन इसमे सहायक हो सकते हैं परन्तु मूल कारण नहीं बन सकते। यह सबका काम है और इसके लिए सबको साथ लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना किसी एक विषय को लेकर नहीं हुई। संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार क्रांतिकारी थे। वे इंडियन नेशनल कांग्रेस के बहुत सक्रिय कार्यकर्ता थे। उसके आंदोलनों में संघ स्थापना के पहले और एक बार स्थापना के बाद दो बार जेल गए। जो देश हित और समाज हित में चल रहा था उसमें वह सक्रिय रहे। असहयोग आंदोलन में उन पर राजद्रोह का अभियोग लगा। उन्होंने बचाव में पक्ष रखना चुना क्योंकि इससे दोबारा भाषण का मौका मिलता । उनके बचाव भाषण को सुनकर जज को कहना पड़ा कि उनका बचाव भाषण पहले भाषण से भी अधिक राज द्रोही है। डॉ. हेडगेवार ने अनुभव किया कि समाज में डेढ हजार साल से जो दुर्गुण आ रहे थे उन्हें दूर करना जरूरी है। उन्हें महसूस हुआ कि संपूर्ण हिन्दू समाज को संगठित किए बिना भारत इस पुरानी बीमारी से मुक्त नहीं होगा। इसलिए उन्होंने एक दशक तक विचार और प्रयोगों के बाद संघ की स्थापना की। डॉ. भागवत ने कहा कि संघ किसी को नष्ट करने के लिए नहीं बना है। भारत वर्ष में हमारी पहचान हिन्दू है। हिन्दू शब्द सबको एक करने वाला है। हमारा राष्ट्र संस्कृति के आधार पर एक है न कि राज्य के आधार पर। पुराने समय में जब राज्य अनेक थे तब भी हम एक देश थे, पराधीन थे तब भी एक देश थे। उन्होंने कहा कि समाज की स्वस्थ अवस्था का नाम समाज का संगठन है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संघ कार्य के आगामी चरण के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि सारा समाज देश हित में जिए ये संघ का आगे का काम है। समाज की सज्जन शक्ति जागृत हो, सामाजिक समरसता का वातावरण बने और मंदिर, पानी, शमशान सबके लिए खुले होने चाहिए। परिवार के सभी सदस्य सप्ताह में कम से कम एक बार एकत्र आएं और अपना भोजन एवं भजन अपनी भाषा और अपनी परंपरा के अनुसार करें। पानी बचाने, पेड़ लगाने और प्लास्टिक हटाने जैसे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों के लिए भी हमें आगे आना चाहिए।

1984 के दंगा पीड़ितों की अगली पीढ़ी को मिलेगा रोजगार : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब 1984 के दंगा पीड़ितों की अगली पीढ़ी को रोजगार का अवसर मिलेगा। दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों में मारे गए पीड़ितों के आश्रितों को करुणामूलक (अनुकंपा) आधार पर रोजगार प्रदान करने की नीति को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार की यह नई नीति वर्ष 2007 में लिए गए मंत्रिमंडलीय निर्णय के बाद से लंबित पड़े रोजगार सहायता मामलों को शीघ्रता से निपटाने की दिशा में एक ठोस पहल है। पिछले 18 वर्षों से यह प्रक्रिया विभिन्न कारणों से पूर्ण रूप से संपन्न नहीं हो सकी थी। इस लंबे विलंब को समाप्त करने के लिए अब सरकार ने एक स्पष्ट, व्यवस्थित और समयबद्ध नीति लागू की है, जिससे पात्र परिवारों को शीघ्र रोजगार सहायता प्राप्त हो सकेगी और कोई भी योग्य आश्रित वंचित नहीं होगा।

मुख्यमंत्री के अनुसार नई नीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि जिन पीड़ितों के आश्रित अब 50 वर्ष से अधिक आयु के हो चुके हैं और सेवा ग्रहण करने की स्थिति में नहीं हैं, उन्हें परिवार की अगली पीढ़ी जैसे पुत्र, पुत्री, बहू या दामाद के नामांकन का विकल्प दिया गया है। इससे परिवार को वास्तविक रूप से रोजगार का लाभ मिल सकेगा और सहायता का उद्देश्य सार्थक रूप से पूरा होगा। यह प्रावधान उन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया गया है जिनमें कई पात्र आश्रित अब वृद्ध हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि नई नीति में आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यता में आवश्यक छूट प्रदान की गई है। यह सभी प्रावधान माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों और विधिक प्रक्रिया के अनुरूप होंगे। साथ ही सत्यापन, शिकायत निवारण एवं विभागीय आवंटन के लिए एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया है, जिससे नियुक्तियों की प्रक्रिया न्यायसंगत और जवाबदेह ढंग से संचालित हो सके। मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि यह निर्णय दिल्ली सरकार का पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और उनके सम्मान, न्याय एवं आर्थिक पुनर्वास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी पात्र परिवार अब और प्रतीक्षा न करे। रोजगार का यह अवसर अगली पीढ़ी तक पहुंचाकर हम न केवल आर्थिक सहारा देंगे, बल्कि उन परिवारों के आत्मसम्मान को भी पुनः स्थापित करेंगे।

पहला टेस्ट : दक्षिण अफ्रीका को 159 पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने बनाये 37/1

–बुमराह ने लिए 5 विकेट

कोलकाता (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने यहां के ईडन गार्डन मैदान में शुक्रवार से शुरु हुए पहले टेस्ट में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 159 रनों पर समेटकर अपनी पकड़ बना ली है। भारतीय टीम ने इसके बाद पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बना लिए थे। खराब रोशनी के कारण मैच करीब 20 मिनट पहले समाप्त हो गया। इस प्रकार भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर अभी 122 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर 6 रनों पर खेल रहे थे। भारतीय टीम का एकमात्र विकेट यशस्वी जायसवाल का गिरा। यशस्वी मार्को यानसन की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे। वहीं इसे बाद राहुल और सुंदर ने खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केशव महाराज ने भी अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तानी टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है जो उन्हें भारी पड़ गया। टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 159 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को एक विकेट मिला। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर ने 24, टॉनी डि जॉर्जी ने 24, रेयान रिक्लेटन ने 23, काइल वेरेने ने 16, सिमोन हार्मर ने 5, तेम्बा बावुमा ने 3 और कॉर्बिन बॉश ने 3 रन बनाए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक तीन विकेट पर 105 रन बनाये। लंच के समय वियान मुल्डर 22 और टोनी डि जोर्जी 15 रन बनाकर खेल रहे थे। मेहमान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की पर और उसकी शुरुआत ठीक रही। एडेन मार्क्रम ने 31 और रियान रिकेलटन ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 9 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव ने 7 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। बुमराह ने दो ओवर के अंदर ही दोनों को आउट कर भारतीय टीम को मैच में वापसी करायी। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा

बावुमा को केवल तीन रन पर आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने चोटिल कागिसो रबाडा की जगह कोर्बिन बॉश को शामिल किया है जबकि भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा स्पिनर ऑलराउंडर, अक्षर पटेल ओर कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में उतरा है।

लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत, लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

कुमामोतो (जापान) (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए कुमामोटो मास्टर्स जापान के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में 21-13, 21-17 से हराया।

लक्ष्य ने दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबलों में सातवीं जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। इस साल सितंबर में हांगकांग ओपन में उपविजेता रहे दुनिया के 15वें नंबर के इस खिलाड़ी के सामने अंतिम चार में जापान के छठे वरीय और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी केंटा निशिमोतो की चुनौती होगी।

पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने इस दौरान अपने खेल में शानदार नियंत्रण दिखाकर दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों 4-4 से बराबरी पर थे, लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक के समय 11-8 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल किए और 18-9 की बढ़त बनाने के बाद आसानी से यह गेम अपने नाम कर लिया। लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और शुरुआत में सेन के साथ 9-9 की बराबरी पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दबदबा कायम करते हुए स्कोर को 15-9 कर ली। सिंगापुर के खिलाड़ी ने अंतर को 17-18 कर दिया लेकिन लक्ष्य ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए गेम के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बुमराह ने बनाया रिकार्ड, सबसे ज्यादा बोल्ड आउट करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां पहले ही टेस्ट में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बुमराह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड आउट करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने दिग्गज पूर्व स्पिनर आर अश्विन को पीछे छोड़ा है।

बुमराह के अब तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 152 विकेट बोल्ड आउट करते हुए लिए हैं। ये किसी भारतीय गेंदबाज के तीसरे सबसे अधिक बोल्ड विकेट हैं। वहीं इस मामले में पहले नम्बर पर दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले हैं। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड करने का रिकार्ड है। उन्होंने 186 विकेट बोल्ड लिए हैं। वहीं कपिल देव दूसरे नंबर पर हैं, उन्होंने 167 विकेट बोल्ड करते हुए लिए हैं। वहीं अश्विन 151 बोल्ड विकेट के साथ चौथे और रविंद्र जडेजा 145 बोल्ड विकेट लेकर पांचवें नंबर पर खिसक गये हैं। भारत में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत के मामले में बुमराह पहले नंबर पर हैं।

17.12 - जसप्रीत बुमराह (56 विकेट)

18.38 - रिची बेनो (52 विकेट)

20.91 - रवींद्र जडेजा (246 विकेट)

21.57 - रवि अश्विन (383 विकेट)

22.10 - मोहम्मद शमी (76 विकेट)

22.23 - कुलदीप यादव (51 विकेट)

भारत की नंबर-3 पोजिशन पर फिर विवाद, पूर्व क्रिकेटर ने साई सुदर्शन को बाहर करने पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच से ठीक पहले टीम प्रबंधन ने बल्लेबाज साई सुदर्शन को अंतिम एकादश से बाहर कर दिया। इस फैसले ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर डोड्डा गणेश की कड़ी प्रतिक्रिया को जन्म दिया। उन्होंने नंबर-3 जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर लगातार बदलावों को टीम की 'बिना सोच-समझ की रणनीति' बताया। 2023 में चेतेश्वर पुजारा को हटाने के बाद से भारत इस जगह पर कई खिलाड़ियों को आजमा चुका है, लेकिन स्थिरता अब भी दूर है। गणेश ने चार स्पिनरों को खिलाने की रणनीति पर भी सवाल उठाए।

नंबर-3 के लिए वाशिंगटन सुंदर का चयन, सुदर्शन को बाहर

भारत ने पहले टेस्ट के लिए नंबर-3 बल्लेबाज के रूप में साई सुदर्शन की जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया है। सुदर्शन ने अब तक पाँच टेस्ट खेले हैं और नौ पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 273 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हाल में खेले गए दो अनौपचारिक टेस्ट में भी उन्होंने 32, 12, 17 और 23 रन की

पारियां खेली थीं। उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कई विशेषज्ञों का मानना था कि उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए था। लेकिन टीम प्रबंधन ने अचानक बदलाव करते हुए सुंदर पर भरोसा जताया, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

'नंबर-3 पर बिना विजन म्यूजिकल चेयर खेल रहे हैं'

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर टीम प्रबंधन के इस फैसले की जमकर आलोचना की। उन्होंने लिखा, 'नंबर-3 टेस्ट टीम में सबसे अहम जगह है। लेकिन भारत बिना किसी विजन के लगातार खिलाड़ियों को बदल रहा है। विश्वास नहीं हो रहा कि टेस्ट स्तर पर ऐसा हो रहा है। साई सुदर्शन को यह टेस्ट खेलना चाहिए था।' गणेश के अनुसार इस स्थान पर भारत की निरंतरता की कमी विदेशी परिस्थितियों में टीम की बल्लेबाज़ी को कमजोर बनाती है।

चार स्पिनर खिलाने पर भी उठाए सवाल

भारत ने कोलकाता टेस्ट में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे चार स्पिनरों के साथ उतरने का फैसला किया है। गणेश इस फैसले से भी असहमत दिखे। उनका कहना था, ÷पिच कितनी भी स्पिन-अनुकूल क्यों न हो, चार स्पिनर खिलाने की कोई जरूरत नहीं थी।' गणेश के अनुसार, एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज टीम को ज्यादा मजबूती देता, खासकर जब युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की बात हो।

पुजारा के हटने के बाद नंबर-3 की मुश्किलें जारी

2023 WTC फाइनल में हार के बाद भारत ने चेतेश्वर पुजारा को टीम से बाहर किया और उसके बाद से इस स्थान पर लगातार प्रयोग किए हैं। केएल राहुल, शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर जैसे बल्लेबाज़ों को आजमाया गया, लेकिन नियमित सफलता सिर्फ गिल के घरेलू प्रदर्शन में ही देखी गई। विदेशी पिचों पर यह स्लॉट अब भी भारत की सबसे बड़ी कमजोरी बना हुआ है।

कुलदीप 150 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तीसरे गेंदबाज बने

कोलकाता। भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले ही दिन अपने 150 विकेट पूरे किये। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर आउट करने के साथ ही ये उपलब्धि हासिल की है। कुलदीप ने अपने 150 विकेट 87 पारियों में हासिल किये। कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर ही ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराकर अपने 150 विकेट पूरे किये। कुलदीप भारत की ओर से बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले ये उपलब्धि भारतीय टीम की ओर से रविंद्र जडेजा और जहीर खान ने हासिल की थी। इसके अलावा कुलदीप भारत में 150 विकेट हासिल करने वाले दूसरे बतौर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं। कुलदीप ने अपनी ही धरती पर 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का कारनामा बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर सबसे तेजी से किया है। कुलदीप ने केवल 87 पारी में ये आंकड़ा हासिल किया है। इससे पहले जहीर खान ने 135 पारी और जडेजा ने 200 पारी में 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट बाएं हाथ के गेंदबाज़ के तौर पर लिए थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से चोटिल होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल हरे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली टी20 सीरीज से वापसी की संभावना है। पांड्या एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले सुपर 4 के मैच में चोटिल होने के बाद से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गए थे। अब वह फिट हो गये हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले वह घरेलू क्रिकेट में भी फिटनेस साबित करने के लिए खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी महीने के अंत में वह बड़ौदा की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं। पांड्या मैच फिटनेस हासिल करने के बेहद करीब हैं। वह इस समय बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह घरेलू टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो भी दूसरे टी20 में उनकी वापसी तय है। । बड़ौदा का पहला मैच 26 नवंबर को और दूसरा मैच 28 नवंबर को खेला जाएगा। ऐसे में समझा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वहीं नहीं खेलेंगे, क्योंकि उनको टी20 फॉर्मेट में ही वापसी करनी होगी। 9 दिसंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज है, जिसके लिए पांड्या का टीम में चयन हो सकता है और वे इस सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

विश्व कप के लिए जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित, रोहित करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रैग-फ्लिकर रोहित को तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारत की 20 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया। दिग्गज पीआर श्रीजेश की कोचिंग में अभ्यास कर रही भारतीय टीम को पूल बी में चिली, स्विट्जरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। ओमान को पाकिस्तान द्वारा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर हटने के बाद विश्व कप में शामिल किया गया है।

कोच श्रीजेश ने कहा, 'हमने काफी जांच परख कर टीम का चयन किया है। इसके अधिकांश खिलाड़ियों को इस बड़े टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव है। चयन के मानदंडों में उनकी शारीरिक क्षमता, कौशल और टीम-प्ले शामिल थे। हमने हालांकि सबसे ज्यादा ध्यान दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी मानसिक क्षमता पर दिया।'

भारतीय टीम की कमान डिफेंडर रोहित

संभालेंगे, जिन्होंने हाल ही में मलेशिया में हुए सुल्तान जोहोर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम ने रजत पदक जीता था। बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह गोलकीपर के रूप में टीम में चुने गए हैं। भारतीय जूनियर टीम को हालांकि अरिजीत सिंह हुंदल जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी खलेगी, जो कंधे की चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल पाएंगे।

श्रीजेश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप की तैयारी के दौरान हमें अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छा अनुभव मिला है। हमने सीनियर भारतीय टीम के साथ भी कई मैच खेले हैं क्योंकि हम बेंगलुरु स्थित साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) के एक ही परिसर में हैं।' उन्होंने कहा, ''जब खिलाड़ी अपने सीनियर साथियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। कुल मिलाकर हम घरेलू दर्शकों के सामने अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।'

भारतीय जूनियर पुरुष टीम

गोलकीपर : बिक्रमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर : रोहित, आमिर अली, अनमोल एक्का, रवनीत सिंह, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर, शारदानंद तिवारी

मिडफील्डर : अंकित पाल, रोहित कुल्लू, एड्रोहित एक्का, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर

फॉरवर्ड : सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, अजीत यादव, गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह

रेड कार्ड मिलने के बाद रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

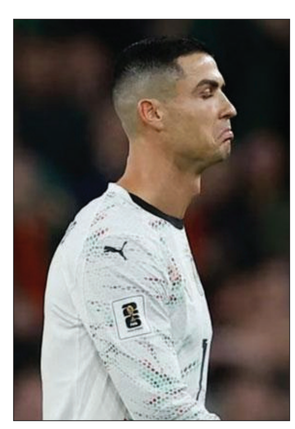

डबलिन। पुर्तगाल अगर उम्मीद के मुताबिक 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर शुरुआती मैचों से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। इस फुटबॉल सुपरस्टार को बृहस्पतिवार को डबलिन में खेले गए क्वालीफाइंग मैच के दूसरे हाफ में आयरलैंड के डिफेंडर दारा ओ'शे को कोहनी मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया था। इस मैच में पुर्तगाल को 2–0 से हार का सामना करना पड़ा था। पुर्तगाल और आर्मेनिया के बीच रविवार को होने वाले मैच को रोनाल्डो नहीं खेल सकेंगे। इस मैच में जीत से पुर्तगाल के पास अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा। फीफा के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार, इसके जज से समूह को 'गंभीर बेईमानी' के लिए कम से कम दो मैचों का प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। 'हिंसक आचरण' के लिए कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध शामिल है। कोहनी मारने को अगर हिंसक माना गया तो रोनाल्डो पर तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। फीफा का प्रतिबंध प्रतिस्पर्धी मैचों पर लागू होगा और टूर्नामेंट से पहले के अभ्यास मैचों में नहीं लगाया जा सकता। अवीवा स्टेडियम में लगभग एक घंटे के खेल के बाद जब आयरलैंड 2–0 की आश्चर्यजनक बढ़त बनाए हुए था तब रोनाल्डो ने अपनी दाहिनी कोहनी ओ' शे की पीठ पर मार दी। रेफरी ने पहले पीला कार्ड दिखाया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उसे रेड कार्ड में बदल दिया। आयरलैंड के प्रशंसकों द्वारा हूटिंग किये जाने के बाद रोनाल्डो ने मैदान से बाहर जाते समय कुछ पल के लिए रुके और प्रशंसकों की ओर देखा। उन्होंने कटाक्ष भरे लहजे में ताली बजाई और व्यंग्यात्मक अंदाज में दोनों हाथों के अंगूठे दिखा। रोनाल्डो फरवरी में 41 साल के हो जायेंगे और उनका लक्ष्य रिकॉर्ड छठे विश्व कप टूर्नामेंट में खेलने का है।

रचिन और कॉनवे सहित कई खिलाड़ियों को रिलीज करेगी सीएसके

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास इस बार नीलामी में 30 करोड़ रुपये से अधिक बचे रहेंगे जिससे वह कई खिलाड़ियों को खरीद सकेगी। सीएसके प्रबंधन का लक्ष्य ऐसे में एक ऐसी टीम बनना रहेगा जो जीत हासिल कर सके। सीएसके के पास मोटी रकम इसलिए बच रही है क्योंकि वह कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज करने जा रही है। इसमें न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे भी शामिल है हालांकि मथीशा पथिराना टीम में बने रहेंगे। इसके अलावा नाथन एलिस को भी रिटेन करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के पास नीलामी में 30 करोड़ रुपये का पर्स हो सकता है। रचिन और कॉनवे के अलावा कई भारतीय खिलाड़ियों को टीम रिलीज करेगी जिसके उसके पास काफी रकम बचेगी। इसका इस्तेमाल टीम का सहयोगी स्टाफ नीलामी में कर सकता है। एलिस को ट्रेड के जरिए कई टीमों ने मांगा है, लेकिन सीएसके ने सीधे तौर पर मना कर दिया है। वहीं दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को भी टीम रिलीज कर सकती है। जडेजा और सैम करन की ट्रेड डील राजस्थान रॉयल्स के साथ हो सकती है, जहां से संजू सैमसन सीएसके में आ सकते हैं। विजय शंकर को भी सीएसके रिलीज कर सकती है। इस तरह सीएसके पास काफी रकम रहेगी। युवा खिलाड़ियों के साथ फ्रेंचाइजी बने रहना पसंद करेगी। वहीं महेन्द्र सिं धोनी भी इस सीजन खेलने वाले हैं तो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी वही संभालेंगे। सीएसके उन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है, जो घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जो खिलाड़ी विदेशी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाल मचा रहे हैं। धोनी का संभावित तौर पर यह आखिरी सीजन होगा। ऐसे में फ्रेंचाइजी चाहेगी कि एक दमदार टीम बनाई जाए।

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर केकेआर के गेंदबाजी कोच बने

कोलकाता - कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के आगामी सत्र के लिए न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम साउथी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। साउथी ने 107 टेस्ट मैचों, 161 वनडे और 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और 776 विकेट लिए हैं। साउथी अपने खेल करियर के दौरान IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (2021, 2022, 2023) का हिस्सा रहे हैं। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कहा, 'KKR मुझे हमेशा घर जैसा लगा है और इस नयी भूमिका में वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस फैंचाइज़ी की संस्कृति अद्भुत है, प्रशंसक जुनूनी हैं और खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है। मैं गेंदबाजों के साथ मिलकर काम करने और IPL 2026 में टीम को सफलता दिलाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।' कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हमें कोच के तौर पर टिम साउथी का केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। टिम का अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता हमारी गेंदबाजी इकाई को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनके नेतृत्व कौशल और शांतचित्त रवैया उन्हें हमारे युवा गेंदबाजों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक बनाते हैं।'

भारतीय रिकर्व पुरुष टीम ने एशियाई स्वर्ण पदक के 18 साल के इंतजार को किया खत्म

ढाका (एजेंसी)। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने हाल के दिनों में अपना सबसे रोमांचक प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को एक बेहद करीबी शूट-ऑफ में हराकर 18 साल में पहली बार एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की तिकड़ी ने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेओ मिंगी, किम येचन और जंग जिहो की कोरिया की दूसरी श्रेणी की टीम पर 5-4 से नाटकीय जीत दर्ज की और 2009 से इस प्रतियोगिता पर कोरिया के दबदबे को खत्म किया। दोनों टीमों ने शूट-ऑफ में 29 अंक बनाए लेकिन दो बार के ओलंपियन दास ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 10 अंक वाला निशाना साधा जो कोरिया के तीरंदाज के निशाने के मुकाबले केंद्र से अधिक करीब था।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जल्दी बाहर होने वाले दास के दबाव में शानदार खेले भारत ने 2007 के बाद से एशियाई चैंपियनशिप पुरुष टीम में पहला स्वर्ण पदक जीता। इस परिणाम के साथ चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या चार स्वर्ण और दो रजत हो गई। कंपाउंड टीम ने बृहस्पतिवार को तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए थे। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम ने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर यादगार दोहरा प्रदर्शन किया।

यह रिकर्व पुरुष टीम के कोच राहुल बनर्जी के लिए बेहद भावुक क्षण था जो 2007 की चैंपियन टीम के सदस्य थे। तब स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में उनके साथ मंगल सिंह चंपिया और जयंत तालुकदार भी थे। खिलाड़ी के तौर पर चैंपियन बनने के अठारह साल बाद 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने दूसरी जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'एक कोच के तौर पर यह वाकई संतोषजनक है क्योंकि हमने कोरिया को हराया। मैं और अतनु कल रात इस बारे में चर्चा कर रहे थे कि हमने लंबे समय से कोई स्वर्ण पदक नहीं जीता था और आखिरकार यह बात पूरी हो गई। अगला लक्ष्य निश्चित रूप से एशियाई खेल हैं।'

कोरिया भले ही अपने दिग्गज ओलंपिक चैंपियन किम वूजिन के बिना आया हो, लेकिन टीम में बेहतरीन प्रतिभाएं मौजूद हैं। सेओ मिंगी राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहे, 20 वर्षीय किम येचन चेंगदू विश्वविद्यालय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। इस तिकड़ी में प्रतिभाशाली जंग जिहो भी शामिल है। बनर्जी ने कहा, 'वे उनके शीर्ष तीन तीरंदाज नहीं हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के बाद उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल लिया और ये चुने गए। जहां तक मेरी जानकारी है वे उनके शीर्ष क्रम में चौथे, पांचवें और छठे नंबर के तीरंदाज हैं।'

फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कोरिया ने पहले सेट में आठ के एक निशाने के बाद 56 अंकों से शुरुआत की और भारत ने उसे माकुल जवाब दिया। भारत दूसरे सेट में एक निशाना सात अंक का लगाने के बावजूद 56 अंक बनाकर फिर से कोरिया की बराबरी करने में सफल रहा। कोरिया ने तीसरे सेट में कोरिया ने 57 अंकों के साथ बढ़त हासिल की लेकिन भारत ने चौथे सेट में लगातार 10 अंकों

वाले निशाने से शुरुआत कर दबाव बना लिया। टीम इस सेट को 57-53 से जीतने में सफल रही। स्कोर 4-4 से बराबर होने के बाद मुकाबला शूट ऑफ में गया जहां टीम ने शानदार निशाने के साथ पिछले दो दशक के खिताबी सूखे को खत्म किया।

पहली बार रियल लाइफ बेस्ड किरदार प्ले करेंगी एक्ट्रेस कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी अपने करियर के सबसे रोमांचक मोड़ पर हैं। एक ओर वह हाल ही में मातृत्व सुख का अनुभव कर चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर उनके पास कई बड़े और महत्वाकांक्षी फिल्म प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। इनमें सबसे बड़ी और चर्चित घोषणा है उनकी मीना कुमारी की बायोपिक कमाल और मीना में मुख्य भूमिका। यह फिल्म न सिर्फ कियारा के अभिनय करियर का नया अध्याय खोलेगी, बल्कि मां बनने के बाद परदे पर उनके कमबैक को भी यादगार बनाएगी। दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी और फिल्मकार कमाल अमरोही के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म को लेकर लंबे समय से चर्चा थी कि मीना का रोल कौन निभाएगा, कियारा आडवाणी या कृति सेनन। अब आधिकारिक रूप से तय हो गया है कि यह चुनौतीपूर्ण किरदार कियारा के हिस्से में आया है। यह फिल्म मीना और कमाल के तूफानी रिश्ते की कहानी को बड़े परदे पर पेश करेगी। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमाल के पोते बिलाल अमरोही कर रहे हैं और निर्देशन हिचकी फेम सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा करेंगे। यह कियारा की पहली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें वह किसी वास्तविक जीवन पर आधारित किरदार को परदे पर निभा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, डायरेक्टर सिद्धार्थ को कियारा में विंटेज बॉलीवुड चार्म और मीना कुमारी की भावनात्मक गहराई से जुड़ने की इमोशनल रेंज नजर आई, जिसके बाद यह फैसला किया गया। फिल्म की शूटिंग 2026 के पहले हिस्से में शुरू होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि वह अपनी भूमिका के लिए उर्दू उच्चारण और अंदाज पर भी काम करेंगी। फिलहाल कमाल के किरदार के लिए एक्टर की तलाश जारी है।

मां बनने के बाद कियारा का है यह पहला बड़ा प्रोजेक्ट साबित होगा

मां बनने के बाद यह कियारा की पहली फिल्म होगी, जो उनके लिए एक नई यात्रा की शुरुआत मानी जा रही है। कमाल और मीना के जरिए वह एक बार फिर दर्शकों को अपने अभिनय की गहराई से रूबरू कराएंगी। यह बायोपिक न सिर्फ उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बनेगी, बल्कि यह भी दिखाएगी कि कियारा कितनी सहजता से ग्लैमरस भूमिकाओं से निकलकर भावनात्मक और क्लासिक किरदारों में ढल सकती हैं। कमाल और मीना के अलावा कियारा के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं इनमें सबसे चर्चित टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स है, जिसमें वह कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ नजर आएंगी।

यामी और इमरान से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला

पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकी वर्तिका सिंह ने कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। किसी नए कलाकार के लिए पहला मौका खास होने के साथ ही और चुनौतीपूर्ण भी होता है, लेकिन वर्तिका ने बताया कि उन्हें फिल्म के सेट पर अपने किरदार को निभाने में कोई परेशानी नहीं हुई। इंटरव्यू में वर्तिका ने अपने को-स्टार्स, खासकर इमरान हाशमी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि इमरान जमीन से जुड़े बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मुझे इमरान हाशमी के साथ काम करने पर किसी तरह का स्टारडम का दबाव महसूस नहीं हुआ। वह हर किसी को समान महत्व देते हैं, जिससे नए कलाकारों को एक अलग आत्मविश्वास मिलता है। इमरान के समान रवैये से मुझे अपने किरदार को बेहतर ढंग से निभाने का मौका मिला। वह हर सीन में काफी सहज रहे। वर्तिका ने यामी गौतम के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, यामी के ज्यादा सीन इमोशन्स से भरपूर थे, इसलिए सेट पर मजाक-मस्ती कम ही थी। उन्हें हर सीन से पहले अपने किरदार में डूबने के लिए उनके इमोशन्स से जुड़ना पड़ता था। यामी से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मैंने उनसे छोटे-छोटे हाव-भाव और किरदार में गहराई बनाए रखने के तरीके सीखे। अपने किरदार साइरा को लेकर वर्तिका ने कहा, मैंने खुद को पूरी तरह अपने किरदार में डुबो दिया। मैंने साइरा की मानसिकता और भावनाओं को समझने के लिए कविताएं भी लिखीं। साथ ही उसके अतीत, पालन-पोषण और जीवन की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए उसे पूरी तरह महसूस किया। मैंने इसके लिए नोट्स भी तैयार किए। फिल्म हक में इमरान हाशमी और यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी शाह बानो केस से प्रेरित है। इसमें यामी शाजिया नाम की महिला की भूमिका में हैं। कहानी में साइरा शाजिया के पति (इमरान हाशमी) के प्यार में पड़ जाती है और उससे दूसरी शादी कर लेती है, जिसके बाद कानूनी जंग शुरू होती है। इस फिल्म का निर्देशन सुपर्ण वर्मा ने किया है।

कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी पूजा भट्ट की नई फिल्म, जितेंद्र कुमार नजर आएंगे

पूजा भट्ट ने अपनी नई फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म भारत की कबूतरबाजी संस्कृति पर आधारित होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के एक्टर जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। पूजा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर जितेंद्र कुमार के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और लिखा, दो दमदार कलाकार। एक गहरी कहानी। अपनी अगली फिल्म की घोषणा करते हुए बेहद खुश हूं। यह भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी परंपरा, कबूतरबाजी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है।

फिल्म की स्टार कास्ट

पूजा भट्ट की इस फिल्म में उनके साथ पंचायत सीरीज के जितेंद्र कुमार नजर आएंगे। इस फिल्म में पूजा भट्ट मां की भूमिका में नजर आएंगी, जबकि जितेंद्र उनके बेटे का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म के निर्माता ख्याति मदान और सह-निर्मिता हितेश केवले हैं। इस फिल्म को बिलाल हसन द्वारा लिखित और निर्देशित किया जाएगा।

जितेंद्र कुमार का करियर

जितेंद्र कुमार को हाल ही में पंचायत सीरीज के तीसरे सीजन में देखा गया था। जितेंद्र को टीवीएफ पिचर्स में जीतू, कोटा फैक्ट्री में जीतू भैया और पंचायत में अभिषेक त्रिपाठी के किरदारों के लिए जाना जाता है। जितेंद्र ने शुभ मंगल ज्यादा सावधान, जादूगर और ड्राई डे शामिल हैं। अब वह पूजा भट्ट के साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

किसकी बायोपिक करना चाहते हैं जितेंद्र

एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में जितेंद्र ने बताया था कि उन्हें क्रिकेट बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, 'मुझे विराट कोहली की कहानी बेहद प्रेरणादायक लगती है। अगर कभी मौका मिला तो मैं जरूर उनकी बायोपिक करना चाहूंगा।'

मुझे कलाकार के तौर पर चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं

स्टार प्लस की महाभारत में मत्स्य रानी सत्यवती का रोल एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने किया था। उनके किरदार की तारीफ हर किसी ने की थी। अब एक्ट्रेस टीवी सीरियल जगद्धात्री में दिखने वाली हैं। उन्होंने सीरियल से जुड़े एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। सीरियल जगद्धात्री जीटीवी पर आने वाला है। इसमें अपने किरदार माया देशमुख पर सायंतनी घोष ने बातचीत में कहा कि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल किरदार था। अभी तक मैंने कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। लेकिन, यह सबसे अलग है। कलाकार के तौर पर मुझे चैलेंजिंग रोल ज्यादा पसंद हैं और इसी वजह से मैंने इस रोल को एक्सेप्ट किया। उन्होंने कहा कि माया देशमुख घर और बिजनेस दोनों संभाल रही है। मुझे लगता है कि असल जिंदगी में हर महिला का जीवन ऐसे संघर्ष से भरा रहता है। इसी वजह से माया के किरदार ने मुझे ज्यादा प्रभावित किया। हमें पहले लोगों की सोच बदलने की जरूरत है। लोगों को लगता है कि महिलाएं एक्शन नहीं कर सकतीं, लेकिन जगद्धात्री ऐसा शो है, जिसे महिला लीड कर रही है और पुरुषों की तरह एक्शन कर रही है। शो नारी की शक्ति का प्रतीक है। मुझे इस शो से बहुत सारी उम्मीदें हैं। मैं दर्शकों से इस सीरियल को बहुत सारा प्यार देने की रिक्वेस्ट करूंगी। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में आए बदलावों पर बात करते हुए कहा कि 20 साल में टेलीविजन इंडस्ट्री में बहुत बदलाव आए हैं। मैं भी समय के साथ खुद को बदलती हूं। आजकल धैर्य की कमी देखी जा रही है। पहले शो सालों तक चलते थे। आज शो कुछ ही महीनों में खत्म हो जाते हैं। इतनी ज्यादा प्रतियोगिता है कि सीरियल की शेल्फ लाइफ कम हो गई है। इसमें बदलाव लाना चाहिए। सायंतनी घोष ने कहा कि मेरा सफर टीवी शो नागिन से शुरू हुआ था। मैंने महाभारत और नामकरण जैसे शोज किए हैं, जिनके लिए मुझे आज भी याद किया जाता है। लेकिन अब मैं कुछ अलग करना चाहती हूं और एक कलाकार होने के नाते आगे बढ़ना चाहती हूं। इसके लिए सीरियल जगद्धात्री बेस्ट है, क्योंकि ये अलग है।

श्रिया पिलगांवकर ने खत्म की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। जिसके साथ श्रिया ने जानकारी दी है कि उन्होंने फिल्म हैवान में अपने हिस्से की शूटिंग खत्म कर ली है। प्रियदर्शन के साथ श्रिया पिलगांवकर ने एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। यह तस्वीर फिल्म हैवान के सेट की है। इस तस्वीर में श्रिया और प्रियदर्शन मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। श्रिया ने अपनी और प्रियदर्शन की इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक परम सौभाग्य की बात है, जिसका नेतृत्व किया निर्देशक प्रियदर्शन ने। आगे श्रिया ने हैवान की पूरी टीम का धन्यवाद किया। आगे श्रिया ने फिल्म के स्टार्स को लेकर लिखा, सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा।

फिल्म हैवान के बारे में

बॉलीवुड आगामी फिल्म हैवान में अक्षय कुमार और सैफ अली खान हैं, जो प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित है। यह 2016 की मलयालम फिल्म ओप्पम का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में श्रिया के अलावा सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, सैयामी खेर और राजपाल यादव जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे।

विदेशों में भारतीयों की घिसी-पिटी छवि बनी हुई है

दीपिका पादुकोण ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी घराने से आने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। अब दीपिका अपनी शर्तों पर काम करती हैं। यही कारण है कि अपने आठ घंटे काम करने की मांग के चलते उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकलीं, लेकिन उन्होंने खुद से समझौता नहीं किया। अब दीपिका ने अपने हॉलीवुड करियर को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है।

दीपिका ने कहा कि वो हॉलीवुड में अपनी शर्तों पर काम करेंगी, न कि वैसा जैसी हमारी वहां छवि बनी हुई है। दीपिका ने कहा विदेशों में आज भी भारत को लेकर एक छवि है। साथ ही उन्होंने अपने साथ वहां हुए भेदभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं भारत को दुनिया के सामने लाने को लेकर बहुत स्पष्ट थी, लेकिन जिस भारत को मैं जानती हूं, वह ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए हॉलीवुड में जाना और कुछ ऐसी चीजें करना जो हमसे उम्मीद की जाती हैं या जो ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से करना, कुछ ऐसा है जो मैं कभी नहीं करना चाहती थी। विदेशों में यात्रा के दौरान भी मैंने अक्सर देखा है कि वहां लोगों के मन में भारतीयों के बारे में वही पुरानी और घिसी-पिटी छवि है। चाहे वह कास्टिंग को लेकर हो, या हमारे बोलने के तरीके को लेकर हो या मेरी त्वचा के रंग को लेकर हो। यही कारण है कि हमें वहां टैलेंट को देखते हुए काम नहीं मिला, बल्कि घिसे-पिटे रोल दिए गए। दीपिका ने कहा कि मैं बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं यह काम अपने तरीके से और अपनी शर्तों पर करूंगी। बेशक इसमें ज्यादा समय लगा। हाल ही में अपने एक इंटरनेशनल ब्रांड के अभियान को याद करते हुए दीपिका ने बात की, जब सनसेट बुलेवार्ड पर जगह-जगह उनके होर्डिंग लगे थे। अभिनेत्री ने कहा कि मैं उस समय लॉस एंजिल्स में थी। यह देखकर पहले मुझे अजीब लगा, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी हुआ। एक वैश्विक लक्जरी ब्रांड के होर्डिंग पर एक भूरे रंग का चेहरा देखकर अच्छा लगा। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था और यह हर एक भारतीय महिला की जीत जैसा लगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण इन दिनों शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वो एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

विन डीजल के साथ हॉलीवुड डेब्यू

दीपिका ने 2017 में विन डीजल के साथ 'XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से हॉलीवुड में कदम रखा था। तब से दीपिका ने कई इंटरनेशनल ब्रांड साइन किए हैं और ग्लोबल मंच पर लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हालांकि, उसके बाद से दीपिका किसी हॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं।

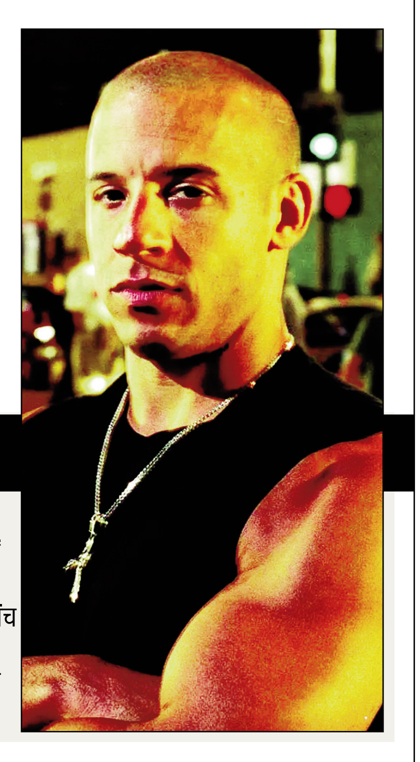

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

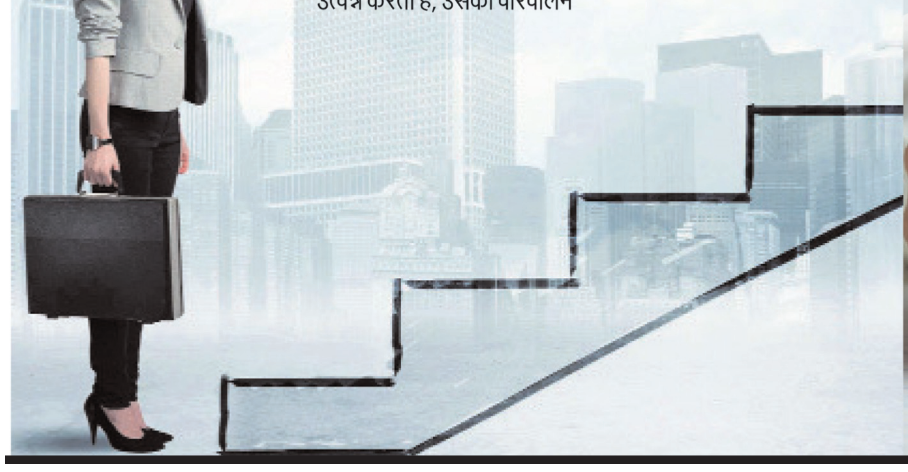

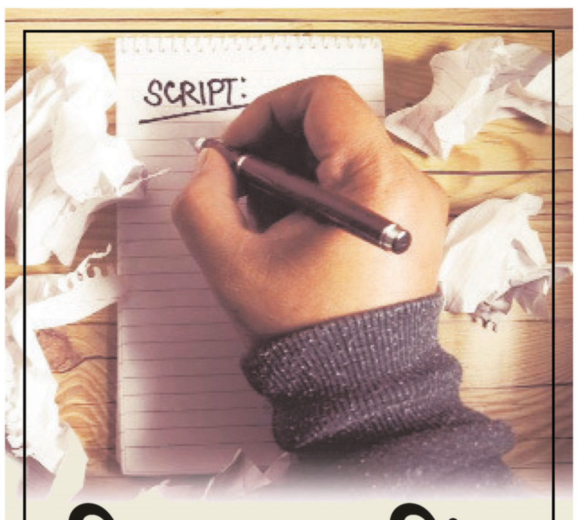

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

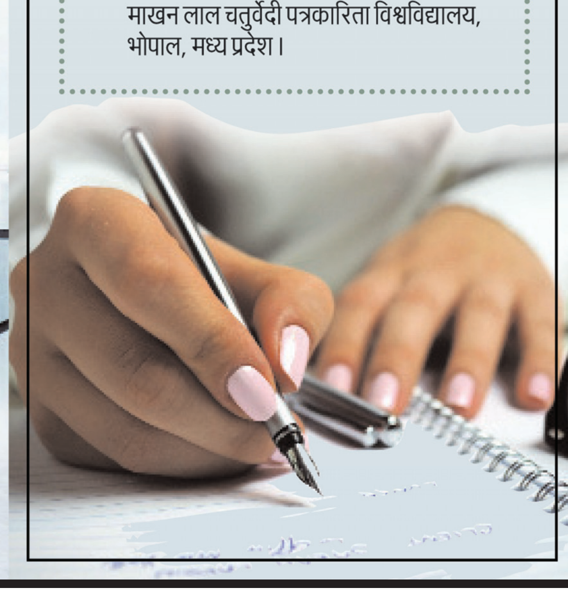

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।